माघ मास, शुक्ल पक्ष 7, वर्ष 11, अंक 350, पृष्ठ 12, मूल्य : 5.00

वाराणसी, शनिवार, 28 जनवरी, 2023

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अंदर - संस्कृति के उद्गाता पं विद्यानिवास मिश्र

अन्दर : अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार के बाद भावुक हुई सानिया मिर्जा

निवेशकों के 2.75 लाख करोड़ डूबे

अडाणी को 1.32 लाख करोड़ का नुकसान, अमीरों में तीसरे से सातवें नंबर पर पहुंचे

ब्लैक फ्राइडे

अमेरिकी रिपोर्ट में ग्रुप पर गंभीर आरोप, इसमें मनी लॉन्ड्रिंग की भी सेबी कर रही जांच

अडाणी ग्रुप के सीएफओ जुगशिंदर सिंह ने आरोपों को बताया, बकवास

नई दिल्ली। कंपनियों पर कर्ज की रिपोर्ट के बाद अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर्स में गिरावट का दौर जारी है। अडाणी टोटल गैस और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयर्स में 20-20% की गिरावट आई है।? गिरावट का ये दौर तब शुरू हुआ, जब फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म हिंडेनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। अडाणी ग्रुप पर इसका बड़ा असर पड़ा है। अडाणी की नेटवर्थ बुधवार से अब तक यानी 3 दिन में 10% से ज्यादा कम हो गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडाणी को 1.32 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। अडाणी की कंपनियों की मार्केट कैप भी कम हुई है, जिसके चलते निवेशकों को 2.75 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म हिंडेनबर्ग ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि अडाणी ग्रुप की सभी 7 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों पर काफी ज्यादा कर्ज है। ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयर 85% से ज्यादा ओवरवैल्यूड भी हैं। अडाणी ग्रुप ने शेयरों में हेरफेर की। अकाउंटिंग में धोखाधड़ी की गई है। अडाणी ग्रुप कई दशकों से मार्केट मैनिपुलेशन, अकाउंटिंग फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग कर रहा है।

टोटल नेटवर्थ अब 96.6 बिलियन डॉलर, यानी 7.88 लाख करोड़ रुपए रह गई है। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का 20,000 करोड़ रुपए का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर शुक्रवार को खुला। प्राइस बैंड 3 हजार 112 से 3 हजार 276 रुपये प्रति शेयर तय हुआ। पर आज गिरावट के चलते अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर ही 2 हजार 768 रुपए पर आ गया। यानी 18% गिरावट आ गई। फोर्ब्स की अमीरों की लिस्ट में अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी चौथे नंबर से खिसकर 7वें पर आ गए हैं। 25 जनवरी को उनकी नेटवर्थ 9.20 लाख करोड़ थी, जो शुक्रवार को 7.88 लाख करोड़ रुपए पर आ गई। हालांकि अडाणी ग्रुप के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर जुगशिंदर सिंह ने इस रिपोर्ट को बकवास बताया है। उन्होंने रिपोर्ट को फैक्टलेस बताते हुए कहा कि जो आरोप लगाए गए हैं, वे बेबुनियाद हैं। यह रिपोर्ट दुर्भावना से प्रेरित है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने हमसे संपर्क करने या मैट्रिक्स को वेरिफाई करने की कोशिश नहीं की। यह रिपोर्ट गलत सूचनाओं से भरी है।

हिंडनबर्ग फर्म पर केस की धमकी, फर्म ने कहा-स्वागत है

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के खिलाफ शेयर बिक्री को नुकसान पहुंचाने के मामले में अडाणी ग्रुप लीगल एक्शन लेने का विचार कर रहा है। लीगल एक्शन को लेकर हिंडनबर्ग ने कहा कि वह पूरी तरह से अपनी रिपोर्ट के साथ खड़ा है और अडाणी ग्रुप द्वारा किसी भी कानूनी कार्रवाई का स्वागत करेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अडाणी गंभीर हैं, तो उन्हें अमेरिका में भी मुकदमा दायर करना चाहिए, जहां हम काम करते हैं। हमारे पास कानूनी प्रक्रिया में मांगे जाने वाले दस्तावेजों की एक लंबी लिस्ट है।

रॉयटर्स की खबर के मुताबिक, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया अब अदानी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का अध्ययन कर रही है। इतना ही नहीं रएइक ने 'अदानी-होल्सिम डील' में इस्तेमाल एसपीवी का ब्योरा मांगा है। सेबी ने पिछले एक साल में अडाणी ग्रुप की ओर से की गई सभी डील्स की जांच तेज कर दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लिस्टेड स्पेस में अडाणी ग्रुप की ओर से जितने भी ट्रांजैक्शन हुए हैं, सेबी उन सभी ट्रांजैक्शन की जांच कर रही है और जांच को पहले से तेज कर दिया है।

केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे के भाई की मौत

मेडिकल कॉलेज में परिवार ने किया हंगामा, लापरवाही बरतने पर 2 डॉक्टर निलंबित

पटना। भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे के छोटे भाई निर्मल चौबे की मौत हो गई है। इस पर परिवार और उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। परिवार का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही से मौत हुई है। हंगामा कर रहे लोगों ने अस्पताल अधीक्षक असीम कुमार दास को घेर लिया। मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया। समझाने पर परिवार वाले नहीं माने। उनकी मांग पर दो डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया। निर्मल चौबे 65 वर्ष के थे। एयरफोर्स से रिटायर थे। शाम 4 बजे तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। परिवार के मुताबिक अचानक से उनकी तबीयत बिगड़ी, सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, लेकिन आईसीयू में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। परिवार और उनके साथ आए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। डॉक्टर पर कार्रवाई के लिए अड़ गए। इस पर अस्पताल अधीक्षक ने डॉक्टर विनय कुमार और आदित्य वैद्य को सस्पेंड कर दिया। अस्पताल अधीक्षक ने माना कि आईसीयू में मौके पर डॉक्टर नहीं थे।

SUPERCON
Durable, Hygienic, Strong Quality Products
उत्तम गुणवत्ता के श्रेष्ठतम टिकाऊ उत्पाद
ठोस प्लास्टिक के दरवाजे, पल्ले एवं खिड़कियों की चौखट
विशेषताएं
1. पानी एवं सीलन से सुरक्षित
2. ऐंठने या टेढ़े होने का डर नहीं।
3. अवधि 50 वर्ष एवं अधिक।
4. रख-रखाव का खर्च कुछ नहीं।
5. दीमक एवं कीड़े-मकोड़ों का असर नहीं।
6. आग फैलती नहीं खुद बुझ जाती है।
7. डिजाइन एवं साइज आवश्यकता अनुसार उपलब्ध।
वितरक - जैन एजेन्सीज
व्यापारिक पूछताछ आमंत्रित
17A नील काटेज, मलदहिया, वाराणसी, फोन-0542-2207486, मो. 9554220883

NARAYANDAS
नरायन दास सर्राफ ज्वेलर्स
916 हॉलमार्क ज्वेलरी
0542-2361600, 2067700, 8318650580
अर्दली बाजार
0542-2506500, 2507700, 9455084195
SUNDAY OPEN

डीयू में बीबीसी डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग से पहले बवाल

प्रदर्शनकारी छात्र पुलिस हिरासत में, धारा 144 लागू

विवाद

दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित अंबेडकर यूनिवर्सिटी से शुक्रवार को डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग की बात सामने आई

बिजली कट होने से छात्रों ने फोन और लैपटॉप पर देखा

नई दिल्ली। गुजरात के 2002 दंगों पर बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर विवाद अब गहराता जा रहा है। इसे लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर रजनी अब्बी ने पहले ही दिल्ली पुलिस को खत लिखकर उचित कार्रवाई की बात कही है। इससे पहले वृत्तचित्र के प्रदर्शन को लेकर पिछले दिनों जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भी हंगामा हो चुका है।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री का विवाद जेएनयू व जामिया से चलकर दिल्ली यूनिवर्सिटी पहुंच गया है। एनएसयूआई केरला द्वारा आर्ट फैकल्टी में शुक्रवार को स्क्रीनिंग के लिए 4:00 बजे का समय दिया था। लेकिन इसका आयोजन नहीं हो सका। कोई विवाद ना हो इसलिए गेट के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने धारा 144 भी लगा दी है। वहीं प्रदर्शन कर रहे छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित अंबेडकर यूनिवर्सिटी से शुक्रवार को डॉक्यूमेंट्री के स्क्रीनिंग की बात सामने आई है। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने वहां की बिजली ही काट दी है। इसके चलते छात्र पहले से ही डाउनलोड की हुई डॉक्यूमेंट्री अपने फोन और लैपटॉप पर देख रहे हैं। इसके अलावा एबीवीपी छात्रों ने विरोध में तोड़फोड़ की। गौरतलब है कि 24 जनवरी को पश्चिम बंगाल की जादवपुर यूनिवर्सिटी में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के बाद इसके पूरे देश के विश्वविद्यालयों में इसके स्क्रीनिंग की बात कही थी। इसी को देखते हुए एहतियात के तौर पर डीयू की प्रॉक्टर रजनी अब्बी ने दिल्ली पुलिस को इस संबंध में पत्र लिखा है।

कैप्टन अमरिंदर हो सकते हैं महाराष्ट्र के अगले गवर्नर

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह महाराष्ट्र के अगले गवर्नर बन सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं भाजपा की टॉप लीडरशिप में इसको लेकर सहमति बन गई है। कैप्टन को नया रोल सौंपने की चर्चा इसलिए भी गर्म है, क्योंकि कैप्टन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छे संबंध हैं। वहीं, भाजपा अमरिंदर को 83 मेंबर वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पहले ही शामिल कर चुकी है। कैप्टन को गवर्नर बनाए जाने के बारे में पूछने पर पंजाब भाजपा के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि उन्हें इस बारे में अभी कुछ पता नहीं है। इधर, कैप्टन की नई भूमिका पर चर्चा तब तेज हुई, जब गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जनवरी की पटियाला रैली रद्द कर दी। इस रैली से पंजाब में भाजपा का लोकसभा चुनाव कैंपेन शुरू होने वाला था। रैली की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और इसकी कमान कैप्टन को ही सौंपी गई थी। महाराष्ट्र के मौजूदा गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी पिछले कुछ समय से विवादों में हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में नए राज्यपाल की नियुक्ति तय मानी जा रही है। आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन अमरिंदर अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर चुके हैं।

छात्रों को पीएम मोदी ने दी टिप्स

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन और तनाव पर छात्रों से संवाद

संदेश

तालकटोरा स्टेडियम में परीक्षा पे चर्चा के दौरान पीएम ने कहा परीक्षा में कभी न अपनाएं शॉर्टकट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को छात्रों को दिए अपने संदेश में कहा कि वे जीवन में कभी भी शॉर्टकट का रास्ता ना अपनाएं। उन्होंने नकल के प्रति भी छात्रों को आगाह किया और कहा कि इससे उन्हें अल्पकालिक लाभ तो हो सकता है लेकिन दीर्घकालिक नुकसान ही होगा। राजधानी स्थित तालकटोरा स्टेडियम में परीक्षा पे चर्चा वार्षिक संवाद के छठे संस्करण के दौरान छात्रों से संवाद में मोदी ने कहा कि छात्रों को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करनी चाहिए।

बता दें कि परीक्षा पे चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करते हैं. इस कार्यक्रम में पीएम तनाव और परीक्षा से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करते हैं। पीएम मोदी ने छठे संस्करण के दौरान छात्रों द्वारा कैलकुलेटर, मोबाइल जैसे तमाम गैजेट्स के अधिक इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त किया और कहा कि छात्रों को अपनी बुद्धिमत्ता पर भरोसा करना चाहिए ना कि अपने मोबाइल फोन पर। प्रधानमंत्री ने छात्रो को टेक्नोलॉजी से विचलित न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बातचीत के लिए जब आप मोबाइल फोन का उपयोग करें तो इसके लिए एक अलग समय तय करें।

प्रधानमंत्री ने परीक्षाओं में अनुचित प्रथाओं के उपयोग के खिलाफ भी दृढ़ता से बात की और छात्रों को सलाह दी कि वे इस बात पर गर्व न करें कि तनाव से बचने के लिए उनकी परीक्षा कितनी अच्छी रही। उन्होंने कहा कि नकल से किसी को एक या दो परीक्षा में तो मदद मिल सकती है लेकिन लंबे समय में जीवन में नहीं। शॉर्टकट कभी भी न अपनाने की सलाह देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में हमेशा मदद करेगी। छात्रों को कई बार उन पर पड़ रहे दबाव का विश्लेषण करना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि कहीं वे अपनी ताकत को कम तो नहीं आंक रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि परिवार के सदस्यों की अपेक्षाएं होना स्वाभाविक है लेकिन अगर वह समाज में दिखावे के लिए ऐसा करते हैं तो गलत है। उन्होंने कहा कि तनाव के कारणों में से एक यह है कि हमने अपनी परीक्षा में कितना अच्छा प्रदर्शन किया, इस बारे में शेखी बघारने लगते हैं।

डीजीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइंस पर लगाया दस लाख रुपये जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने गो फर्स्ट एयरलाइन पर 10 लाख जुर्माना लगाया है। दरअसल, 9 जनवरी को गो फर्स्ट की फ्लाइट 55 यात्रियों को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर छोड़कर दिल्ली के लिए उड़ गई थी। जांच में पाया गया कि कम्युनिकेशन में हुई दिक्कत की वजह से यह गड़बड़ी हुई। इस घटना के बाद कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जताई थी। यात्रियों का कहना था कि बेंगलुरु में केम्पेगौडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास लेकर यात्री बस में सवार हो गए थे। बस विमान तक पहुंची भी, लेकिन यात्रियों को इसमें नहीं बैठाया गया और विमान उन्हें छोड़कर ही उड़ गया। एयरपोर्ट पर 55 पैसेंजर्स को छोड़कर रवाना होने की घटना में गो फर्स्ट ने बाद में डैमेज कंट्रोल की कोशिश की थी। उसने इन यात्रियों से माफी मांगी थी, साथ ही घरेलू उड़ान में एक फ्री टिकट का ऑफर दिया था। इसे वे 12 महीने में कभी भी इस्तेमाल कर सकेंगे। गो फर्स्ट ने इस घटना में शामिल पूरे स्टाफ को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया था।

राहुल के सुरक्षा घेरे में घुसे लोग

यात्रा कैंसिल की, पुलिस ने किया इनकार

आरोप

प्रेस वार्ता कर बोले राहुल गांधी सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के काजीगुंड में एंट्री के सिर्फ एक किलोमीटर बाद ही राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। यहां राहुल के सुरक्षा घेरे में कई लोग घुस आए थे। इसके बाद पुलिस राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला को गाड़ी में बैठाकर अनंतनाग ले गई। अनंतनाग में राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आज यात्रा के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई। टनल से निकलने के बाद पुलिसकर्मी नहीं दिखे। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि हम और नहीं चल सकते। मुझे अपनी यात्रा रोकनी पड़ी। बाकी लोग यात्रा कर रहे थे। राहुल ने कहा- भीड़ को काबू करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि हम यात्रा कर सकते। मेरी सुरक्षा में लगे लोगों की सलाह को दरकिनार करना मेरे लिए मुश्किल था। इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया- भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक परेशान करने वाली है। भारत पहले ही दो पीएम और कई नेताओं को खो चुके है। राहुल गांधी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने नाराजगी जताई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर निशाना साधा। कश्मीर पुलिस ने कांग्रेस के आरोप को गलत बताया है। यात्रा की हिफाजत के लिए फुलप्रूफ इंतजाम किए गए हैं। विभिन्न तरह के सुरक्षा इंतजामों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 15 कंपनियां, यानी लगभग 1500 जवान तैनात हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस की भी 10 कंपनियां, यात्रा की सुरक्षा में लगी हैं। अब बीजेपी ने इस मसले पर राहुल गांधी और कांग्रेस को घेरते हुए कहा है कि यात्रा को सुर्खियों में बनाए रखने के लिए ये आरोप लगाए जा रहे हैं। बीजेपी ने साथ ही कहा कि इस तरह के आरोपों से सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल टूटता है।

ARVACHIN HOSPITAL
GET READY FOR THE FUTURE OF HEALTHCARE
NOW IN VARANASI
200 बेड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर
70+ बेड मॉड्यूलर आई सी यू
8 मॉड्यूलर ओ टी
सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल टीम
24X7 आपातकालीन सुविधा
24X7 डायग्नोस्टिक सुविधा
20+ ओ पी डी
ARVACHIN SUPERSPECIALITY HOSPITAL
OPENING FROM
Thursday, January 26, 2023 | 12:00 PM Onwards
t +91 96959 53111 w www.arvachinhealthcare.com
Plot No. 1700, Amara Khaira Chak, Akhari Bypass NH2, (Near Delhi Public School) Varanasi (U.P.) 221011

मूर्ति विसर्जन के दौरान दो पक्षों में हुई मारपीट

तनातनी

दोनों पक्ष मूर्ति छोड़कर भागे पुलिस ने कराया विसर्जन

रोहनिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के मोहनसराय स्थित तालाब पर मूर्ति विसर्जन के दौरान शुक्रवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। बीच-बचाव करने पहुंचे मोहनसराय गांव के मनीष यादव और सरिता सहित अन्य कई लोगों को भी पीट कर घायल कर दिया।

लोग टडिया और कनेरी गांव में स्थापित सरस्वती प्रतिमा को विसर्जित करने मोहनसराय स्थित तालाब पर पहुंचे, जहां पर पहले मूर्ति विसर्जन करने को लेकर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गये। घटना की सूचना पाकर रोहनिया पुलिस के साथ क्राइम इंस्पेक्टर ओम प्रकाश यादव और मोहनसराय चौकी प्रभारी भी मौके पर पहुंचे, तब तक दोनों पक्ष के लोग तालाब किनारे मूर्ति छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से मूर्ति तालाब में विसर्जन कराया। जिसके बाद पुलिस ने तमाम क्षेत्र से आए मूर्तियों को सुचारू रूप से शांति व्यवस्था के साथ विसर्जित कराया। स्थानीय लोगों ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि मूर्ति विसर्जन के लिए आए दोनों पक्ष के लोग शराब के नशे में धुत थे।

विसर्जन के दौरान हुई मारपीट में घायल महिला

दो पक्षों में मारपीट, चले ईंट और पत्थर

वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के बिंद बस्ती लहरतारा में गुरुवार की देर रात दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई, इस दौरान एक पक्ष ने ईंट पत्थर चलाने का आरोप भी लगाया। पीड़ित ईश्वरचंद्र ने बताया कि हम लोग अपने दरवाजे पर गणतंत्र दिवस मना रहे थे उसी समय बगल के राजन, साजन, राज, निगम व अन्य लोग आकर मारपीट करने लगे और उन लोगों ने ईंट पत्थर भी चलाये, जिससे हम लोगों को काफी चोट आयी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस चार नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी।

शराबी युवक की तालाब में डूबने से गई जान

लोहता। स्थानीय चंदापुर गांव के तालाब में शुक्रवार की दोपहर मोहम्मद रजा (22) नामक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक के भाई मुस्ताक द्वारा सूचना पाकर थानाध्यक्ष लोहता राजकुमार पांडेय पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर डूबे युवक को बाहर निकलवाया। जिसके शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। जानकारी के अनुसार मोहम्मद रजा शराब का आदी था, शुक्रवार को वह जमकर शराब पिया और तालाब के किनारे सो गया। परिवार के लोग उसे घर चलने को कहकर चले गये, कुछ देर बाद वह तालाब में मुह धोने के लिये झुका और काई में फिसलन होने से वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया।

मां की दवा लेने गए युवक को बस ने मारी टक्कर, घायल

वाराणसी। लालपुर-पांडेयपुर थानाक्षेत्र में गुरुवार को मां के लिए दवा लेने जा रहे युवक को तेज रफ्तार से जा रही बस ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार ऐढे गांव निवासी गोलू अपनी मां के लिए दवा लेने के लिए गया था। वापसी में लालपुर स्थित पेट्रोल पंप के सामने बस ने टक्कर मार दी, जिससे गोलू गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोलू के पिता रामबली की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए सीसी फुटेज के माध्यम से बस के बारे में जांच शुरू की।

संक्षेप

अन्नपूर्णा ऋषिकुल में बटुकों ने पेश किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

वाराणसी। शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य विद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकरपुरी महराज ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर बटुकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। इस मौके पर काफी लोग मौजूद थे।

जितेन्द्र गिरी महराज की हुई चादरपोशी

वाराणसी। शक्कर तालाब शैलपुत्री रोड स्थित ब्रह्मलीन महंत चमेली गिरी महराज की शुक्रवार को द्वितीय पुण्यतिथि मनायी गई। इस अवसर पर जितेन्द्र गिरी महराज की चादरपोशी की गई। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत हरि गिरि महाराज आदेशानुसार महंत राहुल गिरी एवं महंत सुरेश गिरी ने श्री भीम बाबा मठ के 4 सालों से महंत के दायित्व को निभाते चले आ रहे जितेंद्र गिरी महाराज को ब्रह्मलीन महंत चमेली गिरी महाराज के द्वितीय पुण्यतिथि पर महंती एवं चादर पोशी कर महंत की गति पर आसीन किया। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया जिसमें काशी मंडल के संत महंत श्रीमहंत नागा सन्यासी, महंत माधव गिरी, महंत वैभव गिरी, महंत श्यामानंद सरस्वती, अखाड़ा कोतवाल महेशानंद, महंत मुक्तेश्वरी गिरी, महंत अंबिका भारती, महंत संजय पुरी महाराज आदि शामिल हुए।

महिला दर्शनार्थी का उचक्कों ने चेन किया गायब

वाराणसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से काशी भ्रमण पर चार दिन पहले आए दर्शनार्थियों में से एक महिला का गुरुवार को बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर से उचक्कों ने चेन गायब कर दिया। सभी दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के किसी होटल में रुकें। गुरुवार को काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। दर्शन पूजन के दौरान मंदिर में सक्रीय उचक्कों ने जय लक्ष्मी नामक महिला के गले से सोने का चेन गायब कर दिया। पीड़िता के मुताबिक गायब चेन पांच तोले वजन का था। महिला दर्शन पूजन कर मंदिर से बाहर निकल संकट मोचन मंदिर जाने के लिए निकली थी। गले से चेन गायब देखकर बीएचयू पुलिस चौकी पर सूचना दी। बीएचयू चौकी प्रभारी ने सीसी कैमरे के फुटेज की जांच कर कार्रवाई करने के लिए कहा। इसके बाद महिला वापस चली गई।

कार की टक्कर से मजदूर की मौत, मुकदमा दर्ज

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के लखराव इलाके में सड़क पर काम करने के दौरान सरकारीपूरा मंडुवाडीह के रहने वाले दीनानाथ पटेल (55) को कार चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो जाने के बाद उन्हें बीएचयू स्थित ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृतक घोषित कर दिया। मृतक की बेटी ज्योति की तहरीर पर पुलिस कार के नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई।

दो लाख रुपए से भरा थैला लौटाकर पेश की मिसाल

चौबेपुर। क्षेत्र के बर्थरा खुर्द गांव में गुरुवार की शाम सड़क पर एक थैले में पड़ा दो लाख रुपया बर्थरा खुर्द गांव के ही अवकाश प्राप्त शिक्षक प्रेमशंकर तिवारी के बेटे अमितेश तिवारी को मिला। इस दौरान वह घर से बाइक चलाकर सारनाथ की ओर जा रहा था। थैले में रुपया व कुछ कागजात देखकर उसे लेकर घर आया तो देखा तो उस कागजात में एक मोबाइल नंबर भी है, तो उसने तुरंत उस मोबाइल नंबर पर फोन कर इसकी सूचना दी और घर बुलाकर उसका थैला वापस कर दिया। थैला हंडिया डीह गांव में एक ईंट भट्ठा संचालक अजय सिंह का बताया गया। उनका मुनीब उसे भट्ठे से लेकर जा रहा था। इतना रूपया वापस करने पर गांव के ही पूर्व जिला पंचायत सदस्य नथुनी यादव के नेतृत्व में युवाओं, बुजुर्गों ने अमितेश को सम्मानित किया।

पुलिस ने नौ वारंटियों को किया गिरफ्तार

बड़ागांव। थानाध्यक्ष बड़ागांव अश्वनी कुमार चतुर्वेदी के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने शुक्रवार को विभिन्न मामलों में वांछित नौ वारंटियों को उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिये गये गैर जमानती वारंटियों में मनोज कुमार उर्फ मोनू सिंह, रोहित सिंह निवासी बसनी ठाकुरपुर, संतोष कुमार यादव, मनोज कुमार यादव पुआरी कला, कमलेश कुमार राजभर गढ़वा, राजकुमार पटेल, शोभनाथ, रिंकु पटेल प्रदीप रमईपट्टी थानाक्षेत्र बड़ागांव के निवासी बताये गये हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं को मिला अधिवक्ता गौरव सम्मान

वाराणसी। गणतंत्र दिवस पर तहसील बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं को अधिवक्ता गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। तहसीलदार सदर ने गुरुवार को वकालत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए बनारस बार के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम सिंह व पूर्व उपाध्यक्ष एवं फौजदारी के अधिवक्ता अनुज यादव को प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील बार के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार व संचालन महामंत्री पंकज कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार, अधिवक्ता राजीव गोस्वामी,रमेश यादव, डीएन यादव,पंकज तिवारी, मो. शान, ऋषिकांत सिंह, कृष्णा यादव इलू, अमित कुमार सिंह समेत कई अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

'बाबा' के दरबार में मत्था टेकेंगी राष्ट्रपति

वाराणसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी फरवरी माह के दूसरे सप्ताह में वाराणसी आ सकती हैं। उनके आगमन को लेकर चल रही सुगबुगाहटों को मानें तो वह आगामी दस या 11 फरवरी को मात्र कुछ घंटे के लिए यहां आएंगी। वह काशी विश्वनाथ मंदिर और कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद लौट जाएंगी। इस बारे में मिल रहे संकेतों के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का वाराणसी प्रवास मात्र दो से ढाई घंटे तक का हो सकता है। हालांकि उनके आगमन के बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी।

हरहुआ में तिरंगा पदयात्रा

हरहुआ। स्थानीय विकास क्षेत्र के अन्तर्गत गणत्रंत्र दिवस पर हरहुआ डीह स्थित मुस्लिम बस्ती से मेराज अहमद ,गुड्डू हाश्मी के नेत्रृत्व मे हर घर तिरंगा के दिन सुबह 8 बजे हरहुआ डीह ईदगाह के मैदान से तिरंगा यात्रा प्रभातफेरी निकाली गयी। जिसमे मुस्लिम बस्ती के छोटे बडे.बुजुर्ग बच्चे सभी शामिल हुए। जुलूस में मेराज अहमद, गुड्डू हाशमी, अब्दुलबारी हाश्मी,गामा खान, फारुक हाशमी, इमरान हाशमी, बबलू शाँह, डॉ प्रदीप पांण्डेय, गुफरान हाश्मी, बेमिसाल इराकी, अनिल पांण्डेय, कामरान हाश्मी, जुबैर खान,शिवशंकर दुबे, साबिर कुरैशी,इजहार खान,सोनू इराकी, इरफान हाशमी, सोनू खान, इश्तियाक खान,बदरुद्दीन खान, मलिक हाशमी,अयान अली, इश्तियाक वारसी, समील हाशमी,सोनू चांद,रिजवान खान, मोहम्मद आसिफ,परवेज इराकी, शेरु इराकी, परवेज खान,सौरभ जायसवाल, उजागर दुबे,अंकित सिंह आदि शामिल थे।

राम दरबार की मूर्ति ज्ञानवापी परिसर पहुंची

आज से होगा रामचरित मानस नवाह्न पारायण

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। काशी सत्संग मंडल की ओर से काशी विश्वनाथ मंदिर कारिडोर में आयोजित नव दिवसीय श्रीरामचरित मानस नवाह्न पारायण ज्ञान महायज्ञ को लेकर शुक्रवार को कैथी से सायंकाल चार बजे रामपंचायतन की मूर्ति (राम दरबार) लाकर काशी विश्वनाथ कारिडोर में स्थापित की गई।

मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार पाठक के अनुसार श्रीरामचरित मानस नवाह्न पारायण ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ 28 जनवरी को प्रातःकाल आठ बजे होगा। इसमें 111 भूदेव मानस नवाह्न पारायण पाठ करेंगे। प्रातः 8.30 बजे शृंगार गौरी का दर्शन-पूजन के बाद नंदी का भी पूजन होगा। समारोह में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती मुख्य अतिथि होंगे। 29 को दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। इस समारोह में राज्य सूचना आयोग उ.प्र. के सूचना आयुक्त सुभाषचंद्र मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर आचार्य सूर्यलाल शास्त्री का प्रवचन भी होगा।

इस मौके पर देवेन्द्र कुमार पाठक, एलएन कपूर, राधेश्याम लोहिया, पवन सराफ, महेन्द्र गुप्त, नंदगोपाल सिंह, लल्लन प्रसाद प्रजापति समेत काफी लोग मौजूद थे।

ज्ञानवापी प्रकरण में निगरानी याचिका पर सुनवाई टली

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में शुक्रवार को ज्ञानवापी प्रकरण में सुनवाई के क्षेत्राधिकार के लेकर दाखिल निगरानी याचिका पर सुनवाई टल गई । एक अधिवक्ता के निधन की वजह से सुनवाई नही हो सकी। इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 15 फरवरी की तिथि नियत की है।

इस मामले में कोर्ट में शैलेन्द्र कुमार पाठक व जैनेन्द्र कुमार पाठक को पक्षकार बनाए जाने की अर्जी पर सुनवाई लंबित है। इस मामले पिछले तिथि पर शैलेन्द्र कुमार पाठक व जैनेन्द्र कुमार पाठक ने पक्षकार बनाए जाने के लिए अधिवक्ता देशरत्न श्रीवास्तव के मार्फत प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर सुनवाई लंबित है। इस आवेदन पर वाद मित्र ने आपत्ति दाखिल कर खारिज करने की गुहार लगाई गई।

वसंत पंचमी पर बाबा का हुआ तिलक

पूजा

मंगल गीत के साथ दूल्हा बने बाबा

डमरुओं की गड़गड़ाहट के बीच निकली शोभायात्रा

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। वसंत पंचमी पर गुरुवार को बाबा विश्वनाथ के तिलकोत्सव टेढ़ीनीम स्थित विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर आरंभ हुआ। भोर में चार से साढ़े चार बजे तक बाबा विश्वनाथ की पंचबदन रजत मूर्ति की मंगला आरती उतारी गई। प्रातः छह से आठ बजे तक ब्राह्मणों ने चारों वेदों की ऋचाओं के पाठ के साथ बाबा का दुग्धाभिषेक किया। प्रातः बाबा को फलाहार का भोग अर्पित किया गया। सायंकाल टेढ़ीनीम के बागला धर्मशाला स्थित हनुमान मंदिर से काशीवासी तिलकहरू बाबा का तिलक चढ़ाने महंत आवास के लिये डमरूओं की गड़गड़ाहट के साथ तिलक का थाल लिये निकले। महंत आवास पर तिलकहरूओं का स्वागत महेंद्र प्रसन्ना की शहनाई की धुन पर किया । तिलकोत्सव की शोभायात्रा महंत आवास पहुंचने पर महंत डॉ.कुलपति तिवारी के सानिध्य में तिलकोत्सव की रस्म पूरी की गयी।

गणतंत्र दिवस पर तिरंगा में सजे बाबा विश्वनाथ

गणतंत्र दिवस पर गुरुवार को बाबा काशी विश्वनाथ का तिरंगा श्रृंगार किया गया। बाबा को लाल, हरा व सफेद फूलों से सजाया गया था। इसके साथ ही मां सरस्वती की मूर्ति भी लगायी गई थी।

बाबा व मां सरस्वती का दर्शन-पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। दोपहर में वैदिक ब्राह्मणों ने विद्या की देवी का पूजन किया।

पूजन कमिश्नर कौशलराज शर्मा व मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने किया।

ग्रह शांति के लिए एक ही स्थान पर कर सकते हैं पूजा

संगोष्ठी

उमरहा नवग्रह मंदिर के स्थापना दिवस पर संगोष्ठी

कई ज्योतिषविदों का किया गया सम्मान

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। विज्ञान हो या ज्योतिष सूर्य सहित नौ ग्रहों का जीवन पर पड़ने वाला व्यापक प्रभाव दोनों स्वीकारते हैं। नौ ग्रहों के दर्शन एक साथ हो इसे ग्रहों में आस्था रखने वालों के लिए बड़ी बात है। पूर्वांचल के सबसे बड़ा नवग्रह मंदिर के इस मंदिर में ग्रहों के मूर्ति को विज्ञान और ज्योतिष दोनों की मान्यताओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

वसंत पंचमी पर उमरहा में स्थित नवग्रह मंदिर में मंदिर के प्रथम स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां एक ओर सूर्योदय के साथ वैदिक ब्राह्मणों के नेतृत्व में षोडशोपचार पूजन के पश्चात नवग्रह पुरश्चरण,रुद्राभिषेक, होम के आयोजन के बाद परिसर में आयोजित वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे नवग्रह मंदिर के संस्थापक एवं काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पाण्डेय और मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने काशी के उभरते हुए युवा ज्योतिषकारों का सम्मान किया। जिसमें विकास त्रिपाठी को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। साथ ही पत्रिका 'ज्योतिष वैज्ञानिकी' का विमोचन किया गया। मंदिर के संरक्षक प्रो.नागेन्द्र पांडेय ने कहा कि इस मंदिर का निर्माण सभी चीजों को ध्यान में रखकर कराया गया है चाहे वह ज्योतिष हो वास्तु हो या फिर विज्ञान।

क्रेडिट कार्ड से हजारों की खरीदारी, मुकदमा दर्ज

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड में हेरफेर कर दस हजार रुपए की आनलाइन खरीददार करने का मामला सामने आया है। पिपलानी कटरा निवासी रवि विश्वकर्मा ने तहरीर में बताया कि उनके एक्सिस बैंक के अकाउंट से संबद्ध क्रेडिट कार्ड से जालसाज ने दो बार में दस हजार रुपये की खरीदारी कर ली, जबकि इन्होंने कोई जानकारी शेयर नहीं किया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया और मामले की जांच में जुट गई।

सास, ससुर व अन्य तीन पर मुकदमा दर्ज

वाराणसी। पांडेपुर स्थित गायत्री नगर कालोनी निवासीनी विवाहिता ने शुक्रवार को ससुराल पक्ष के सास, ससुर व अन्य तीन पुत्रों के खिलाफ घर में घुसकर भाभी के साथ छेड़छाड़ करने व विरोध करने पर मारपीट करने के साथ जान से मारने की धमकी का अरोप लगाते हुए कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पीड़िता द्वारा अरोप लगाया गया कि बीती रात सास केमला देवी, ससुर गजेंद्र शर्मा उनके बेटे सुजीत, राजन, व सूरज पुराने विवाद को लेकर घर मे घुस कर मारपीट करते हुए छेड़छाड़ की।

वाग्देवी की पूजा से राष्ट्र का अभ्युत्थानः प्रो. हरेराम त्रिपाठी

वाग्देवी मंदिर में हुआ षोडसोपचार पूजन-अर्चन

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हरेराम त्रिपाठी की अध्यक्षता में गुरुवार को वसंत पंचमी पर परिसर में स्थापित मां वाग्देवी मंदिर में मां भगवती का षोडशोपचार विधि से पूजन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो त्रिपाठी ने कहा कि इस विद्या मन्दिर मे मां सरस्वती के अवतरण दिवस के रुप में पूजन राष्ट्र कल्याण एंव राष्ट्र अभ्युदय के लिये किया जाता है। पूजन समारोह में वैदिक विद्यार्थियों ने विधिवत मन्त्रोच्चार,मंगलाचरण एवं पूजन किया। संगीत विभाग की ओर से भजन सन्ध्या कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मन्दिर के पुजारी डॉ सच्चिदानंद पांडेय ने वाग्देवी श्रृंगार किया। कार्यक्रम में संयोजक व वेद विभाग के आचार्य महेंद्र पांडेय, प्रो रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो रामपूजन पांडेय, प्रो सुधाकर मिश्र, प्रो दिनेश कुमार गर्ग, प्रो विजय कुमार पांडेय, डॉ विद्याचन्द्रा,डॉ रविशंकर पांडेय एवं भारी संख्या मे विद्यार्थी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

अच्छी उपज के लिए जरूरी है सर्विलांस पद्धति

वाराणसी। चांदपुर क्षेत्र के आईपीएम भवन स्थित मंडलीय एकीकृतनाशी जीव प्रबंधन प्रयोगशाला में शुक्रवार को बायो एजेंट के प्रयोग तथा आईपीएम तकनीक विषयक एकदिनी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी कर्मचारियों की हिस्सेदारी थी। सहायक निदेशक कृषि रक्षा शशिकेश सिंह के संयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र कल्लीपुर के डॉ. नवीन सिंह, आईआईवीआर शहंशाहपुर के डॉ. डीपी सिंह के अलावा डॉ. आरके सिंह, उधरेज सिंह, विवेक यादव तथा राजेश सिंह ने ट्रेनिंग की। उन्होंने शत्रु एवं मित्र कीट की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करने की विधि बतायी। साथ ही बायो एजेंट तथा बायो फर्टिलाइजर आदि के विषय में जानकारी दी गयी। विशेषज्ञों ने बीज शोधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पौधों की रोपाई में बायो एजेंट का 5 से 10 प्रतिशत घोल बनाकर जड़ों को शोधित कर रोपाई करने से अच्छी पैदावार मिलती है। उन्होंने खेत का नियमित भ्रमण करते हुए फसलों की सर्विलांस पद्धति पर भी चर्चा की।

चांदपुर के आईपीएम भवन में शुक्रवार को एकदिनी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत
सूचना
मेरा हाईस्कूल वर्ष 2000 अनुक्रमांक 1764369 का प्रमाणपत्र वास्तव में खो गया है। मनीष सिंह पुत्र त्रिभुवन सिंह ग्राम व पोस्ट-असवरनपुर, जिला-जौनपुर।

आवश्यकता
आवश्यकता है-स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्रभुनारायण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय कासिमाबाद गाजीपुर में बी.एड. विभागाध्यक्ष व 6 प्रवक्ताओं की। योग्यता यू.जी.सी. अधिनियम 31 दिसम्बर 2010/विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी 21 दिनों के अंदर अपना आवेदन 2 प्रतियों में रजिस्टर्ड पोस्ट/स्वयं उपस्थित होकर प्रेषित करें।
प्रबंधक 8960411131

छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर धरने पर बैठे छात्र

वाराणसी। महात्मा काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक बार फिर से छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर छात्र धरने पर बैठ गए। परिसर स्थित पंत प्रशासनिक भवन के सामने लगे गांधी प्रतिमा के पास धरने पर बैठे। इसके पूर्व छात्रों ने पंत प्रशानिक भवन के अंदर प्रवेश करने के बाद शहीद भगत सिंह और महात्मा गांधी का चित्र लेकर जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने कहा कि गणतंत्र दिवस बितने के बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्रसंघ चुनाव को लेकर कोई जवाब नहीं मिला। जिसके चलते हम धरने पर बैठने के लिए बाध्य हुए हैं। धरना प्रदर्शन करने वालों में पूर्व छात्रसंघ महामंत्री ऋषभ पांडेय, छात्र संघ उपाध्यक्ष संदीप पॉल, अखिलेश यादव, विवेक सिंह, प्रतीक गुप्ता, छात्रसंघ महामंत्री प्रभु पटेल, गौतम शर्मा, गौरव पटेल, अनुराग पाठक, करन प्रजापति आदि लोग मौजूद रहे।

जयघोष संग सरस्वती की प्रतिमाएं विसर्जित

वाराणसी। जयकारे के बीच शुक्रवार को सायंकाल मां सरस्वती की प्रतिमाएं पोखरों व सरोवरों में विसर्जित की गई। प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला अपराह्न में ही शुरू हो गया था जिसका क्रम रात्रि तक चलता रहा। युवा व बच्चे मां सरस्वती की प्रतिमाओं संग गाजे-बाजे के साथ चल रहे थे। इस दौरान अबीर-गुलाल भी उड़ाये जा रहे थे। विसर्जन शनिवार को भी होगा। उधर, रोहनिया संवाददाता के अनुसार क्षेत्र के मोहनसराय स्थित पोखरे में सैकड़ों मूर्तियां विसर्जित की गई। इस दौरान मूर्ति विसर्जन को लेकर मोहनसराय में मारपीट भी हुई। पुलिस के पहुंचने पर सभी वहां से भाग गये।

सात देशों के पर्यटक पहुंचे सारनाथ

सारनाथ। भगवान बुद्ध के प्रथम धर्म उपदेश स्थली इतिहास, धार्मिक, सांस्कृति से रूबरू होने के लिए भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद के तहत सात देशों के 44 लोगों का दल शुक्रवार को सारनाथ में पुरातात्विक खंडहर परिसर में धरोहरों से रूबरू हुए। उक्त दल लगभग 11 बजे पुरातात्विक खंडहर परिसर पहुँच कर धर्मराजिका स्तूप, अशोक स्तम्भ, प्राचीन मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर के अवशेष को देखने केबाद धमेख स्तूप पर बनी कलाकृतियों व उसके इतिहास से रूबरू हुए। इसके बाद हैंडीक्राफ्ट के समानो को खरीदा। इस दौरान प्रोटोकॉल अधिकारी असलम खान ने बताया कि इस दल में अर्जेंटीना, बोत्सवाना, कनाडा,जापान, हंग्री, इंडोनेशिया, लिफवाईन,देशों से 44 लोग हैं। ये लोग 10 दिनों तक भारत के ऐतिहासिक स्थलों व संस्कृति शहरों का भृमण कर रहे हैं। भारत सरकार का अच्छा प्रयास है। यह 7वा दल है इसके पहले 6 दल भृमण कर चुके हैं। ये लोग आगरा घूमने के बाद काशी में घाट , काशी विश्वनाथ मंदिर गंगा की आरती को देखेंगे।

बाई इलेक्शन में दो प्रत्याशियों की जीत तय

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। जनपद में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की खाली चल रहे पदों के लिए होने वाले उपचुनाव में दो सीटों पर मात्र एक-एक उम्मीदवार होने के कारण उनके निर्विरोध चुने जाने की उम्मीद है। जबकि अन्य सीटों पर कई दावेदार हैं।

शुक्रवार को नाम वापसी और प्रतीक चिह्न वितरण के बाद यह स्थिति स्पष्ट हुई। जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत) के अनुसार पिंडरा ब्लॉक में बाबतपुर वार्ड-58 की गायत्री एवं चिरईगांव विकास खंड में छितौनी वार्ड-4 की परमिला के निर्विरोध चुन लिए जाने की संभावना है।

जबकि अन्य सीटों पर चल रहे प्रत्याशियों में आराजी लाइन ब्लॉक में दरेखू की जानकी देवी तथा रीना उर्फ संगीता, चिरईगांव विकास खंड में सीवों की श्वेताज पांडेय एवं बसंती देवी, बर्थराकला के संतोष कुमार सिंह तथा अश्वनी कुमार सिंह, कसिहर नरायनपुर के दिनकर चौबे, खरदीपुर के शशिकेष प्रताप सिंह और साक्षी सिंह मैदान में हैं। आगामी नौ फरवरी को मतदान और दस को काउंटिंग होगी।

वाराणसी मारल

भारत ने विश्व के समक्ष खुद को किया स्थापित

कमिश्नरी, कलेक्ट्रेट, विकास भवन, सभी प्रशासनिक कार्यालयों में मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

आयोजन

दफ्तरों में अधिकारियों व कर्मचारियों ने देश की स्वतंत्रता एवं सम्मान अक्षुण्य रखने की ली शपथ

जनसंदेश न्यूज

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कमिश्नरी में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने तिरंगा फहराया और कलेक्ट्रेट में डीएम एस. राजलिंगम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित भी किया

वाराणसी। जनपद में 74वां गणतंत्र दिवस पूरी सादगी और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बीते गुरुवार को हुए आयोजन में कमिश्नरी, कलेक्ट्रेट, विकास भवन तथा सभी तहसीलों समेत विभिन्न विभिन्न प्रशाससनिक कार्यालय में तिरंगा फहराया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। लोगों ने भारत की एकता, अखंडता, धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सौहार्द की भावना को मजबूत बनाये रखने की शपथ ली। कई स्थान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

कमिश्नरी परिसर और कैंप कार्यालय में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने तिरंगा झंडा फहराया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी असंख्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं देशभक्तों की कुर्बानी के बाद मिली है। हम विश्व के सर्वश्रेष्ठ गणतंत्र बने हैं। आने वाला दशक भारत का होगा। कलेक्ट्रेट में तिरंगा फहराने के बाद डीएम एस. राजलिंगम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कई देशों को यह शंका थी कि हमारा देश संविधान को आत्मसात करते हुए गणतांत्रिक व्यवस्था के बल पर आगे बढ़ सकता है या नहीं। लेकिन आज हम एक मजबूत लोकतांत्रिक देश में खड़े हैं। पूरे विश्व के सामने हमने अपने आपको स्थापित कर लिया है। प्रत्येक नागरिक भारत के विकास में योगदान दे।

विकास भवन में सीडीओ हिमांशु नागपाल में तिरंगा फहराया। राजातालाब तहसील में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की तहसील इकाई के संयोजक एवं कवि रमबहाल सिंह मौर्य 'बहाल कवि' ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर अफसरों के रवैये पर व्यंग्यात्मक कविता सुनायी। इंग्लिशिया लाइन में पं. कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन कार्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। रोहनिया प्रतिनिधि के अनुसार मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर से प्रभावित किसानों ने आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता महाबल मिश्र की मुख्य उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया। काशी विद्यापीठ प्रतिनिधि के मुताबिक स्थानीय ब्लॉक मुख्यालय समेत तमाम इलाकों में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम हुए। हरहुआ प्रतिनिधि के अनुसार स्थानीय ग्रामसभा में तैयार सूर्य सरोवर (प्राचीन लाल भाला तालाब) पर तिरंगा न फहराए जाने से असमंजस की स्थिति दिखी। यहां गत वर्ष 15 अगस्त को ध्वजारोहण किया गया था।

'जनसंदेश टाइम्स' कार्यालय पर फहराया तिरंगा

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर तेलियाबाग स्थित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक 'जनसंदेश टाइम्स' कार्यालय पर गुरुवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। निदेशक श्वाश्वत अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान जहां राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी, वहीं राष्ट्रगान भी हुआ। 'भारत माता की जय' और 'वंदेमातरम्' के नारों से वातावरण गूंज उठा। वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व को रेखांकित किया। तत्पश्चात सभी को मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक दिनकर उपाध्याय के अलावा जनसंदेश टाइम्स परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ध्वज फहराता जनसंदेश टाइम्स परिवार

दीक्षा महिला कल्याण शोध संस्थान में ध्वजारोहण

वाराणसी। महिला कल्याण एवं अनाथ बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित संस्था दीक्षा महिला कल्याण शोध संस्थान की ओर से ध्वजारोहण एवं मां सरस्वती की पूजा की गई। साथ ही संस्था में निःशुल्क सिलाई व ब्यूटीशियन सीखने वाली छात्राओं को सर्टिफिकेट भी दिया गया। सेंट्रल बार व बनारस बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष शशांक शेखर त्रिपाठी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। हमें संविधान के प्रति अपने अधिकारों और कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा से करना चाहिए। संरक्षक बाबू धानुका ने बच्चों के सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम की सराहना कहते हुए कहा कि यहां बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दिया जाना सराहनीय कार्य है। इस दौरान बच्चों को पठन-पाठन सामग्री, मिष्ठान आदि वितरित किया गया। धन्यवाद अध्यक्ष संतोषी शुक्ला ने दिया। कार्यक्रम में संजय रघुवंशी, दीपू शुक्ला, अरुण मिश्रा, सोनी चौहान, पलक वर्मा, उन्नति कुमारी आदि उपस्थित थीं।

विधायक सौरभ ने कई जगह किया ध्वजारोहण

गणतंत्र दिवस

बच्चों को किया सम्मानित, गर्म कपड़ों का वितरण भी

गणतंत्र दिवस पर लोगों को संबोधित करते विधायक सौरभ

वाराणसी। कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने गणतंत्र दिवस पर आधा दर्जन से अधिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। कई जगह ध्वजारोहण किया और बच्चों गर्म कपड़े वितरित किये। साथ ही बच्चों को सम्मानित भी किया।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव प्रधानमंत्री के संसदीय जनसम्पर्क कार्यालय में उपस्थित हुए, जहां पर प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी सुनील ओझा ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात विधायक बृज इन्क्लेव स्थित महात्मा मेमोरियल एकेडमी में ध्वजारोहण किए और प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित भी किया। इसके बाद उन्होंने निराला नगर स्थित केएल मेमोरियल स्कूल में ध्वजारोहण किया। स्कूल प्रबंधन ने उनका स्वागत ढोल-नगाड़ों से किया। जबकि माता आनंदमयी चिकित्सालय-शिवाला में विधायक ने ध्वजारोहण किया। जहां बच्चों में गर्म कपड़ों का वितरण भी किया। तत्पश्चात विधायक बीएचयू के 108वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से आयोजित पथसंचलन में भाग लिए।

रामनगर व्यापार मंडल की तरफ से आयोजित देशभक्ति गीत व नृत्य कार्यक्रम में विधायक सौरभ मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विधायक ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीते प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। यहां व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जायसवाल, राजेंद्र गुप्ता ने उनका स्वागत किया। इसके बाद भागवत संस्कृत महाविद्यालय-अस्सी में आयोजित वार्षिक महोत्सव में उपस्थित होकर विधायक ने जगतगुरु रामाचार्य स्वामी ऋग्वेद आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। विभिन्न स्थानों पर अपने उद्बोधन में विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने 74वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान ने जहां हमें कई अधिकार दिए हैं, वहीं इस महान देश के प्रति कर्तव्य भी बताएं हैं। आज के दिन हमें अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का स्मरण करना चाहिए। आवश्यक नहीं कि हम सीमा पर बलिदान होकर ही देशभक्ति दिखाएं, हम जहां भी हों, जो भी करें, ईमानदारी से करें। अपने मन में राष्ट्र प्रथम का भाव रखकर करें। हम इस तरह से भी अपने देश की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश पुनः विश्वगुरु बनने की राह पर अग्रसर है। हम सबको उनके कन्धे से कन्धा मिलाकर देश की उन्नति में अपनी सहभागिता दर्ज करानी चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर मार्चपास्ट करते पुलिस कर्मी

पुलिस लाइन में भव्य परेड के साथ तिरंगे को दी गई सलामी

वाराणसी। गणतंत्र दिवस पर गुरुवार को पुलिस लाइन मैदान में कमिश्नरेट पुलिस की ओर से ध्वजारोहण व भव्य परेड का आयोजन किया गया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस पर पुलिस लाइन में भव्य परेड हुई। घुड़सवार टुकड़ी ने भी अपना करतब दिखाया। इसके बाद वाराणसी कमिश्नरेट की सर्विलांस सेल के प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार पांडेय को पुलिस महानिदेशक गोल्ड प्रशंसा चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके अलावा निस्वार्थ भाव से दिन रात जनहित में काम करने वाले कौशल कुमार मिश्र को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस कमिश्नर अशोक मुथा जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान कमिश्नर कौशलराज शर्मा, अपर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह, जिलाधिकारी एस राजलिंगम समेत पुलिस विभाग व प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पंकज हार्डवेयर एण्ड प्लाईवुड
देईपुर धरसौना चोलापुर वाराणसी
मो. 8574624970

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अर्पित हॉस्पिटल एवं जच्चा बच्चा केन्द्र
जलालपुर (पेट्रोल पम्प के सामने) भदोही रोड जंसा वाराणसी
सुविधाएं- ◆बाल रोग ◆जनरल सर्जरी ◆ईएनटी ◆गाइनी एवं आसटैटिक्स ◆ऑक्सीजन, वार्मर, नेबुलाइजर
आकस्मिक सेवा 24 घंटे उपलब्ध
डॉ. उदय वर्मा (M.D.)
मो.-9454353262

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
न्यू उत्कर्ष हॉस्पिटल एण्ड जच्चा बच्चा केन्द्र
डा. ओ. पी. वर्मा | डा. ए. के. पटेल
डा. के. सिंह | डा. रेखा सिंह
मंगलपुर मदरसा स्कूल के पास जिला-वाराणसी
मो.: 9918204397 7379429814
रौनक सेवा सदन एवं जच्चा बच्चा केन्द्र, सनलाईट स्कूल के पास गली में लोहता वाराणसी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ऊँ साई श्रेया हॉस्पिटल
शांति शिक्षा निकेतन सिंधोरा वाराणसी
संचालक
JP Ray
9935549686

रिटेल डायरेक्ट्री
Shiv Rudraksha Resort
Subah Banaras Lounge
ROOF TOP RESTURANT
BIRTHDAY PARTY
KITTY PARTY
Add.: N-1/66F-3-4-A-1, Nagwa, Samne Ghat, Lanka, Varanasi

जनसंदेश टाइम्स
मेडिकल डायरेक्ट्री

सृजन काशी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रा. लि.
डॉ. अमित कुमार सिंह — जनरल फिजिशियन
डॉ. प्रतिमा सिंह — स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
समस्त प्रकार के कैंसर का इलाज ICU, BIPAP, NICU, CPAP PICU
आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
मो० नं०-9936440494 9622125887

सार्थक सर्जिकल सेन्टर
लेप्रोस्कोपिक, मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर
अत्याधुनिक लिथोट्रिप्सी मशीन द्वारा गुर्दे की पथरी का बिना आपरेशन सफल इलाज
डा. विनोद कुमार

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री रामप्रसाद (डा.राम)
पूर्व ग्राम प्रधान व वर्तमान प्रधान प्रतिनिधि ग्राम पंचायत रामेश्वर वि0ख0 सेवापुरी, वाराणसी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अमरजीत गोंड
ग्राम प्रधान बरनी सेवापुरी वाराणसी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आस्था वाटिका बैंक्वेट एण्ड लॉन
शादी विवाह एवं सभी मांगलिक कार्यक्रम हेतु सम्पर्क करें
मो. 9453183026, 7398099499
जंसा बाजार भदोही रोड वाराणसी 221405
सतीश मिश्रा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक राजभर
ग्राम विकास अधिकारी चोलापुर वाराणसी

भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी सह-बिक्री
कारीगरों-शिल्पकारों द्वारा विकसित
दीनदयाल हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर वाराणसी, उत्तर प्रदेश
23 से 29 जनवरी 2023
प्रदर्शन पर प्रमुख शिल्प
जरी जरदोजी, लकड़ी के खिलौने, टेराकोटा, हाथ से तैयार किए गए वस्त्र गुलाबी मीनाकारी, कढ़ाई शिल्प, नकली आभूषण, हैंडब्लॉक प्रिंटिंग, बीड वर्क आदि...

वसंती रंगों में सराबोर हुई महामना की बगिया

वाराणसी। वसंत पंचमी का दिन और बीएचयू का 108वां स्थापना दिवस। गुरुवार को इस महत्वपूर्ण पल के साक्षी बना बीएचयू परिवार। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने स्थापना स्थल पर हवन-पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। स्थापना दिवस पर महामना की बगिया वसंती रंगों में सराबोर नजर आई। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को अपने शुभकामना संदेश में कुलपति प्रो.

स्थापना दिवस

कुलपति प्रो. सुधीर जैन ने किया हवन-पूजन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और झांकियों ने मन मोहा

सुरेंद्र जैन ने कहा कि महामना की तरफ से बीएचयू की स्थापना पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण पहल थी। स्थापना के समय से ही संस्थान राष्ट्र निर्माण में योगदान देता आ रहा है। कहा कि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस उत्सव का अवसर तो है ही, इस बात पर मंथन करने का अवसर भी है कि क्या हम बीएचयू की स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। हमें यह सोचना होगा कि क्या हम मालवीयजी के मूल्यों के अनुरूप अपना योगदान दे रहे हैं। हमें विश्वविद्यालय में आदर्श, सहयोगपूर्ण व सौहार्दपूर्ण कार्य प्रणाली स्थापित करने के साथ-साथ इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि बीएचयू एक उत्कृष्ट संस्थान बनने की दिशा में निरंतर प्रगति करे। स्थापना दिवस पर विभिन्न संकायों, केंद्रों व संस्थानों ने स्वस्थ, शिक्षित एवं युवा भारत की थीम पर बीएचयू की विशेषताओं, विविधताओं व समृद्ध विरासत को झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। कोरोनो महामारी के बाद पहली बार झांकियों का प्रदर्शन हुआ, जिनमे कुल 32 झाँकिया निकाली गई। मालवीय भवन से गुजरती हुई भव्य झांकियों के बीच विद्यार्थियों का उत्साह देखते बनता था। नुक्कड़ नाटक व नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित आमजन के बीच सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता भी फैलाई गई। शिक्षित नारी-शिक्षित समाज, राष्ट्रीयता, आत्मनिर्भर भारत, योग, अंतराष्ट्रीय मिलेट वर्ष, खेल शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, प्रदूषण मुक्त परिसर, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक तकनीकी, प्राचीन भारतीय ज्ञान व चिकित्सा पद्धति, आयुर्वेद, पशु चिकित्सा में नई खोजों, विज्ञान अनुसंधान, स्टार्टअप प्लेसमेंट, विधिक शिक्षा, निरोगी काया, ओरल हाइजीन, स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे विकास, पर्वतारोहण, कृषि आदि अनेक विषयों पर प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही। कोविड महामारी के दौरान योगदान को झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस दौरान आईआईटी के निदेशक प्रो. प्रमोद जै, कुलगुरू प्रो. वीके शुक्ला, कुलसचिव प्रो. अरुण सिंह, वित्ताधिकारी डॉ. अभय ठाकुर, छात्र अधिष्ठाता प्रो. अनुपम नेमा आदि उपस्थित थे।

बरेका सहित डीआरएम कार्यालय पर मनाया गया गणतंत्र दिवस

वाराणसी। गणतंत्र दिवस गुरुवार को बरेका सहित डीआरएम कार्यालय पर धूमधाम के साथ मनाया गया।

बरेका में कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि रजनीश गुप्ता, प्रमुख मुख?य सामग्री प्रबंधक द्वारा ध्वजारोहण के साथ परेड द्वारा सलामी एवं राष्ट्रीय धुन की प्रस्तुति के साथ हुआ। तत्पश्चात मुख?य अतिथि द्वारा रेलवे सुरक्षा बल, नागरिक सुरक्षा दल, सेन्ट जॉन्स एम्बुलेन्स ब्रिगेड, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स परेड टुकड़ियों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बरेका द्वारा वर्तमान वित?तीय वर्ष 2022-23 के दिसम्?बर माह तक 256 रेल इंजनों का रिकार्ड उत?पादन के लिए टीम बरेका के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इनमें भारतीय रेल के परिचालन हेतु 253 रेल इंजन एवं गैर रेलवे ग्राहकों हेतु 3 डीजल रेल इंजन शामिल हैं। वहीं पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर भी गणतंत्र दिवस मनाया गया, मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने रेलवे मिनी स्टेडियम, लहरतारा में ध्वजारोहण के पश्चात प्रेक्षागृह स्थित स्काउट डेन पर भी राष्ट्र ध्वज फहराया। भारत स्काउट एण्ड गाइड जिला संघ के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतीकरण एवं भारत स्काउट एण्ड गाइड जिला संघ के स्काउट एण्ड गाइड्स ने देश भक्ति नाटक का मंचन किया । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पाली,राजस्थान में आयोजित 18 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी नेशनल स्काउट्स एण्ड गाइड्स कैम्प में वाराणसी मंडल की तरफ से प्रतिभाग करने वाले 45 स्काउट एण्ड गाइड के बच्चों प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । वहीं कैंट स्टेशन पर भी गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।

गणतंत्र दिवस पर डॉक्टर व हेल्थ वर्कर्स सम्मानित

वाराणसी। 74वें गणतन्त्र दिवस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ संदीप चौधरी ने ध्वजारोहण कर सभी को देश भक्ति का संदेश दिया इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों कोउन्होंने सम्मानित किया। दुर्गाकुंड स्थित सीएमओ कार्यालय पर ध्वजारोहण करते हुए उन्होंने इस वित्तीय वर्ष जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत सिजेरियन और सामान्य प्रसव में बेहतर उपलब्धि हासिल करने के लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया। इसमें चोलापुर सीएचसी पर तैनात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ गायत्री, पिंडरा ब्लॉक के सिंधौरा की एएनएम रीता देवी और पीएचसी हरहुआ के मंसापुर, हरहुआडीह व हरहुआ बाजार क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता संगीता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इसके अलावा आदर्श ब्लॉक सेवापुरी के आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर करधना (प्रथम) पर तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अंजना भारती ने सेंटर पर सामान्य और सिजेरियन प्रसव में बहुत अधिक सुधार किया । इस उपलब्धि से सीएचओ अंजना भारती को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर समस्त डिप्टी सीएमओ, एसीएमओ, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा व सूचना अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, डीसीपीएम एवं अन्य चिकित्सा अधिकारी व वरिष्ठ अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

गोद लिये गांव में पोटली का वितरण

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गुरुवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दुगार्कुंड के टीबी यूनिट पर सीएमओ डॉ संदीप चौधरी और जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ पीयूष राय ने गोद लिए गए क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान की । सीएमओ और डीटीओ ने क्षय रोगियों से उपचार और स्वस्थ व प्रोटीनयुक्त पोषण के बारे में जानकारी ली और आवश्यक परामर्श दिया । इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ यतीश भुवन पाठक व चिकित्सा अधीक्षक डॉ सारिका राय ने भी क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित की ।

शिक्षण संस्थानों में गणतंत्र दिवस की धूम

रंगारंग कार्यक्रम

तिरंगे को लेकर छात्रों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम, देश भक्ति की दिखाई झलक

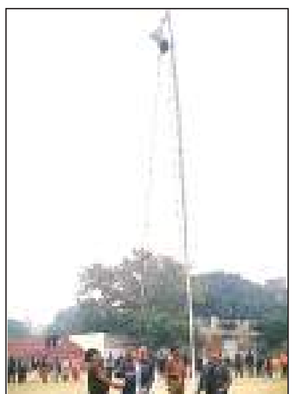

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, डीएवी महाविद्यालय व इंटर कॉलेज सहित शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शिक्षण संस्थानों में गणतंत्र दिवस की धूम रही। इस दौरान छात्रों ने देश भक्ति से प्ररित रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर देश प्रमियों व वीर सपूतों की याद दिलाई।

काशी विद्यापीठ के पंत प्रशासनिक भवन व कृषि विज्ञान संकाय में मुख्य अतिथि के रूप मे समाज शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश कुमार सिंह जी के द्वारा झंडा रोहण का कार्यक्रम गरिमापूर्ण ढंग से किया गया तथा विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास बताया गया और सशक्त सैन्य बलों के बलिदान को नमन करते हुए देश भक्ति कार्यक्रम का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने ऐतिहासिक मख्य भवन के समक्ष ध्वजारोहण कर सभा को संबोधित करते हुये कहा की आज हम हर्ष और गौरव का अनुभव कर रहे हैं, साथ यह देख रहे है की उसकी प्राप्ति के लिये संस्कृत समाज का अतुलनीय योगदान रहा है। 231 वर्षों से सतत अविराम गति से चलता यह संस्कृत, संस्कृति एवं संस्कार से युक्त त्रिवेणी के संगम है। बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा विश्वविद्यालय को ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केंद्र के लिये बजट मिल गया है, इस केंद्र से प्राच्यविद्या का प्रचार-प्रसार ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। फरवरी माह में मुख्यमंत्री द्वारा इसका उद्घाटन कराया जायेगा। सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखे पाण्डुलिपियों का डिजिटलीकरण कर वैश्विक स्तर पर लोग लाभान्वित होंगे। कुलपति ने कहा कि यहां के आचार्यों,अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे छिपी हुई प्रतिभावों को सामने लाकर उन्हे समुचित सम्मान देकर लोगों के प्रेणादायी बनें। संचालन डॉ. सत्येंद्र कुमार यादव ने किया। उस दौरान कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पद्माकर मिश्र, आचार्य राम किशोर त्रिपाठी, आचार्य राम पूजन पांडेय, प्रो. सुधाकर मिश्र, प्रो. हरिशंकर पांडेय, प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो. शैलेश कुमार मिश्र, प्रो. अमित शुक्ल, प्रो. विजय पांडेय, प्रो. दिनेश कुमार गर्ग,अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे। डीएवी पीजी कॉलेज में गुरूवार को गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के स्व. पीएन सिंह यादव क्रीड़ा प्रांगण में मंत्री व प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव एवं कार्यकारी प्राचार्य प्रो. सत्यगोपाल ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने मार्चपास्ट कर कदम से कदम मिलाकर प्रबंधक एवं कार्यकारी प्राचार्य व एनसीसी 89 यूपी बटालियन में मेजर प्रो. सत्यगोपाल जी को सलामी दी। इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रो. समीर कुमार पाठक, डॉ. राहुल, चीफ प्राक्टर डॉ. संजय कुमार सिंह, प्रो. मिश्रीलाल, प्रो. विक्रमादित्य राय, प्रो. सतीश कुमार सिंह, प्रो. अनूप कुमार मिश्रा, डॉ. संजय शाह, डॉ. पारूल जैन, डॉ. तरू सिंह, कुंवर शशांक शेखर आदि सहित महाविद्यालय के समस्त अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वहीं औसानगंज स्थित डीएवी इंटर कॉलेज एवं मानव शिक्षण संस्थान में भी ध्वजारोहण हुआ।

बीएचयू के स्थापना दिवस पर महामना परिवार-महासंचलनम

वाराणसी। बीएचयू के 108वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी दक्षिण भाग के महामना नगर की तरफ से महामना परिवार-महासंचलनम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। स्वयंसेवकों का संचलन देख संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद अभिभूत हुए। स्थापना स्थल (ट्रामा सेंटर) स्थित सरस्वती मंदिर में पूजन-अर्चन के पश्चात गणवेष में पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों ने संचालन निकाला। सबसे आगे सुसज्जित वाहन पर डॉ. हेडगेवार, श्रीगुरुजी, मालवीयजी एवं भारत माता की झांकी चल रही थी। इसके पीछे घोष के धुन पर कदम ताल मिलाते हुए स्वयंसेवकों का समूह था। तत्पश्चात स्वामी विवेकानन्द की झांकी भी चल रही थी। मातृशक्ति एवं देवशक्ति का अपार जनसमूह तिरंगा लेकर भारत माता की जयघोष करते हुए चल रहा था। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर संचलन पर पुष्पवर्षा भी की गयी। विभिन्न मार्गों से होते हुए संचलन लंका स्थित सिंह द्वार पर पहुंचा, जहां सह सरकार्यवाह मुकुंद ने महामना मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संचलन का विराम रुइया क्रीड़ा स्थल पर हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र कार्यवाह डॉ. वीरेन्द्र जायसवाल, विभाग संघचालक डॉ. जेपी लाल, सह विभाग संघचालक त्रिलोक, भाग संघचालक सुनील, प्रांत प्रचारक रमेश, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र आदि शामिल थे।

भाजपा कार्यालयों पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

वाराणसी। गणतंत्र दिवस पर गुरुवार को भाजपा कार्यालयों पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। रोहनिया स्थित काशी क्षेत्र मुख्यालय पर प्रदेश सह प्रभारी सुनील ओझा व क्षेत्र अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्रदेश सह प्रभारी ने कहा कि भारत प्रजातांत्रिक देश है और आज का भारत महान ताकत बन कर उभरा है। आज भारत को कोई आंख नही दिखा सकता। पड़ोसी मुल्क ने 1948, 1965, 1971 एवं 1999 में कारगिल में हमसे युद्ध किया और हर बार मुंह की खाई। आज उस पड़ोसी मुल्क की स्थिति बिगड़ चुकी है। यह बात किसी से छिपी नही है। इस दौरान हंसराज विश्वकर्मा, प्रेम प्रकाश कपूर, राजेश राजभर, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, श्रीप्रकाश शुक्ला आदि थे। दूसरी तरफ, नीचीबाग स्थित महानगर कार्यालय पर अध्यक्ष विद्यासागर राय व विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान आत्मा विशेश्वर, मधुप सिंह, नीरज जायसवाल, मीडिया प्रभारी किशोर कुमार सेठ आदि उपस्थित थे। इसके अलावा गुलाब बाग स्थित पार्टी कार्यालय पर भी ध्वजारोहण हुआ।

आईएमए में मना गणतंत्र दिवस

वाराणसी। आईएमए की लहुराबीर शाखा में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष डॉ.राहुल चंद्रा ने आईएमए भवन में ध्वजा रोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस का महत्व बताया, उन्होंने पूर्व में आये सभी रोगों पर आईएमए की ओर से किये गये कार्यो की सरहाना की। सभा में उपस्थित सभी पूर्व अध्यक्ष व सचिव का अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मान किया गया।

बेहतरी के लिए सभी करें कड़ी मेहनत

बोले कुलपति

बीएचयू और दक्षिणी परिसर में शान से लहराया तिरंगा

वाराणसी। बीएचयू में देश का 74वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने मालवीय भवन समेत कई जगहों पर ध्वजारोहण किया। एम्फीथिएटर मैदान पर अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे बेहतर मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

इस दौरान कुलपति ने मेधावी विद्यार्थियों में अनन्या सिंह को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक, सत्या सिंह को महामना संस्कृत सम्मान, शुभम किशोर यादव व अनामिका मिश्रा को मेजर एसएल धर स्वर्ण पदक प्रदान किया। जबकि उत्कृष्ट सेवाओं व योगदान के लिए एसपी एलांगो, माबुद मलिक, उषा शाही, वीरेन्द्र प्रताप कनोजिया, श्रीकांत प्रसाद गौर व मंगल प्रसाद आदिवासी को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. वीके शुक्ला, कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, संस्थानों के निदेशक, संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। दूसरी तरफ, बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में भी गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। मालवीय उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य प्रभारी प्रो. विनोद कुमार मिश्र राष्ट्रीय ध्वजारोहण कर देश के वीर सपूतों को नमन किया। इस अवसर पर छात्रावास समन्वयक डॉ. बीएमएन कुमार सहित शिक्षक, शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मचार एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षेप

पत्रकारपुरम कॉलोनी में हुआ ध्वजारोहण

वाराणसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर चुप्पेपुर-गिलट बाजार स्थित पत्रकारपुरम कॉलोनी में 'पत्रकारपुरम विकास समिति' के बैनर तले अध्यक्ष जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव व महामंत्री शैलेश चौरसिया ने झंडोत्तोलन किया। तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष व महामंत्री ने कॉलोनी की सुंदरता और सुरक्षा के बाबत चर्चा की। कहा कि कॉलोनी के निवासियों के सहयोग यहां की सुरक्षा और सुंदरता को प्राथमिकता पर रखा गया है। इस तरफ कदम बढ़ाया जा चुका है। संगठन के उपाध्यक्ष शिवप्रकाश सिंह के सहयोग से गार्ड रूम बनकर तैयार है। अब वहां पर सुरक्षा गार्ड रखने की तैयारी चल रही है। इस बाबत रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे कॉलोनीवासियों की बैठक बुलायी गयी है। ध्वजारोहण के दौरान, पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजकुमार सिंह, पूर्व महामंत्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार केडीएन राय, रामदयाल, जगधारी, अजय राय, शिवकुमार मेहरा, डॉ. विजय नारायण सिंह, वरुण सिंह, दशरथ यादव, आमेर मोहम्मद शाहिद, आसिफ, सरफराज अहमद, आर्यन यादव, विकास, प्रकाश द्विवेदी, प्रदीप सिंह, गिरीश दुबे आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर स्ट्रीट पाठशाला के बच्चों को मिली किट

वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा भव्य ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम व स्ट्रीट पाठशाला के बच्चों को किट वितरण किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि आज का दिन रेहड़ी पटरी व्यवसायियों के लिए ऐतिहासिक दिन साबित हो रहा है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्तव्य पथ पर होने वाले परेड कार्यक्रम में पहली पंक्ति रेहड़ी पटरी व्यवसायियों को आरक्षित कर उनकी मेहनत जज्बे को सलाम किया। कार्यक्रम में समिति सचिव अभिषेक निगम के साथ रोहनिया विधायक प्रतिनिधि अजय तिवारी, बनारस बार एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष अनूप कुमार श्रीवास्तव, बनारस बार एसोसिएशन संयुक्त प्रशासन पूर्व मंत्री शिवशंकर सिन्हा, वाराणसी व्यापार मंडल काशी अध्यक्ष प्रमोद अग्रहरि, वाराणसी व्यापार मंडल काशी महामंत्री सनी जोहर, प्रशांत कुमार सिंह, पर्यटन पुलिस पूर्व निरीक्षक वाराणसी एके सिंह, समिति संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम सह संयोजक संरक्षक अजय सिंह बॉबी आदि मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

बड़ागांव। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश देवेंद्र सिंह चौहान के द्वारा प्रदेश भर में पुलिस सेवा में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, इस क्रम में पुलिस लाइन में झंडा रोहण के उपरांत बड़ागांव थानाध्यक्ष सहित उप निरीक्षक एवं मुख्य आरक्षी सहित सात पुलिस कर्मियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। थानाध्यक्ष निरीक्षक अश्वनी कुमार चतुवेर्दी को प्लेटिनम पुरस्कार से सम्मानित किया गया वहीं पुलिस आयुक्त वाराणसी मुथा अशोक जैन ने स्थानीय थाने के उप निरीक्षक द्वय सत्यम यादव, प्रशांत पांडेय एवं मुख्य आरक्षी चालक राकेश सिंह तथा आरक्षी गण कमल प्रजापति, संगम यादव, मोहित गुप्ता को सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय जनता ने पुरस्कृत पुलिस कर्मियों को बधाई देते हुए शुभकामना दिया है।

गणतंत्र दिवस पर बेटियों का सम्मान

वाराणसी। गणतंत्र दिवस पर गुरुवार को प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की मुहिम को गति देते हुए डॉ.स्वर्णलता सिहं ने अपने क्लीनिक पर 11 नवजात बेटियों का उनके माता-पिता के साथ सम्मान किया। उन्हें जरुरत की वस्तुओं को प्रदान किया। बताया कि बेटी बचाने को हम सभी को देश भर में महिम चलानी होगी। क्योंकि जब बेटी के बिना मां की गोद सूनी रहेगी तो तो देश का भविष्य भी सूना रहेगा। कहा कि प्रधानमंत्री की इस मुहिम को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

जीआरपी कार्यालय पर लहराया तिरंगा

वाराणसी। गणतंत्र दिवस पर पहली बार कैंट (वाराणसी जंक्शन) स्थित जीआरपी कार्यालय पर गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान जीआरपी प्रभारी हेमंत सिंह ने ध्वजा रोहण कर भारतीय तिरंगे के आन-बान व शान की रक्षा को शपथ लेते हुए, लोगों से शपथ दिलायी। ध्वजा रोहण के बाद बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जीआरपी प्रभारी हेमंत सिंह ने सभी बच्चों में मिठाई के साथ ही अन्य उपहार स्परुप वितरित किया। उपहार पाकर सभी के चेहरे खिल गये दिनभर स्टेशन पर जीआरपी की ओर स किये गये इस सराहनीय पहल की चर्चा होती रही।

इनकम टैक्स व जीएसटी बार ने मनाया गणतंत्र दिवस

वाराणसी। एआईएफटीपी, इनकम टैक्स बार एसोसिएशन एवं जीएसटी बार एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से एक लॉन में गुरुवार को गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि आयकर अपर आयुक्त लियाकत अली आफाकी ने ध्वजारोहण किया और कर अधिवक्ताओं व टैक्स प्रोफेशनल्स को 74वें वर्षगांठ की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में अपर आयुक्त जीपी सिंह, सहायक निदेशक (जांच) अरविंद चौहान, उपाध्यक्ष एएम भटनागर, संयुक्त आयुक्त कविता सिंह, प्रियरंजन श्रीवास्तव के अलावा संगठनों से ओपी शुक्ला, आसिम जफर, अरविंद शुक्ला, रत्नचंद्र वर्मा आदि उपस्थित थे।

व्यापारियों ने भी किया ध्वजारोहण

वाराणसी। वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के बैनर तले गणतंत्र दिवस पर जंगमबाड़ी में अध्यक्ष अजय गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान व्यापारियों ने देश की एकता व अखंडता की चर्चा की। कार्यक्रम में महामंत्री रमेश यादव, अजय जायसवाल, नवीन वर्मा, मनीष मेहरोत्रा, प्रमोद यादव, यादवेंद्र सिंह, गौरव जायसवाल, संजय अरोड़ा आदि थे। दूसरी तरफ, दशाश्वमेध व्यापार मंडल के बैनर तले चितरंजन पार्क में अध्यक्ष सुरेश तुलस्यान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान श्रीनारायण खेमका, महेश झुनझुनवाला, संदीप त्रिपाठी, दीपक वासवानी, विनय यादव आदि थे।

24 करोड़ से बनेगा आधुनिक म्यूजियम

रविदास जन्मस्थली

डिजिटल चित्र और चलचित्र के माध्यम से जन्म, जीवन और ज्ञान की मिलेगी जानकारी

संत रविदास के सम्पूर्ण जीवन शिक्षाएं, दर्शन और रचनाओं का सजीव चित्रण करेगा संग्रहालय

वाराणसी के सीरगोवर्धनपुर में बनने वाले म्यूजियम में दिखेगी संत शिरोमणि की विरासत

वाराणसी। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा', संत शिरोमणि गुरु रविदास के ऐसे ही विचार अब आपको उनके म्यूजियम में सुनाई और दिखाई देंगे। योगी सरकार वाराणसी में उनके जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में भव्य और आधुनिक म्यूजियम बनवाने जा रही है। लगभग 4 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले म्यूजियम की लागत 24 करोड़ है। संत रविदास के अनुयायी पूरी दुनिया में हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां शीश नवाने पहुंच चुके हैं। इसके अलावा हर साल संत रविदास जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचते हैं। भारत के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा कनाडा, जर्मनी आदि देशों में संत शिरोमणि के अनुयायी करोड़ों की संख्या में हैं, जो प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में वाराणसी स्थित उनकी जन्मस्थली पर मत्था टेकने आते हैं। संग्रहालय में होगी पांच बड़ी गैलरी

संत महात्माओं की धरती काशी में योगी सरकार संत रविदास जी के जीवन पर आधारित आधुनिक म्यूजियम बनाने जा रही है। इस संग्रहालय के जरिए संत शिरोमणि की आध्यात्मिक विरासत को संजोया जाएगा। ये संग्रहालय आपको 15वीं-16 सदी में वापस ले जाएगा। उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय के निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन में उनके जीवन और दर्शन पर आधारित संग्रहालय में 5 बडी गैलरी होंगी। संत रविदास जी की विरासत उनका जीवन, शिक्षाएं और रचनाओं को सजीव चित्रण करने वाला संग्रहालय उनके सम्पूर्ण जीवन और दर्शन के बारे में बताएगा।

संत शिरोमणि के जीवन के बहुत से अनछुए पहलुओं की मिलेगी जानकारी

संग्रहालय निदेशालय के निदेशक ने बताया कि डिजिटल चित्र और चलचित्र के माध्यम से संत रविदास के जन्म, जीवन और आध्यात्मिक संदेश के अलावा उनके गृहस्थ जीवन की जानकारी भी उपलब्ध होगी। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ये संग्रहालय काफी इंटरेक्टिव होगा, जिसमे संत शिरोमणि रविदास के जीवन के बहुत से अनछुए पहलुओं की जानकारी भी शामिल होगी। संग्रहालय में भक्ति आंदोलन के उनके योगदान के बारे में जानकारी संजोई जाएंगी। रैदास द्वारा दी गई शिक्षा, उपदेश और रचना के बारे में गैलरी में विशेष स्थान दिया गया है, जिससे आने वाली पीढ़ी भी उनके विचारों को जान सके। ग्राफिक्स व ऑडियो वीडियो के माध्यम से उनके साहित्यिक संकलन को दशार्या जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। जल्द ही इसकी स्वीकृति मिलने की उम्मीद है, इसके बाद संग्रहालय निर्माण का काम शुरू होगा।

जी-20 के प्रचार के लिये डिबेट आयोजित

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में जी-20 सम्मेलन के प्रदेश में व्यापक प्रचार-प्रसैार के लिये शुक्रवार को योग साधना केन्द्र में वाद-विवाद प्रतियोगिता का अयोजन हुआ। प्रतियोगिता का विषय ₹क्या जी-20 समूह वैश्विक, आर्थिक और भू-राजनैतिक परिदृश्य में प्रासंगिक है रहा। इस प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. विशाखा शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगियों में विजेता प्रथम-रवि दिक्षित, द्वितीय - भाव्यानंद वत्स और तृतीय स्थान सृजन जायसवाल ने प्राप्त किया। बताया कि निर्णायक मंडल में डॉ. विद्याकुमारी चंद्रा, डॉ. विजेंद्र आर्या, डॉ. सत्येंद्र कुमार यादव रहे। इस अवसर पर प्रो. शैलेश मिश्र, प्रो. हिरककांत चक्रवर्ती, प्रो. राजनाथ, डॉ. संजय कुमार मिश्र और अरविंद चौधरी मौजूद रहे।

जेंडर सामाजिक सांस्कृतिक के परिप्रेक्ष्य : प्रो. संजय

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के शिक्षा शास्त्र विभाग में शुक्रवार को ऐशियन ब्रिज संस्था एवं मैसवा के सहयोग से जेंडर संवेदनशीलता विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजय ने कहा कि जेंडर को सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के परे देखना उचित नहीं होगा। प्रो. संजय ने कहा कि जेंडर एक सामाजिक सांस्कृतिक संप्रत्यय है, जबकि सेक्स एक जैविक संप्रत्यय है उन्होंने कहा कि जेंडर और सेक्स के वास्तविक अर्थ को समझना चाहिए और समाज में हो रहे जेंडर आधारित भेदभाव को कम करना चाहिए। कार्यशाला के दौरान जेंडर को समझने के लिए सांप सीढ़ी के खेल भी संचालक मूसा द्वारा कराए गए जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्रो. रमा कांत ने किया। संचालन वीणा, संयोजन अभिलाषा व ज्योत्सना राय और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र राम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रमेश प्रजापति, दीक्षा, अश्विनी, शिवानी, अनुज, पूनम नैना, ज्योति, कृष्ण, विकास वर्मा, पल्लवी, अंकित, पूजा, रविकांत, सोनम मोहित, आकृति, शालिनी मिश्र, रोहिणी समेत सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

संक्षेप

डिजिटल ज्ञान से बनेंगे रोजगार के मौके : प्रो. हंसा जैन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अर्थशास्त्र विभाग में शुक्रवार को उत्तर-प्रदेश में निवेश एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. अंकिता गुप्ता द्वारा अथितियों के स्वागत वाचन से किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता प्रो. हंसा जैन ने उत्तर प्रदेश में रोजगार तथा शिक्षा की क्या स्थिति है उसके बारे में बताया

और भारत के परिप्रेक्ष्य में क्या स्थिति है उसके बारे में भी बताया। बताया कि वर्तमान समय डिजिटल ज्ञान की भी ज्यादा आवश्यकता है जिससे रोजगार पैदा हो सकते हैं। संचालन शोध छात्र जैनेंद्र ने किया और समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. गंगाधर ने कार्यक्रम में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञपित किया। कार्यक्रम में विभाग के सभी शिक्षकगण प्रो. राजेश पाल, डॉ. पारस नाथ मौर्या, डॉ. शशिबाला, डॉ. परिजात सौरभ, शोध विद्यार्थी, पीजी के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

शिकायतों के निबटारे में न हो हीलाहवाली

वाराणसी। मुख्यमंत्री की निगरानी में संचालित होने वाले जनशिकायतों से जुड़े आईजीआरएस पोर्ट पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के बारे में शुक्रवार को एडीएम नागरिक आपूर्ति जवाहर लाल श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट स्थित जिला रायफल क्लब सभागार में यह आयोजन था। श्री श्रीवास्तव ने पोर्टल पर उपलब्ध आवेदनों और शिकायतों को

गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध डंग से निबटारे पर बल दिया। संबंधित महकमों को अधिकारियों से उन्होंने कहा कि प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण शासन से जारी चेक लिस्ट के अनुसार किया जाय। इसमें किसी भी स्तर पर सुस्ती या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अफसरों को शासन से प्राप्त चेक लिस्ट उपलब्ध कराते हुए निर्देश दिया कि चेक लिस्ट के मुताबिक ही आईजीआरएस प्रकरण में रिपोर्ट लगाएं। मीटिंग में ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (ईडीएम) प्रसून अग्रवाल भी थे।

विख्यात कृषि वैज्ञानिक प्रो. कीर्ति सिंह को दी श्रद्धांजलि

वाराणसी। इंडियन सोसाइटी ऑफ वेजिटेबल साइंस यानि आईएसवीएस) के पूर्व अध्यक्ष एवं सब्जी और बागवानी के प्रसिद्ध विशेषज्ञ प्रो. कीर्ति सिंह के निधन पर शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) में शुक्रवार को शोकसभा का आयोजन हुआ। प्रो. सिंह का देहावसान अस्वस्थता के कारण बीते 23 जनवरी को जौनपुर स्थित उनके आवास पर हुआ था। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्व. प्रो. सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। उन्होंने कहा कि स्व. डॉ. कीर्ति सिंह ने अमेरिका के फ्लोरिडा विवि से एमएस तथा पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। उन्हें विभिन्न संस्थानों ने मानद उपाधि एवं कई पुरस्कारों से सम्मानित किया था। 2006 से अबतक वह वर्ल्ड नोनी रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष का पद संभाल रहे थे। वह तीन कृषि विश्वविद्यालयों में कुलपति एवं कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड नई दिल्ली के अध्यक्ष भी रहे। शोकसभा में डॉ. तुषार कांति बेहेरा की मुख्य उपस्थिति में वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

भजनों से माता शारदा भवानी को किया याद

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मंचकला विभाग में गुरुवार को सरस्वती पूजन का आयोजन हुआ, विभाग के समस्त विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति की गई। जिसमें विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. अमिता सिंह, मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. अनुराग कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता घोष, डॉ. आकांक्षी और सुमंत कुमार उपस्थित रहे।

सेन्ट जॉन्स लेढ़ूपुर में मना राष्ट्रीय पर्व

वाराणसी। सेन्ट जॉन्स लेढ़ूपुर शाखा में गुरुवार को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर सुसाई राज ने स्कूल प्रांगण में ध्वजा रोहण कर लोगों को गणतंत्र दिवस का महत्व बताया। इस दौरान राष्ट्रगान कर भारतीय तिरंगे को सलामी दी गयी। ध्वजारोहण के साथ ही विद्यालय प्रागंण में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों ने देशभक्ति से परिपूर्ण गीत, सामूहिक नृत्य, लघु नाटिका द्वारा देश के वीर सपूतों तथा संविधान निमार्ताओं को स्मरण किया । छात्र-छात्राओं ने अपने सम्भाषणों द्वारा संविधान के महत्व से अवगत करवाया । विद्यालय के प्रधानाचार्य ने में कहा कि किसी भी देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए श्रेष्ठ एवं विकसित संविधान की आवश्यकता होती है जिसमें भारतीय संविधान पूर्ण रूपेण सफल है। उन्होंने सभी बच्चों को बताया कि आने वाले समय में भारत की आन बान और शान को इतिहास में जाना जायेगा। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकगण व छात्रगण उपस्थित रहें।

लगनशील और विद्वान प्राध्यापक थे प्रो. वासुदेव सिंह

बोले डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय

विद्यापीठ में प्रो. वासुदेव सिंह की पुण्य स्मृति में भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य और पत्रकारिता का योगदान विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। प्रो. वासुदेव सिंह स्मृति न्यास एवं महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में काशी विद्यापीठ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित समिति कक्ष में शुक्रवार को ₹भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य और पत्रकारिता के योगदान₹ विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने प्रो. वासुदेव सिंह की पुण्य स्मृति पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि वासुदेव जी कबीर साहित्य के मर्मज्ञ थे। उन्होंने अपने छात्र जीवन की बातों को याद

संगोष्ठी को संबोधित करते महेंद्रनाथ पांडेय

करते हुए कहा कि वह एक दौर था जब हम लोग छात्र राजनीति में सक्रिय हो गए थे, तब कक्षाओं में पढ़ने का अवसर कम ही मिलता था। उस समय गुरु जी हम लोगों को घर पर बुलाकर पढ़ाया करते थे। हमारे सनातन परंपरा में धर्म अर्थ काम मोक्ष की बात कही गई है लेकिन आज के युवा केवल अर्थ चिंता और तकनीकी विषयों में ही संलिप्त हैं। उन्होंने संगोष्ठी की विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी मीडिया समाज में सजग है। आजादी के दिनों में हमारे देश के पत्रकार और साहित्यकार अपने-अपने तरीके से आजादी के पथ पर अग्रसर थे। उन्होंने काशी के बारे में कहा कि काशी तो पत्रकारों की थाती है। यहां पराड़कर, गर्दे, अंबिका प्रसाद बाजपेई जैसी एक लंबी कड़ी है। उन्होंने कहा कि आज विद्यापीठ, बनारस और भारत में अपनी प्रगति का एक नया और बड़ा रूप ले रहा है। इसी क्रम में छपरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. हरिकेश बहादुर सिंह ने कहा कि काशी साहित्य जगत की एक जीवंत उदाहरण है।

विद्यापीठ आचार्य परंपरा में श्रेष्ठ व श्रेष्ठतर है। कहा कि हमारा समाज समरस और सममेधा होना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रभारी प्रो. अशोक कुमार मिश्रा ने प्रो. वासुदेव सिंह को याद करते हुए कहा कि एक पिता के लिए गौरव की बात तब होती है जब उसे उसके पुत्र के नाम से जाना जाता है। ऐसे विचार गोष्ठियों में नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ियों से जुड़ती हैं और उनसे परिचित होती हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रो. अनुराग कुमार ने बीज वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्रद्धा सिंह, संरक्षक डॉ. हिमांशु शेखर सिंह और संरक्षक सचिव डॉ. नागेंद्र सिंह थे। संचालन बनारस के जितेंद्र नाथ मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्रद्धा सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ. शिवकुमार मिश्र, डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह, डॉ. नीरज खरे समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अर्वाचीन हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ

वाराणसी। अर्वचीन अस्पताल का गणतंत्र दिवस की शुभ अवसर पर गुरुवार को भव्य उद्घाटन किया गया। हॉस्पिटल में निदेशक पियूष रंजन की ओर से भव्य पूजन किया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के चिकित्सीय एवं जांच खर्च अपेक्षाकृत काफी कम है, जिससे उच्च एवं निम्न आय वर्ग के मरीजों को एक समान सुविधा प्रदान किया जाएगा। बताया कि अब कम खर्च में लोगों का बेहतर इलाज किया जा सकेगा। अर्वाचीन अस्पताल समर्पित डॉक्टर, स्वक्ष और सुविधा जनक सुविधाएं तथा सम्पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। संपूर्ण अस्पताल का विचार, निर्माण एवं सफल संचालन का केंद्र बिंदु रहे डॉक्टर पियूष रंजन सिंह ने बताया कि अब यह लोगों के लिए उपलब्ध है। इस दौरान चेयरमैन डॉ. आर पी सिंह व अन्य परिवार सदस्य एवं पूरी अर्वाचीन टीम उपस्थित रही।

यूबीआई के कार्यालयों में मना गणतंत्र दिवस

वाराणसी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सेंट्रल जेल रोड स्थित चंद्रा चेंबर्स कार्यालय परिसर में देश के 74 वें गणतन्त्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र महाप्रबंधक गिरीश जोशी द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और देश के परमवीर प्राप्त सेनानियों के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ जिसमें विभिन्न वक्ताओं एवं बैंक कार्मिकों के परिवारजनों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश की, उपस्थित स्टाफ सदयों को संबोधित करते हुए क्षेत्र महाप्रबंधक जोशी ने कहा कि भारत विकास की दिशा में नित नए आयाम बना रहा है और ज्ञान सहित कारोबारी क्षेत्र में भी विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है।

वाराणसी क्षेत्र प्रमुख बिरजा प्रसाद दास ने सदयों को संबोधित करते हुए बैंक के माध्यम से सरकारी योजनाओं को ग्राहकों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर अपनी बात कही, उप महाप्रबंधक एस के सिंह द्वारा भारत के गणतन्त्र दिवस के इतिहास और संविधान पर विस्तृत व्याख्यान दिया जिसके बाद स्टाफ सदस्यों द्वारा देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश कीं। पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।मुख्य रूप से ए एन सिंह, उमेश कुमार सिंह, नवीन निश्चल, आशुतोष पाण्डेय सहित अन्य स्टाफ सदस्य सहित उनके परिवारजन शामिल रहे।

कन्या कुमारी विद्या मंदिर में गणतंत्र दिवस मनाया

वाराणसी। लक्ष्मीकुंड स्थित कन्या कुमारी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि होम्योपैथिक डा. पी के मुखर्जी ने स्कूल प्रागंण में ध्वजा रोहण कर लोगों को गणतंत्र दिवस का महत्व बताया, उन्होंने कहा कि आजादी के दीवानों ने को भी भुलाया नहीं जा सकता, उन्हीं की देन है है कि आज हम सभी देश में गणतंत्र दिवस मना रहें हैं। इस दौरान राष्ट्रगान के साथ ही विद्यालय के बच्चों की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम सिंह की ओर से द्वारा राज्य शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उ प्र एवं शिक्षा निदेशक उत्तर प्रदेश की ओर से स्कूल के लिए गणतंत्र दिवस पर आये संदेश को पढ़ा गया।

मनरेगा कार्य के बाद जमीन काटकर मिला रहे खेतों में

लगायी गुहार

हरदत्तपुर और मोहनसराय में साप्ताहिक ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से दर्ज करायीं समस्याएं

सड़क चौड़ीकरण में दायरे में 11 हैंडपंप, तीन साल से मार्ग अर्द्धनिर्मित, आवास की मांग

जनसंदेश न्यूज

रोहनिया। आराजी लाइन ब्लॉक के हरदत्तपुर और मोहनसराय में शुक्रवार को साप्ताहिक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर आवास, नाली, हैंडपंप, सड़क समेत कई अन्य समस्याएं लेकर ग्रामीण पहुंचे। हरदत्तपुर की चौपाल में खंड विकास अधिकारी विजय जायसवाल एवं एडीओ सुनील कुमार श्रीवास्तव की मुख्य उपस्थिति रही। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भैयालाल पटेल ने पात्रों के लिए आवास की जरूरत बतायी। साथ ही शहाबाबाद में निर्मित नाली मार्ग चौड़ीकरण के दायरे में आने की आशंका व्यक्त करते हुए भविष्य में जलनिकासी का संकट उत्पन्न होने की ओर ध्यान दिलाया। इस मौके पर आरोप लगाया गया कि शौचालय के लिए स्थलीय जांच के बावजूद अबतक कई पात्रों को इसका लाभ नहीं मिला है। लोगों ने वृद्धा, विधवा तथा दिव्यांग पेंशन के लिए ऑनलाइन किये जाने वाले आवेदनों में त्रुटि का संशोधन कराने के लिए ग्राम प्रधान को दायित्व सौंपने का सुझाव दिया।इस अवसर पर ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मनरेगा से मार्गों पर कराए गये कच्चे कार्य के बावजूद किसान संबंधित सड़क काटकर अपने खेतों में मिला रहे हैं। इसके अलावा हार्दिकपुर में मोहनसराय-लहरतारा सिक्स लेन चौड़ीकरण के दायरे में आये 11 हैंडपंपों के लिए समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की गयी।ग्रामीणों में ग्रामसभा में स्थित मिनी सचिवालय पर हैंडपंप व शौचालय की व्यवस्था की मांग की। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े वाले मार्ग पर बीते तीन साल से 200 मीटर तक रोड बना लिये जाने और शेष 950 मीटर का कार्य छोड़े जाने पर नाराजगी जतायी।

आराजी लाइन के हरदत्तपुर में शुक्रवार को साप्ताहिक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया

पशुधन योजना से कर रहे लाभांवित

काशी विद्यापीठ। स्थानीय विकास खंड के विभिन्न गांवों में पशुपालन विभाग की ओर से शिविर लगाकार पशुपालकों को पशुधन बीमा योजना की जानकारी दी जा रही है। साथ ही कैंप में गाय-भैंस) का बीमा कर पात्रों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) भी बांट रहे हैं। क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लवलेश सिंह के मुताबिक ब्लॉक के रमना, टिकरी, सरायडंगरी, नैपुराकला, नरोत्तमपुर कला आदि गांवों में अबतक 190 पशुओं का एक से तीन साल के लिए इंश्योरेंस कराया जा चुका है जो तय लक्ष्य से अधिक है। उन्होंने बताया कि बीमा राशि की लागत दूध उत्पादन पर निर्धारित है। वहीं, गाय-भैंस सहित भेड़-बकरी के लिए केसीसी जारी कर रहे हैं। गाय तथा भैंस का 40 हजार रुपये प्रति पशु एवं बकरी और भेड़ का दस हजार रुपये क्रेडिट निर्धारित है। अबतक चिह्नित गांवों में 84 पशुओं के लिए केसीसी को मंजूरी मिली है। उन्होंने बताया कि सांसद आदर्श ग्राम कुरहुआ में आगामी तीन फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेला का आयोजन होगा। उसमें पशुओं का चिकित्सा के साथ कृत्रिम गर्भाधान, बांझपन का उपचार, पशु बीमा, टीकाकरण, माइनर सर्जरी आदि कार्य होंगे।

आठ देशों के अंतरराष्ट्रीय समूह का बीएचयू दौरा

वाराणसी। आठ देशों के सदस्यों वाले एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को बीएचयू का दौरा किया। अर्जेंटीना, बोत्सवाना, कैनेडा, यूक्रेन, हंगरी, इंडोनेशिया, जापान तथा लिथुआनिया के सदस्यों वाले इस प्रतिनिधिमंडल में छह भारतीय सदस्य भी शामिल थे। यह दौरा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के जेनेक्सट डिमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत तथा कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के आमंत्रण पर अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देने की खातिर आयोजित किया गया। प्रो. जैन का इस बात पर विशेष जोर है कि बीएचयू की वैश्विक साख और बढ़े तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोगों में तेजी आए। प्रतिनिधिमंडल में सत्तारूढ़ तथा विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के युवा सदस्य, उद्यमी व विभिन्न क्षेत्रों की उभरती युवा हस्तियां शामिल थीं। सदस्यों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के समन्वयक प्रो. एनवी चलपति राव ने 'बीएचयू-इसकी विरासत, भारती के विकास में भूमिका तथा अवसरों' पर चर्चा की। विदेशी प्रतिनिधियों ने नवोन्मेष, अंर्तविषयी अध्ययन व अनुसंधान समेत अन्य क्षेत्रों में बीएचयू की उपलब्धियों और प्रगति में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने विश्वविद्यालय में पढ़ रहे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के बारे में भी जानकारी ली। सदस्यों ने पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रों में बीएचयू के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।

निबंध लेखन, वाद विवाद में लिया हिस्सा

वाराणसी। जी-20 के प्रचार - प्रसार के निमित्त काशी विद्यापीठ के मानविकी संकाय स्थित स्मार्ट कक्ष में शुक्रवार को निबंध लेखन एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पूरा कार्यक्रम दो सत्रों में विभाजित रहा। प्रथम सत्र में "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषयक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन मानविकी संकाय स्थित कक्ष संख्या 26 में आयोजित हुआ, जिसमें 51 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया' दूसरे सत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव " विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया।बीए मास काम की छात्रा पूजा ने सोशल मीडिया के विपक्ष में अपनी बात रखी' अमन, सुधांशू, वर्षा, प्रज्ञा, पूजा, आरती, अभिनव मिश्रा, कार्तिक कुक्रेजा आदि छात्रों ने सोशल मीडिया के पक्ष में अपनी अपनी बात बड़े प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किये। निर्णायक के रूप में संस्कृत विभाग से डॉ. दीपक , पत्रकारिता विभाग से डॉ. विनोद सिंह उपस्थित रहे, जिसमें डॉ. विनोद ने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी आपस में एक दूसरे को प्रतिद्वंदी न समझे।

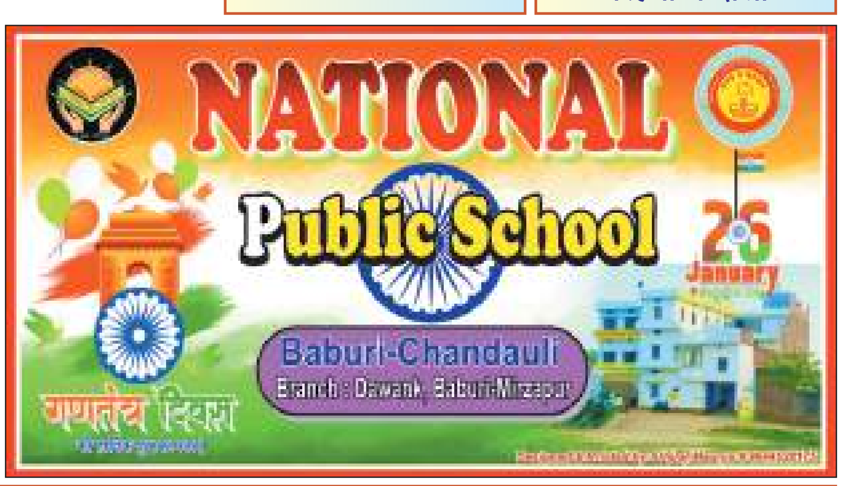

जयंती पर

संस्कृति के उद्गाता पं विद्यानिवास मिश्र

विद्यानिवास मिश्र जी को सबसे पहले उनके निबंध संग्रह 'छितवन की छांह' से जाना। गोरखपुर से पाणिनि की व्याकरण पर शोध करने के बाद वाशिंगटन अमेरिका तक उनकी ज्ञान मीमांसा की परंपरा दिखाई पड़ती है। उन्होंने महापंडित राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में शब्दकोष पर भी कार्य किया था। वाराणसी में संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और उपकुलपति भी रहे। अपनी संस्कृत और हिन्दी की अनन्य सहित्यिक सेवाओं के लिए पद्मभूषण से सम्मानित भी किये गए। निबंधों के अलावा अवधी, भोजपुरी वाचिक कविता के संचयन के लिए भी आपको याद किया जाता है। साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता से भी आपको विभूषित किया गया। आपको ललित निबंधों के अलावा हिन्दी साहित्य के सरोकार , हिन्दी भाषा उसकी प्रयोगधर्मिता तथा पत्रकारिता में उनके अवदान के लिए याद किया जाता है। 'मेरे राम का मुकुट भीज रहा है', 'रहिमन पानी राखिये' 'फागुन दुइ रे दिना,' 'भ्रमरानंद का पचड़ा' आदि उनके बहु चर्चित निबंध संग्रह हैं।

संस्कृति के उद्गाता के रूप में विख्यात साहित्यकार पंडित विद्यानिवास मिश्र जी को सुनना अपने आप में ज्ञान गंगा में अवगाहन करने से कम न था। जब मैं सन 1982 में सरस्वती विद्यामंदिर निराला नगर लखनऊ में आचार्य के पद पर नियुक्त था तो उन्ही दिनों एक बार मिश्र जी वहां पधारे थे। विद्यालय की परंपरा थी कि जब कोई विद्वान वहां आता था तो उनसे शिक्षकों के लिए थोड़ा समय माँगा जाता था। पंडित जी का नाम पहले से ही सुन रखा था उनके निबन्ध भी पढ़ चुका था। उसदिन सौभाग्यवश उनके दर्शन लाभ का अवसर था। विद्यालय की ओर से उनका स्वागत किया गया और इस आयोजन के कार्यक्रम का संचालन भी मुझे ही सौंप दिया गया था। मैंने पुस्तकालय से उनके बारे में जाकर कुछ सक्षिप्त जानकारी एकत्र की और संचालन के लिए अपने को तैयार किया। लेकिन मुझे अधिक परिश्रम नही करना पड़ा थोड़ी सी तैयारी से ही औपचारिक संचालन संबोधन आदि की प्रक्रिया पूरी हो गयी। स्वागत गान के लिए बच्चों की टीम थी उन्होंने सुंदर समूह गान प्रस्तुत किया था।

अब बारी थी उनके व्याख्यान की तो उन्होंने शिक्षकों से कहा - आज मैं चाहता हूँ कि आप लोग मेरे लिए विषय तय कीजिए। आप जो विषय देंगे मैं उसी विषय पर बोलूंगा। थोड़ी देर तक सभी मौन रहे, एक सन्नाटा सा छा गया पंडित जी को भला विषय कौन देता ? जब कहीं से किसी विषय का सुझाव नहीं आया तो उन्होंने सामने बैठे एक छात्र से पूछा - 'आप का क्या नाम है ?' उसने कहा- मनीष। अतिसुन्दर तो मनीष जी आज आप बताएं कि मैं किस विषय पर व्याख्यान दूं ? संयोगवश मनीष मेरी ही कक्षा का प्रतिभाशाली छात्र था। वह एक पल को झिझका परन्तु दूसरे ही पल उसने कहा - नभ।

पंडित जी ने पूछा - नभ? उसने निश्चित किया - जी। सभागार में सभी उपस्थित लोगों ने तालियाँ बजाकर मनीष को शाबाशी दी। पंडित जी को भी यह विषय बहुत अच्छा लगा। सबके मन में इस विषय को लेकर और जिज्ञासा बन गयी थी। नभ माने आकाश तो हम सब जानते ही थे लेकिन इस विषय पर यकायक गंभीर तार्किक विस्तृत व्याख्यान देना आसान न था। पंडित जी माँ शारदा और गुरुजनों का स्तवन करने के बाद नभ पर बोलने लगे।

'नभ में जल है,नभ में वायु है नभ में सम्पूर्ण अंतरिक्ष समाया है। नभ का अर्थ है न भाति अर्थात जो सुंदर नहीं लगता। जहां अनंत अछोर ऊंचाई है अकूत कालिमा है। अवकाश ही अवकाश है, वायु की असंख्य तरंगें और अनेक स्तर हैं। इसके आगे उन्होंने और भी बहुत विस्तार से बताया कि नभ में वायु के कारण सौन्दर्य होता है, नभ में सूर्य के कारण सौन्दर्य होता है, चन्द्र और तारागण के कारण सौन्दर्य होता है। नभ में बादल के कारण सौन्दर्य होता है , नभ में जल के कारण सौन्दर्य होता है, इन्द्रधनुष के कारण और खग जीवों (पक्षियों)के कारण सौन्दर्य होता है। फिर भी सौन्दर्य तो संतुलन है, असंतुलन असुन्दर होता है। ये नाना सौन्दर्य रूप क्षणिक भी हैं जो सुखद लगता है वही सुख है, जो दुखद लगता है वही दुःख जनक होता है। ख - का तात्पर्य भी नभ ही है और अंत में उन्होंने बताया था कि नभ में भी अनेक समुद्र होते हैं। समुद्र का अर्थ उन्होंने बताया - सम्यक द्रवन्ति इति समुद्रः। अर्थात जहां तरंगों का सम्यक द्रवण होता हो वह समुद्र है। धरती पर स्थित समुद्र में जल की तरंगों का द्रवण होता रहता है उसी प्रकार नभ में वायु की तरगों और वर्षा ऋतु में जल की तरंगों का अनवरत द्रवण होता रहता है।इसलिए नभ भी समुद्र ही है।

इसी प्रकार वो बोलते जा रहे थे हम सब मंत्रमुग्ध भाव से उनके वाक्यों और विचारों में खोते जा रहे थे। उच्चारण इतना शुद्ध और अर्थ इतना स्पष्ट करते हुए चलते कि कोई कठिनाई नहीं हो रही थी। नभ से दिशाओं का क्या सम्बन्ध है, दिशाओं का जीवन से क्या सम्बन्ध है इत्यादि विषय पर सहज और गंभीर चर्चा हो रही थी। नभ मंडल से सम्बद्ध ज्योतिष में गृह नक्षत्र आदि का भी मनुष्य जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक तत्व बोध की जानकारी लगातार होती जा रही थी। मैंने पहली बार पंडित जी को सुना तो लगा कि उनसे बड़ा संस्कृति विमर्शकार कोई दूसरा नहीं है। ललित निबंधकार के रूप में उनके निबंध पढ़ चुका था किन्तु सामने बैठकर उनके विचार सुनने का यह पहला अवसर था। उन दिनों मैं कापी पेन लेकर समारोह में बैठता था तो इस आदत से मुझे बहुत लाभ होता था। वैसे भी विद्यालय में मुझे कार्यक्रम की रपट भी बनानी पड़ती थी।

आकाशवाणी पर उनकी वाताएं और फिर दूरदर्शन आदि मंचों पर उनके विचार भी सुनने को मिलते थे। इसके बाद जब नौकरी के सिलसिले में दिल्ली आया तो यहाँ भी पंडित जी की धूम थी साहित्य अकादमी, कांस्टीट्यूशन क्लब से लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय और पत्रकारिता से जुड़े लोगों में उनकी बहुत धाक थी। हालांकि उन्हें मनुवादी और ब्राह्मणवादी साबित करने वालों की भी कमी न थी। वे थे तो पंक्तिपावन ब्राह्मण ही,हमेशा परहेज से रहते थे। कहीं भी जाते तो अपने खाने पीने के पात्र साथ ले जाते। अपने ग्लास में ही जल पीते अपनी थाली में ही भोजन करते। इन व्यक्तिगत बातों के अलावा उनकी विद्वता और ज्ञान गरिमा पर कोई सवाल नही उठा सकता था।

एक बार संस्कृत विभाग में गुरुवर वाचस्पति उपाध्याय जी ने किसी छात्र की पीएचडी की मौखिकी लेने के लिए उन्हें आमंत्रित किया तो अन्य शोधार्थियों के साथ मैं भी विभाग में उपस्थित था। जैसे ही पंडित जी पहुंचे वाचस्पति जी विभागाध्यक्ष की कुर्सी से उठे और उन्होंने पहले अपनी चप्पल उतार कर अपना हाँथ मुंह धोया फिर पंडित जी के पैर धोये फिर दाहिने पैर के अंगूठे को पकड़कर धरती पर साष्टांग लेट गए । इसके साथ ही उन्होंने गुरुस्तोत्र भी पढ़ा। तब पहली बार मैंने जाना कि पंक्तिपावन ब्राह्मणों का और खासकर गुरुजनों का अभिवादन इस प्रकार किया जाता है। गोरखपुर में पंडित जी वाचस्पति जी के शिक्षक रह चुके थे। इस समय वो नव्यन्याय पर किसी शोधार्थी की मौखिकी की परीक्षा के लिए आये थे। पंडित विद्यानिवास जी की छवि संस्कृत साहित्य दर्शन और संस्कृति के उद्भट विद्वान की थी इसके अलावा बनारसी ठाठ और हिन्दी में ललित निबंध के लिए भी वे जाने जाते थे,ब्रज अवधी और भोजपुरी के तो विद्वान वे थे ही । उनको सुनाना मुझे सचमुच हमेशा ज्ञान गंगा में आचमन करने जैसा ही लगा। लखनऊ से दिल्ली के बीच उन्हें कई बार निकट से देखने सुनने का अवसर मिला, उन्हें प्रणाम भी किया आशीर्वाद भी लिया लेकिन उनके सनातनी आभामंडल के कारण उनके बहुत अधिक निकट नहीं रह सका। इसके बावजूद उनके व्याख्यानों से प्रेरित होकर जीवन और जगत को नई दृष्टि से देखने की प्रेरणा मुझे अवश्य मिली। उनकी सुधि को नमन।

भारतेंदु मिश्र
(संपर्क : सी-45/वाई-4,दिलशाद गार्डन,दिल्ली-110095/ फोन-98 68 03 13 84)

मदन वात्स्यायन : तीसरा सप्तक का अचर्चित कवि

स्मरण

रविभूषण

'तीसरा सप्तक' (1959) के सात कवियों में से चार - केदारनाथ सिंह, कुंवर नारायण, विजयदेव नारायण साही और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना जितना अधिक चर्चित - प्रशंसित रहे, उतना ही अधिक प्रयाग नारायण त्रिपाठी और मदन वात्स्यायन (4-3.1922 - 11.4.2004) अचर्चित रहे। चर्चा-अचर्चा के बीच में कीर्ति चौधरी रहीं। वे सुमित्रा कुमारी सिन्हा की पुत्री थीं। कीर्ति चौधरी के काव्य संस्कार परिवार से प्राप्त हुए थे. मदन वात्स्यायन इससे वंचित थे. मदन वात्स्यायन वास्तविक नाम नहीं है. अज्ञेय ने 'तीसरा सप्तक' के उनके 'परिचय' में, लिखा था 'यह छद्म नाम क्यों ग्रहण किया', यह बताना कठिन है. यों यह नाम इतना रूढ़ हो चला है कि असली नाम लक्ष्मी निवास सिंह को और लोगों की जिज्ञासा भी नहीं जाती. इसमें कुछ सुविधा भी है, क्योंकि लक्ष्मी निवास सिंह का विषय रसायन-शास्त्र है और वह सिन्दरी की विशाल यन्त्रशाला में निरीक्षण का काम करते हैं, जब कि 'मदन वात्स्यायन' कविता - कहानी लिखते हैं। ₹ संभव है, अपने नाम में, 'वात्स्यायन' लगाने की प्रेरणा उन्होंने सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन से प्राप्त की हो।

मदन वात्स्यायन का जन्म उनके ननिहाल, बिहार के समस्तीपुर जिला के वीरसिंहपुर गाँव में 4 मार्च 1922 को हुआ। बचपन ननिहाल में बीता। समस्तीपुर हाई स्कूल से 1936 में उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की और पटना साइंस, कॉलेज से 1941 में उन्होंने रसायन शास्त्र (केमेस्ट्री) में ऑनर्स किया। एम. एससी. इलाहाबाद विश्वविद्यालय से किया और सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया। लीड्स यूनिवर्सिटी से 1948 में रासायनिक (केमिकल) इंजीनियरिंग में बी. एससी. ऑनर्स किया. अगले वर्ष 1949 में वे भारत लौटे और कुछ समय पटना साइंस कॉलेज में रिसर्च - कार्य करने के बाद 1950 में सिंदरी खाद कारखाना में केमिस्ट के पद पर नियुक्त हुए और 1978 में टेक्नॉलॉजिस्ट (प्रौद्योगिकीविद् प्रयोगविज्ञ) पद से सेवा निवृत हुए. बारह वर्ष झ 1950 से 1962 तक वे लेखन से जुड़े रहे। 'तीसरा सप्रक' के प्रकाशन के बाद 1962 से वे रचना कर्म से विरत हो गये. उनका निधन व्यासी वर्ष की उम्र में मेनिनजाइटिस की बीमारी से जूझते हुए 11 जुलाई 2004 को हुआ।

मदन वात्स्यायन पचास के दशक के आरंभ से ही कविता लिख रहे थे। 1950 में प्रकाशित उनकी कविता 'नया मेघदूत' (नई धारा, सितम्बर 1950) 'मेघदूतम' की तरह दो भागों, पूर्व मेघ' और उत्तर मेघ में विभाजित है. उनकी कविताओं से उनके समय की पहचान की जा सकती है. उनका यक्ष पेट का मारा जूट मिल का मजदूर है. वह मेघ को बंग भूमि, कामाख्या, दार्जिलिंग, 'नया स्वतंत्रता की लड़ाई, 1942 का तुमुल विद्रोह, गंगा-तलहटी, सबके बारे में बताता है - 'यहाँ के किसानों और मजदूरों ने अपने अधिकारों के लिए अपने शोषकों/के खिलाफ खूब लड़ाइयाँ लड़ी हैं/ और लड़ाइयाँ वे आज भी लड़ रहे होंगे।' इस कविता के 'पूर्व मेघ' में कवि ने दामोदर नदी को '७हमारे देश की नई औद्योगिक सभ्यता की सरस्वती' कहा है. कविता में, अगर एक ओर - महासेठों की ऊँची-ऊँची अट्टालिकाएँ / ओहदाशाहों के बड़े बड़े बंगले/उनकी चमचमाती लम्बी-लम्बी मोटरें' हैं तो दूसरी ओर 'कारखानों से, टूटी झोपड़ियों से निकलते / सुअर - जैसे नंगे, सुअर- जैसे गन्दे और सुअर- जैसे विकृत शरीर वाले / पाँव घसीटते मेरे सूबे के लोग' भी हैं। यह कवि की अपनी वर्गीय समुझ और दृष्टि है, मेघ के यात्रा - पथ में झारखण्ड और ₹विरसा भगवान' का जिक्र है. यह कविता आज विस्तार से गंभीर विवेचन की माँग करती है क्योंकि इसमें 'प्रजातन्त्र' 'फाइल - तन्त्री समाजवाद' 'नौकरशाहों' 'साम्प्रदायिक एकता', 'शेरशाह', 'ब्राह्मणवाद' 1857 की लड़ाई मालगुजारी सबका उल्लेख है। कविता में मजदूर की घरवाली का स्थान 'बुधिया ने ले रखा है' का जिक्र भी है. यह प्रेमचंद के 'कथन' की बुधिया है।

मदन वात्स्यायन को व्यवस्थित रूप से सामने लाने का सारा श्रेय रश्मिरेखा को है. अगर रश्मिरेखा ने 'ध्रुवतारा ' में संकलित सभी कविताएँ परिश्रम पूर्वक खोज कर इकट्ठी न की होती, उसको सम्पादन न किया होता तो मदन वात्स्यायन का एकमात्र कविता - संग्रह 'ध्रुवतारा' (ज्ञानपीठ प्रकाशन, 2006) का प्रकाशन भी न हो पाता. मुक्तिबोध की तरह 'मदन वात्स्यायन' का कविता-संग्रह भी मरणोपरान्त प्रकाशित हुआ. नौ वर्ष बाद रश्मिरेखा के सम्पादन में दूसरी पुस्तक 'मदन वात्स्यायन : शब्द और संवाद' (अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर, 2015) प्रकाशित हुई, जिसमें उनकी कविताओं पर कई कवियों-लेखकों के आलेख, लेखकों के पत्र, उनकी कुछ कविताएँ और उनकी पत्नी ललिता सिंह का राष्ट्रपति को लिखा गया आवेदन आदि है.

मदन वात्स्यायन हिन्दी में अपने ढंग के अकेले कवि हैं। कविता और काव्य रचना पर तीसरा सप्तक के 'वक्तव्य' में व्यक्त उनके विचार भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं - 'नयी हिन्दी कविता, नये वातावरण में पुरानी कविता का प्रसार मात्र नहीं, बल्कि एक नया संसार है उषा देवता से लेकर गधे तक, नग्न यौन भावना से लेकर सामाजिक क्रांति तक, देहाती - अमराई से लेकर कल-पुर्जों तक, अवचेतन से लेकर स्थूल के अनुत्तेजित चित्रण तक, इतना व्यापक विस्तार शायद पहले किसी 'वाद' की कविता का न हुआ। पहले के 'वाद' की कविता से उनका आशय 'छायावाद' और ' प्रगतिवाद' से है। वे जहाँ थे, वहाँ का परिवेश एकदम भिन्न था। 'नयी कविता' का केन्द्र इलाहाबाद था, जहाँ से पचास के दशक में ही 'नयी कविता' पत्रिका प्रकाशित हुई।

मदन वात्स्यायन की कविताएं 'नई धारा' 'प्रतीक', 'आजकल', 'जनता', 'योगी', 'नयी कविता' आदि पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थी। सर्वाधिक कविताएँ 'नई धारा' (पटना) में प्रकाशित हुई थी। प्रेमचंद ने 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी लिखी थी। मदन वात्स्यायन की कविता 'शतरंज का खेल' है। दिनकर ने 'विपथगा' कविता लिखी। मदन वात्स्यायन ने उनकी लीक पर 'अपथगा' लिखी, - 'घड़-घड़, घड़-घड़, धड़ड़-धड़ड़ / मेरे स्वागत में चीख रही प्रज्वलित कण्ठ चिमनी शत-शत/ लोहे पर लोहा धमक रहा आह्वान झ रोर में हत-प्रतिहत/ पर लोहा चमक रहा आहमान- शेर में हत-प्रतिकृत/ पेट्रोल वृद्धि से विकल- गंध सदियों से दहक रहे खाण्डव / पृथ्वी में आर्त-प्रकम्प, विघुतों से कराल - नभ आकुलरव। 'तीसरा सप्तक' में उनकी केवल दस कविताएँ हैं 'उषा स्तवन' 'शुक्र तारा', 'सुशिप्रा की वर्षगाँठ पर', 'स्वस्ति, मेरी बेटी', 'दो बिहाग, झउआ के फूल', 'असुरपुरी में दस से छः', 'सरकारी कारखाने में कर्मचारी की चिन्ता', 'अपथगा' और 'मिथिला में बाढ़'। इतनी कम कविताएँ 'तीसरा सप्तक' के अन्य छह कवियों की नहीं थी। मदन वात्स्यायन का ध्यान मात्रा और संख्या पर नहीं था। उन्होंने अपने 'वक्तव्य' में पूंजी के दौर में कविता के 'निस्सहाय' होने की बात कही है। अपने ढंग से उन्होंने कविता को दो श्रेणियों में विभाजित किया है- 'मायावादी' और 'कायावादी'। मायावादी रचना के उन्होंने तीन प्रकार बताये झ 'विशुद्ध मायावादी', 'निर्वेग-बौद्धिक और 'ऊब-रस' की कविताएँ। 'कायावाद' के उन्होंने चार प्रकार गिनाये- 'नया श्रृंगार', 'नयी करुणा', 'नया वीर- रस' और 'नया शान्त रस'। उन्होंने इन सभी भेदों के कविता से उदाहरण भी दिये हैं। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि ये श्रेणियाँ कितनी संगत हैं। बड़ी बात श्रेणियों की नवीनता है। मदन वात्स्यायन की कविताओं का 'नयापन' कई रूपों में है - विषय से लेकर शब्द प्रयोग, शब्द-विन्यास और वाक्य - विन्यास तक। 'नयी कविता' के संदर्भ में जिस 'नयेपन' की बात बार-बार कही जाती रही है, उसे हम इनकी कविताओं में देखते हैं। मदन वात्स्यायन ने ' शब्द और लय', 'भाव और रूप- प्रतीक', 'अकथा और कथा', एवं 'वृत्त और त्रिकोण' पर विचार किया है। कविता उनके लिए 'अतिचेतन के घर की चीज' नहीं है। 'अतिचेतन और अवचेतन के द्वन्द्व के बीच भाव कुछ बिजली के धक्के की तरह सहसा आते हैं। एक चित्र आया, और अनुभवों की पिटारी में से दूसरे चित्र सूत्र में गूँथने लगे। यह हुआ कविता का गभार्धान, जन्म चाहे नौ क्षण बाद हो चाहे नब्बे साल बाद।

मदन वात्स्यायन हिन्दी के विलक्षण कवि हैं। उनके पहले और बाद में भी हिन्दी का ऐसा और कोई कवि नहीं है, जिसने कारखाने और यंत्र एवं उससे जुड़े कई पक्षों पर कविताएँ लिखी हों। वे 'वसन्त' को भी 'असुर वसन्त' कहने वाले अकेले कवि हैं। रसायन शास्त्री होने, टेक्नॉलॉजिस्ट होने के कारण उनकी विचार- दृष्टि और संवेदन-पद्धति अन्य कवियों से एकदम अलग है। अज्ञेय ने उनके प्रत्यक्ष अनुभव को - असुरपुरी कविता का आधार' कहा है। 'असुरपुरी में दस से छह' कविता में मशीनों की ध्वनियाँ हैं, आवाजें हैं - 'धक-धक खच खच धक-धक खच-खच' यह आवाज निरन्तर, फैलती - गूंजती है। यह अन्य कवियों के ध्वनि- संसार से सर्वथा भिन्न है। कविता में मशीन, अलार्म, कमकर सब बोलते हैं। इसे मशीन के राग में भी देखा जा सकता है। कविता में मशीनों ने अपने को राजा, महाराजा, पूंजीपति, महासेठ, ऑटोमेटिक ईश्वर, 'भादो के भरे मेघ', सरस्वती अन्तः सलिला, हलधर, हरक्युलीज, अरणि हस्त अंगिरा राम, विद्युज्जटी आदि कहा है। मशीनें एक साथ ₹गरमी, प्रेशर, भाप, उपल- रज / ग्रीज, गैस, जल की आवाजें' सुनती हैं। मशीनें कहती हैं - 'सब का खून चूसते देखो/ आयु चबाते हैं हम / हा-हा-हा / हा हा हा हा हा। ' मदन वात्स्यायन की चिन्ता में श्रमिक हैं, कारखाने के कर्मचारी हैं। कर्मचारी जानता है, कहता भी है - 'ओ मेरे अफसर / ओ मेरे अफसर / तुमने मेरे हृदय में अंधकार भर दिया / मेरी आँखों की ऊषा छीन ली.../ मेरे रंगीन इन्द्रधनुष पर रोशनाई पोत दी... / तुम्हारी एक लाइन ने मेरे जीवन की कविता को निरर्थ कर दिया।'

मदन वात्स्यायन के यहाँ औद्योगिक सभ्यता की चिंताएं हैं। द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1957-7962) में औद्योगीकरण पर विशेष बल दिया गया था। नेहरू के प्रशंसक होने के बाद भी वे यंत्रीकृत युग, समय और समाज के पक्ष में नहीं थे। प्रकृति-परक उनकी कविताओं के साथ ऐसी, कविताओं को रख कर उनकी काव्य-चिन्ता से अवगत हुआ जा सकता है। 'तार सप्तक' के 'वक्तव्य में उन्होंने 'पूंजी और अ- समाजवादी राजकीय नियन्त्रण के विष-वपन से निस्तेज' 'आज के समाज' का उल्लेख किया था। उन्होंने जॉर्ज टॉमसन को उद्धृत किया था कि ₹बड़े उद्योगों को कविता की क्या परवाह है?' फिर यह कहा - 'सरकार के सेक्रेटरी को भी कविता की क्या परवाह है?' उनके सामने 'सहस्त्रार्जुन की तरह पूंजी' फैल चुकी थी, जिसने दिशाएँ जीत लीं प्रत्येक व्यक्ति पर छा गयी। 'ऋषियों को साँस लेने की जगह नहीं। ' मदन वात्स्यायन अपने समय के सभी कवियों से भिन्न हैं। मौलिक और विशिष्ट। 'शुक्रतारा' की उनकी अड़सठ कविताओं के अनेक स्वर हैं। औद्योगिक रसायन में डिग्री प्राप्त करने वाले इस कवि ने उद्योग और कारखानों को उसमें काम करने वाले मजदूरों को केवल निकट से देखा ही नहीं था, उसके साथ लगभग तीस वर्ष समय भी व्यतीत किया था। अफसर और मिनिस्टर को उसने पहचान लिया था। 'शुक्रतारा' कविता में नेहरू को वे 'वतन का प्यारा' कहते हैं - 'सताये हुओं को है जिस पर भरोसा'। इस कविता में 'शहर को अँधेरा कर, हवाई जहाज से मिनिस्टर' चले जाते हैं कवि सूरज को 'नये दूल्हे सा' और 'शुक्रतारा' को नव-वधू- सा देखता है। सूरज ' इंजन के हेडलाइट की तरह' निकलता है और शुक्रतारा 'गार्ड की रोशनी की तरह पीछे-पीछे गुमसुम' जाता है। मदन वात्स्यायन के यहाँ चाँद 'पेट्रोमैक्स' की तरह है और शुक्रतारा 'बैलगाड़ी की लालटेन' की तरह। शुक्रतारा भले एम. एल. ए. के पीछे जनता की तरह जाता हो, वह शाम को 'मशाल जला के' जाता है। उपमाओं की नवीनता नयी कविता को एक प्रमुख विशेषता थी। अज्ञेय ने मैले उपमानों' की बात अपनी एक प्रसिद्ध कविता में कही भी थी। 'सितारे' पहली बार मदन वात्स्यायन के यहाँ ही कौड़ियों से दौड़े आते' हैं, उनकी कविताओं में उनका समय है, उसमें कारखाने की व्यवस्था और प्रबंधन के प्रति एक आक्रोश भी है, अफसरशाही की आलोचना और व्यंग्य है। काव्य झसंवेदना, काव्य-भाषा, काव्य शिल्प सब भिन्न है। अफसरों से भरे सरकारी कारखाने 'साँपों से भरी कोठरी' की तरह है। इन कविताओं में प्रकृति के कई रूप-रंग हैं- सुबह, शाम, रात्रि के।

मदन वात्स्यायन की जन्मशती के अवसर पर उनकी कविताओं पर गंभीरता पूर्वक विचार जरूरी है। उन्होंने अधिक नहीं लिखा है। 1962 के बाद शायद नहीं। इसके बाद किसिम-किसिम की कविता हिन्दी में लिखी लिखी आने लगी थी। उन्होंने 'जाति धर्म' पर कविता लिखी, 'समाज विकास के कुछ चरण पर भी। इस अचर्चित कवि की कम चर्चा हुई है। उनके जनमशती वर्ष में उन्हें याद करना आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

विनोद शाही की मिथक दृष्टि: 'राम कथा : एक पुनर्पाठ'

मूल्यांकन

ममता कालड़ा

राम भारतीय संस्कृति का मूल आधार माने जाते हैं, इसलिए सदियों से राम कथा गायी व लिखी जाती है । भारत में ही नहीं अपितु विश्व के अनेक देशों में राम कथा का अपना विशेष महत्त्व है । बौद्ध धर्मों व जैन धर्मों में भी राम कथा को अपने विचारों के सन्दर्भ में लिखा गया । भारत की अनेक भाषाओं के साहित्य में भी राम कथा का वर्णन मिलता है, परन्तु इन सबका मूल स्त्रोत वाल्मीकि कृत 'रामायण' ही है ।

विनोद शाही ने इसी रामायण को आधार बनाकर 'राम कथा : एक पुनर्पाठ' की रचना की है, किन्तु यहाँ 'राम कथा' तुलसीदास के 'रामचरित मानस' की तरह नायक या पात्र केन्द्रित नहीं है, न ही यह राम के लोकमंगलकारी स्वरूप की व्याख्या करती है । असल में तुलसी का 'रामचरित मानस' एक भक्ति ग्रन्थ है, और वो भी प्रेम विषयक दास्यभाव मूलक भक्ति । तुलसी की राम-भक्ति में इतनी आस्था है कि वे गोरखपंथियों को नीच तक कह डालते हैं । तुलसी अलखहि का लखै, राम नाम जप नीच ।

किन्तु आज हमें सोचना होगा कि तुलसीदास के जिस समय में राम कथा पुनः लिखी गयी, भले ही वह उस समय भक्ति कथा के रूप में अपना अस्तित्व पाती हो, लेकिन आज उत्तर-औपनिवेशिक दौर में राम कथा को केवल भक्ति विषयक ग्रन्थ के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा । आज का समय तुलसी का समय नहीं है बल्कि भूमंडलीकरण और उदारीकरण का दौर है । सम्पूर्ण विश्व पर बाजारवाद हावी है । आज उपभोक्तावादी संस्कृति से परिचालित नव मूल्यों ने भक्ति को भी व्यापार में तब्दील कर दिया है, तो ऐसे में क्या राम कथा को भक्तिवादी धरातल पर बैठाना उचित होगा ? यही कारण है कि विनोद शाही रामायण की छोटी-छोटी कथाओं के माध्यम से भारत की वर्तमान परिस्थितियों को समझने का प्रयास करते हैं । अगर धार्मिक चश्मे को उतार कर इन कथाओं को सही ढंग से समझने का प्रयत्न किया जाए, तो ये कथाएं वर्तमान सांचे में एकदम फिट बैठती हैं । इसलिए आज के दौर को देखते हुए हमें विनोद शाही के आलोचनात्मक ग्रन्थ 'राम कथाः एक पुनर्पाठ' को समझना आवश्यक महसूस होता है । उनकी दृष्टि में राम कथा प्रकृति और मनुष्य के संधि स्थल पर खड़ी है तथा राम इतिहास पुरुष की तरह सभ्यता संघर्ष के साक्षी बनते हैं । असल में विनोद शाही यह बताना चाहते हैं कि राम एक प्रकृति पुरुष हैं और जब व्यक्ति प्रकृति का हो जाता है तो संकीर्ण राज-सत्ताएं उसको भ्रमित नहीं कर सकती । विनोद शाही अपने समय में सत्ता के अंतर्विरोधों को भली-भांति पहचानते हैं । वे राम के मिथक की पुनर्व्याख्या के जरिये सत्ता के समीकरणों को खोलने का प्रयास करते हैं । इसलिए उनकी राम कथा को सत्ता के विरोध में लिखा गया जन-चेतना के आख्यान की तरह देखा जा सकता है । वर्तमान दौर में जिस प्रकार सत्ता नए-नए रूपों में प्रकट हो रही है इससे इस पुस्तक के भाव को समझना और भी प्रासंगिक हो जाता है । 'राम' यहाँ 'भारतीय आत्मा' के रूप में प्रस्तुत होते हैं, तथा सीता 'आजादी' के मिथक के रूप में । राम 'रावण' रूपी औपनिवेशिक शक्तियों से सीता रूपी 'आजादी' को प्राप्त तो कर लेते हैं परन्तु उसी सीता को सत्ता से निष्कासित करके तड़पने के लिए छोड़ दिया जाता है । वाल्मीकि, जो कि गाँधी के पर्याय हैं, सत्ता से परे रहकर सीता व लव-कुश रूपी नयी पीढ़ी को सँभालने का प्रयास जरूर करते हैं, परन्तु अंततः वे भी असफल रहते हैं । गांधी 'राम' के जिस ईश्वरीय रूप को आत्मसात करते हैं, उस पर धर्म की मोहर लगाकर उन्हें खारिज कर दिया जाता है । विनोद शाही का मानना है कि गांधी को ठीक तरह से समझा ही नहीं गया है । इसीलिए वे बार-बार गांधी के विचारों को पुनर्मुल्यांकित करने का प्रयास करते हैं । विनोद शाही की दृष्टि में रावण का स्त्री अस्मिता व गरिमा पर कब्जा करना एक तरह से तीसरी दुनिया के देशों पर वर्चस्व स्थापित करने जैसा है अर्थात उन्हें तमाम तीसरी दुनिया के देश 'स्त्रैण-यथार्थ' की तरह दिखाई देते हैं, जो निरंतर बाजारवाद की चपेट में आ रहे हैं । और अंत में सीता का धरती में समा जाना एक तरह से हमारी उस स्वतंत्रता का छिन जाना है, जिसे हमने औपनिवेशिक दौर की गुलामी के बाद प्राप्त किया था ।

विनोद शाही की कृति में राम कथा एक सभ्यता विमर्श की तरह उभर कर सामने आती है । सभ्यता विमर्श के इस पाठ में वे सत्ता का खंडन करते हैं । कथा के आरम्भ में ही विनोद शाही राम जन्म की घटना को सामाजिक बदलाव की घटना मानते हैं । राम के समय तक आते-आते कबिलायी समाज किस तरह कृषि सभ्यता में तब्दील होता जाता है इसका विस्तृत वर्णन उन्होंने अपनी आलोचनात्मक कृति में किया है । उनका मानना है कि अपनी आवश्यक जरूरतों के लिए जंगलों पर निर्भर रहने वाला समाज राम के समय तक पूर्णतः कृषि पर निर्भर हो जाता है । क्या इसे परिवर्तन का सूचक नहीं माना जायेगा । इसलिए राम को वे वहां संक्रमण के दौर में खड़ा पाते हैं जहाँ कृषि सभ्यता के आने से केवल समाज की जरूरतें ही नहीं बदलती, बल्कि सामाजिक व्यवहार भी परिवर्तित होने लगता है । एक तरह से पूरी सामाजिक सरंचना में ही बदलाव आने लगता है । इस सन्दर्भ में वे राम कथा में लिखते हैं झ ' राम के समय तक आते-आते वह आदिम साम्यवादी मातृसत्तात्मक समाज बुरी तरह पतनशील और एक हद तक अमानवीयता की सीमा तक क्रूर व हिंसक हो गया है । जंगलों का सफाया हो रहा है; क्योंकि नयी सभ्यता के अग्रविकास के लिए दूसरा रास्ता नहीं है । जंगल अब मनुष्यों के बढते समाज के भरण-पोषण का भार वहन करने में असमर्थ हो गये हैं ।'

विनोद शाही एक प्रयोग धर्मी रचनाकार हैं । इसलिए प्राचीन ग्रंथों में छिपे वास्तविक जीवन को तलाशने में उनकी दृष्टि काफी पैनी हो जाती है । यहाँ भी उनका मकसद राम को उस भक्तिवादी धरातल से बाहर निकालना है जो राम को केवल आदर्शवादी ईश्वर के रूप में प्रस्तुत करता है । वे राम कथा को प्रकृति से जोड़ते हुए राम के वनवास प्रसंग को चिन्हित करते हैं और पूछते हैं कि क्यों राम राजा के रूप में इतने लोकप्रिय नहीं हुए, जितना उनका 'वनवास' लोगों के दिल में अपनी जगह बना पाया ? विनोद शाही यहाँ राम को भक्ति के धरातल पर नहीं बिठाते और न ही वे राम को किसी आदर्शवादी चरित्र की तरह प्रस्तुत करते हैं, बल्कि राम तो उन्हें साम्राज्यवादी नीतियों के खिलाफ अथवा सत्ता के प्रतिरोध में खड़े दिखाई देते हैं । राम द्वारा सत्ता के षड्यंत्रों को पहचानना, सत्ता का परित्याग करना तथा वनवास प्रसंग में आम जन के साथ सत्ता का विद्रोह करना, उनकी दृष्टि में ये सभी घटनाएँ एक तरह से वर्ग-विहीन समाज के उद्देश्य से लिखी गयी है ।

इसी कृति में आगे, वे अश्वमेध यज्ञ की घटना का जिक्र भी करते हैं तथा इस घटना के माध्यम से यह बताने का प्रयास करते हैं कि सत्ता किस प्रकार मनुष्य के मस्तिष्क पर सवार होकर उस पर नियंत्रण स्थापित कर लेती है । इस घटना को यदि हम उत्तर-आधुनिक समय में समझें तो जिन औपनिवेशिक नीतियों का विरोध करके भारत आजाद हुआ, उन्हीं नीतियों का अनुसरण करके भारत ने अपनी विकास की दिशा निर्धारित की । विनोद शाही सवाल करते हैं कि विकास के जिस मॉडल को भारत में उतारा गया, क्या वह विकास की सही दिशा निर्धारित कर पाने में सफल हुआ ? आजादी से पहले जिस लोकतंत्र की कल्पना सामान्य जन ने की थी, क्या वो लोकतंत्र जन-मानस की कसौटी पर खरा उतर पाया ? इन सभी सवालों से जूझते हुए विनोद शाही को गाँधी याद आ जाते हैं । क्यों गाँधी के चिंतन में 'मनुष्य' केंद्र में आ जाता है ? क्यों वे सत्ता व व्यवस्था के बजाय आम-जन के साथ खड़े होना पसंद करते हैं तथा उसी में वास्तविक विकास की संभावनाएँ खोजते हैं ? यहाँ विनोद शाही गाँधी को वाल्मीकि के समक्ष खड़ा कर देते हैं तथा गाँधी को वाल्मीकि के समतुल्य मानते हुए कहते हैं कि जिस तरह वाल्मीकि सत्ता के विरोध में खड़े हैं, उसी तरह गाँधी के आश्रम में भी सामान्य जन को पनाह मिलती है । असल में विनोद शाही की नजर में मनुष्यत्व ही आजादी है । किन्तु आजादी के बाद भारत में जिस तरह की सत्ता या व्यवस्था स्थापित हुई, उससे सबसे ज्यादा संकटग्रस्त आम-जन ही रहा । उसकी अपनी आजादी कहीं खो गयी । इस सन्दर्भ को यदि हम विनोद शाही की मिथकीय दृष्टि से देखें तो सीता रावण की कैद से आजाद तो हुई, किन्तु सीता रूपी आजादी एक ऋषि के आश्रम तक सीमित रह जाती है । विनोद शाही का मानना है कि राम कथा महज एक धार्मिक पाठ नहीं है । बल्कि यह सत्ता में छिपे गहरे अंतर्विरोधों को प्रकट करता है तथा सत्ता के समीकरणों को सुलझाने में हमारी मदद करता है। उनकी रचना का मूल प्रतिपाद्य एक ही रहता है, वह है - हमारी सांस्कृतिक जमीन को पुनर्स्थापित करना । उनकी दृष्टि में राम कथा महज एक धार्मिक ग्रन्थ नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है । आज एक नए ढंग का सांस्कृतिक माहौल रचा जा रहा है । अतः ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि मनुष्य अपने अतीत में वापसी करे, उसका पुनर्पाठ करे, तभी सांस्कृतिक जमीन का निर्माण संभव है ।

(लेखक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में शोधरत हैं, संपर्कः 94601 76154)

पड़ोसियों के साथ महासंघ वक्त की मांग

टिप्पणी

डा सी पी राय

क्या अब उचित समय है की भारत, पाकिस्तान, बंगला देश और संभव हो तो नेपाल ,भूटान और श्रीलंका का भी एक महासंघ बन जाना चाहिये ? यद्यपि बंगला देश ने काफी तरक्की किया है और मजबूत भी हुआ है। नेपाल भारत और चीन के बीच झूल रहा है सहायता के लिए तो पाकिस्तान अमेरिका और चीन के बीच और यही स्थिति श्रीलंका की भी है। भूटान छोटा है और पड़ोसियों की सहायता पर निर्भर है तो भारत भी अपनी सैन्य आवश्यकताओ के लिए अन्य देशो पर निर्भर है, इसे भी अंतर्राष्ट्रीय मदद की दरकार भी रहती है।

यद्यपि भारत ने पिछली सभी सरकारों के समय काफी तरक्की की है और आर्थिक क्षेत्र हो, अंतरिक्ष का क्षेत्र हो या सैन्य ताकत, सभी में दुनिया के बड़े देशों की कतार में खड़ा हो गया है पर इसकी बेतहाशा बढ़ती हुयी जनसंख्या और उसम युवाओं की बड़ी संख्या इसके सामने चुनौती बनी हुई है क्योंकि एक सीमा तक युवा राष्ट्र उत्पादक होता है और ताकत होता है पर अगर नीतियां रोजगार का निर्माण न कर रही हों और पूँजी का वितरण देश में और समाज में तार्किक और समानुपाती न हो बल्कि उसका विकेन्द्रीयकरण के बजाय केन्द्रीयकरण हो रहा हो तो बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ती है और बेरोजगार युवा देश पर बोझ ही नहीं मुसीबत साबित हो सकता है। इसका भारत के परिप्रेक्ष्य में अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान आर्थिक मामलों से लेकर अंदरूनी समस्यायों से झूझ रहा है और आतंकवाद की आंच उसे भी जला रही है।

भारत, पाकिस्तान और बंगला देश तो हमेशा से एक देश रहा है। इन तीनो देशों की संस्कृति, खानपान, पहनावा, मौसम, फसलें, नदियाँ, पहाड़, भाषा, बोली, इतिहास सब कुछ तो एक ही है। इन देशों का कोई भी भारत आता है तो न भारत उसे बेगाना लगता है और न इन देशों में जाने वाले भारतीयों को ये लोग बेगाने लगते है। पाकिस्तान जाकर लौटने वाले सारे लोगों ने यही बताया की वहाँ बहुत प्यार और इज्जत मिली और वहाँ के लोगो ने हाथोहाथ लिया। इन देशों की समस्याए भी एक जैसी ही है करीब करीब। अगर पाकिस्तान में धार्मिक कट्टरता ने उसको पीछे किया है तो बंगला देश में भी कट्टर ताकतें सर उठाती रहती है और भारत भी धार्मिक घृणा की तरफ धकेला जा रहा है कुछ ताकतों द्वारा।

नेपाल लगातार अस्थिर है तो श्रीलंका अभी एक आन्तरिक युद्ध से ठीक से उबर भी नहीं पाया है। ये सारे देश एक दूसरे के खिलाफ होने या साथ नहीं होने के कारण सेना और हथियार पर बहुत बड़ी धनराशि खर्च करने को मजबूर हैं और आपस में सहयोगी नहीं होने के कारण खासकर पकिस्तान की सीमा और व्यापार बंद होने के कारण वही चीजें दूसरो से महंगा लेने को मजबूर है। जबकि अगर ये सब देश एक देश की तरह या ढीले ढाले महासंघ के रूप में काम करने लगें और उन मुद्दों को उठा कर किनारे टांग दे जो इतने वर्षो से केवल आत्मघाती साबित हुए हैं तो ये सभी बहुत मजबूत हो सकते हैं। केवल सेना और हथियार का खर्च ही कम हो जाय, आपसी तनाव खत्म हो जाये तथा सीमाएँ खुल जाए और ये सभी दुश्मन की जगह सहयोगी बन जाएं तो खुशहाल हो जायेंगे और आपसी 90 प्रश जरुरतें खुद पूरी कर सकेंगे।

पर सवाल है कि ये होगा कैसे ? इन देशों के विद्वान, सिविल सोसायटी, कलाकार, लेखक, कवि और छात्र मिलकर इसकी बुनियाद डाल सकते हैं। अगर बड़े पैमाने पर इन लोगों का एक दूसरे के यहाँ आना जाना शुरू हो जाये, सबके साथ मैत्री संघ बन जाए और उसको सरकारों की भी मान्यता तथा सहायता मिले तो बात बन सकती है। अगर जर्मनी का एकीकरण हो सकता है तो भारत, पाकिस्तान और बंगला देश का क्यों नहीं हो सकता ? एक प्रधानमंत्री, दो उप प्रधानमन्त्री का फामूर्ला चल सकता है। प्रारम्भिक तौर पर और दो उप राष्ट्रपति का या राष्ट्रपति बारी बरी तीनों जगह से हो सकते है। और जब सब ठीक लगे तो एक देश के रूप में काम करने लग सकते हैं। प्रारम्भिक तौर पर केवल सुरक्षा, विदेश नीति, संचार और मुद्रा एक रहे और बाकी चीजें तीनों की स्वतन्त्र रहें और सेना का संयुक्त कमांड हो जो आपस के लिए नहीं बल्कि अन्य देश की सीमाओं के लिए काम करे तथा आपसी सीमाओं से सेना पूरी तरह हट जाये। बस कानून व्यवस्था और किसी भी तरह के आतंकवाद और अवैध कारोबार को रोकने के लिए नाममात्र की रहे। आगे चल कर एकीकरण की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। पूरा सामंजस्य बैठ जाने और आपसी विश्वास कायम होने तथा अंतरिम व्यवस्था के सफल हो जाने के बाद बात आगे बढ़ सकती है। यही फामूर्ला बाकी पड़ोसियों के साथ भी अपनाया जा सकता है।

यद्यपि ये आसान नहीं है और दुनिया को अपनी रियाया समझने वाली ताकतें ऐसा आसानी से होने नहीं देगी पर चुनौती भी तो यही है और उन ताकतों के शोषण तथा दादागिरी के खिलाफ और खुद को सशक्त करने तथा अपनी समस्याओं से खुद निपटने में आपसी सहयोग स्थापित करने के लिये ही तो इस एकीकरण अथवा प्रारम्भिक तौर पर ढीलेढाले महासंघ की आवश्यकता है। पर इसके लिए इन देशों और समाजों को उन ताकतों को तो किनारे लगाना ही होगा जो धार्मिक अथवा जातीय कट्टरता वाला समाज अथवा देश बनाना चाहते हैं क्योंकि ऐसा महासंघ तो सिर्फ मानवता की बुनियाद पर और मानवता की बहबूदी के लिए ही बन सकता है। पाकिस्तान या बंगला देश की जनता को ऐसी ताकतों पर लगाम लगाना होगा तो भारत में भी कुछ लोगो को तय करना पड़ेगा की देश के बंटवारे से दुखी होना और फिर धर्म के नाम पर किसी कौम की उपेक्षा या उससे घृणा दोनों साथ तो नहीं चल सकते हैं।

सवाल ये है कि भारत बड़ा है, क्या इसकी सत्ता ऐसी पहल नहीं कर सकती ? क्या आगे बढ़ कर आजादी के बाद बनी दीवार गिराने की तरफ पहला हथौड़ा नहीं चला सकती है? इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी जी को पहल करनी चाहिए और सत्ता की मातृ संस्था आरएसएस जो भारत बंटवारे के खिलाफ बहुत मुखरता से आवाज उठाती रही है, उसको आगे बढ़ कर इस अभियान की शुरूआत करनी चाहिये और अगर ये लोग आगे नहीं बढ़ते हैं तो राहुल गाँधी और कांग्रेस को इस अभियान की शुरूआत करना चाहिये। कांग्रेस के रिश्ते पड़ोसियों से अच्छे रहे हैं इसलिए वो विश्वास बना सकती है। करे कोई भी लेकिन आपसी दीवार अब गिर ही जानी चाहिए। क्योकि लड़ाइयों से तो बबार्दी के अलावा आजतक कुछ भी हासिल नहीं हुआ तो क्यों न लड़ाई शब्द को मिलकर खूंटी पर टांग दिया जाए और केवल खुशहाली की प्रतियोगिता और सहयोग में लग जाया जाए ।

(लेखक स्वतंत्र राजनीतिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं, संपर्क 9412254400)

जनपद में गणतंत्र दिवस पर आन बान शान से लहराया तिरंगा

गणतंत्र दिवस

मदरसा जामिया शमशिया तेगिया मरियादपट्टी में पालिकाध्यक्ष ने फहराया तिरंगा

कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया ध्वजारोहण

जनसंदेश न्यूज

भदोही। गणतन्त्र दिवस की 74वीं वर्षगाठ जनपद में बड़े धूमधाम एवं भव्यता के साथ मनाई गई। जनपद के सभी सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय तथा शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रीयता पर आधारित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पर्व गणतन्त्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कलेक्ट्रेट पर ध्वजारोहण किया और भारतीय संविधान के संकल्प को पढ़कर दुहरवाया। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण कर दी सेन्ट्रल बार एसोशिएशन पर भी ध्वजारोहण किया।

मदरसा जामिया शमशिया तेगिया मरियादपट्टी में ध्वजारोहण करते पालिकाध्यक्ष अशोक जायसवाल

एक्सेल हॉस्पिटल में झंडे को सलामी देते निदेशक डॉ ए रहमान डॉ दरकशा, युवा निर्यातक उबैद अंसारी व छोटे बच्चे

सेंट मेरिज स्कूल में झंडारोहण करते जीवन दिप हॉस्पिटल के निदेशक डॉ ए के गुप्ता साथ मे फादर आनंद लाकरा

उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर बसंत पंचमी व सरस्वती पूजा की सभी को बधाई दी। इसी तरह मदरसा जामिया शमशिया तेगिया मरियादपट्टी में पालिकाध्यक्ष अशोक जायसवाल ने तिरंगा झंडा फहराया और इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों और बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की स्वाधीनता में अपने प्राणों की सर्वोच्च बलिदान करने वाले शहीदों की कुर्बानियों को हमें नहीं भूलना चाहिए। इस दौरान प्रिंसपल मौलाना फैसल हुसैन अशरफी, नरैन खान, खुर्शीद खान, टोनी मंसूरी, जमील नेता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इसी तरह नई बाजार स्थित सेंट मेरिज स्कूल में जीवन दिप हॉस्पिटल के निदेशक डॉ ए के गुप्ता ने झंडारोहण किया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसपल फादर आनंद लाकरा, सिस्टर रेनू, नीरज मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे। चौरी रोड स्थित एक्सेल हॉस्पिटल में निदेशक डॉ ए रहमान ने हॉस्पिटल परिसर में झंडारोहण छोटे बच्चों से कराया। इस मौके पर रेडियोलॉजिस्ट डॉ दरकशा, युवा कालीन निर्यातक उबैद अंसारी, मैनेजर इमरान अंसारी सहित अस्पताल स्टाफ मौजद रहा। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय मरियादपट्टी में झंडे को वार्ड सभासद ने फहराया।

इस दौरान प्राधानाध्यापक साबिर अंसारी, रूबी खान आदि मौजूद रहे। इसी तरह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही में गणतंत्र दिवस धूमधाम और हर्षोल्लाष से मनाया गया। प्राचार्य डॉ मुरलीधर राम ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया। इस तरह तहसील भदोही में उपजिलाधिकारी कृपाशंकर पांडेय ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति, नायब तहसीलदार नितिन कुमार, बलवंत उपाध्याय के साथ तहसील कर्मी मौजूद रहे। इसी तरह केशव मिश्र महिला महाविद्यालय औराई में भी ध्वजारोहण किया गया।

बंदियों द्वारा निर्मित कालीन विक्रय केंद्र का डीएम व एसपी ने किया शुभारंभ

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर डीएम व एसपी ने जिला कारागार गेट पर बंदियों द्वारा निर्मित कालीन विक्रय केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। दोनों अधिकारियों को बंदियों ने स्व निर्मित ₹जिलाधिकारी भदोही₹ व सत्य मेव जयते आई पी एस अंकित कालीन सीनरी भेंट की गई। डीएम व एसपी ने बंदियों द्वारा निर्मित कालीनो की गुणवत्ता व फिंसिंग की सराहना करते हुए उनके द्वारा निर्मित कालीन के विक्रय पर बल दिया। जिला कारागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिला कैदी रोजी, साधना, काजल द्वारा स्वागत गीत गाया गया।

जिला वार्डन शिखा पटेल ने राष्ट्रीय भावना से प्रेरित करते हुए₹ देश मेरा रंगीला ₹पर प्रस्तुति दी। गायक मनीष गुरु ने अपने प्रस्तुति से कैदियों को मंत्र मुक्त कर दिया। जिलाधिकारी ने कैदियों को संविधान के आदर्शों से परिचित कराते हुए उनके कर्तव्यों के निर्वहन पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक ने कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें ऐसा कोई आचरण नहीं करना चाहिए जिससे किसी दूसरे के जीवन, संपत्ति व स्वतंत्रता पर दखल पड़े। इस अवसर पर अच्छे कार्य करने वाले 10 कैदियों को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने टी-शर्ट वाला उपहार देते हुए उनको सम्मानित किया। डीएम व एसपी ने सभी कैदियों को मिष्ठान व फल का वितरण किया। जिला में कारागार में कैदियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर जिलाधिकारी गौरांग राठी व पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने जेलर राजेश वर्मा की सराहना की।

डीएम और एसपी को सत्य मेव जयते आईपीएस अंकित कालीन सीनरी को भेंट करते बंदी

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

गोपीगंज। गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोपीगंज नगर और क्षेत्र में ध्वजारोहण कर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर सरकारी अर्ध सरकारी तथा निजी विद्यालयों और कार्यालयों में ध्वजारोहण कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय पर अधिशासी अधिकारी अमिता सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसी तरह गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक द्वारा ध्वजारोहण किया गया, कोतवाली गोपीगंज में प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सेंट थॉमस स्कूल के प्रबंधक सेम अब्राहम द्वारा ध्वजारोहण किया गया। गुरुकुलम शिक्षण संस्थान में प्रबंधक डॉ. राजेश सिंह द्वारा ध्वजारोहण कर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां बच्चों के जोश को देखने के लिए भारी संख्या में बच्चे और अभिभावक मौजूद रहे। संत विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य अजय त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष श्रीकांत द्वारा कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया। प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में प्रधानाचार्य सुधीर कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

जुआ खेलते हुए पांच जुआरी गिरफ्तार

जनसंदेश न्यूज

भदोही। जनपद में हो रहे अवैध जुआ की रोकथाम हेतु डॉ. अनिल कुमार, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्रम में बीती रात्रि को थाना भदोही द्वारा अवैध रूप से जुआ खेलते हुए बदरुद्दीन टूटे मस्जिद के करीब 50 मीटर पूरब ग्राम घमहापुर से असलम खान पुत्र स्व. मन्नान खान निवासी मलिकाना थाना भदोही, बड्डन अन्सारी पुत्र करीमुल्ला अन्सारी निवासी पुरेनुर इस्लाम, राजन कुमार गौतम पुत्र स्व. रामदुलार गौतम निवासी मोहल्ला ठकुरा रोड गल्ला मण्डी, रामलाल मौर्या पुत्र स्व. बसन्तलाल मौर्या निवासी सहाबाबाद थाना भदोही, मो0 नफिस पुत्र स्व. मुसा निवासी सरदार बाजार खां थाना व जनपद भदोही, को मौके से गिरफ्तार किया गया तथा बरामद शुदा धनराशि को पुलिस कब्जे मे लिया गया। तथा अभियुक्त शमसाद आलम पुत्र शमसुद्दीन निवासी आलमपुर थाना व जनपद भदोही रात्रि का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर 16/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त का चालान न्यायालय किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रमुख रूप से उ.नि. आलोक कुमार सिंह चौकी प्रभारी कस्बा भदोही, उ.नि. प्रमोद कुमार राय थाना भदोही जनपद भदोही, हे.का. सैय्यद मुस्लिम अली, हे.का. वकालत अंसारी, का.बलवन्त कुमार, का. आर्यन कुमार, का. राजू पटेल चौकी कस्बा भदोही थाना भदोही जनपद भदोही रहे।

आप प्रत्याशी की याचिका पर तीन फरवरी को सुनवाई करेगा कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) की महापौर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय की उस याचिका को तीन फरवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर शुक्रवार को सहमति जताई, जिसमें दिल्ली में महापौर पद का चुनाव समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर पद का चुनाव जल्द कराने के संबंध में ओबेरॉय की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दलीलों पर संज्ञान लिया। इस पीठ में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता भी शामिल थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इसे तीन फरवरी को सूचीबद्ध किया जाएगा। पिछले मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में महापौर पद का चुनाव ?इस महीने दूसरी बार नहीं हो सका था, क्योंकि उपराज्यपाल द्वारा नियुक्त पीठासीन अधिकारी ने कुछ पार्षदों के हंगामे के बाद एमसीडी सदन की बैठक को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था।

भारत जोड़ो यात्रा देश का माहौल बदलने के लिए राहुल की छवि सुधारने के लिए नहीं : उमर अब्दुल्ला

नेकां नेता ने दावा किया कि राहुल गांधी ने निजी उद्देश्यों के चलते यह यात्रा शुरू नहीं की

बनिहाल। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला बनिहाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान, उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का मकसद राहुल गांधी की छवि सुधारना नहीं, बल्कि देश के मौजूदा हालात को बदलना है।

हालांकि, उमर ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के संबंध में कांग्रेस के रुख पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह इसमें नहीं पड़ना चाहते। उमर ने कहा, हम किसी एक व्यक्ति की छवि के लिए नहीं, बल्कि देश की छवि के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। नेकां नेता ने दावा

किया कि राहुल गांधी ने निजी उद्देश्यों के चलते यह यात्रा शुरू नहीं की, बल्कि उन्होंने देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों पर अपनी चिंताओं के मद्देनजर यह कदम उठाया। श्रीनगर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बनिहाल पहुंचने के बाद संवाददाताओं से मुखातिब उमर ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा का मकसद राहुल गांधी की छवि सुधारना नहीं, बल्कि देश के मौजूदा हालातों में बदलाव लाना है। उन्होंने कहा, यह सरकार भले ही अरब देशों के साथ दोस्ती कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस सरकार में देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं है। उमर ने कहा, आजादी के बाद यह संभवतः पहली बार है, जब सत्तारूढ़ दल से मुस्लिम समुदाय का कोई भी संसद सदस्य नहीं है। यह उनके रुख को दशार्ता है। साल 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान के बारे में पूछे जाने पर उमर ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी इस अभियान पर सवाल नहीं उठाए। नेकां नेता ने कहा, यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। हमने न तो कभी सर्जिकल स्ट्राइक (की सत्यता) पर सवाल उठाए हैं, न ही उठाएंगे। उमर ने कहा, हम अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए अदालत में मुकदमा लड़ेंगे। सरकार संबंधित याचिका पर सुनवाई से जिस तरह से पीछे भाग रही है, उससे पता चलता है कि हमारा मुकदमा काफी मजबूत है।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव के संबंध में उन्होंने कहा कि इसे आठ साल हो चुके हैं। नेकां नेता ने कहा, आखिरी विधानसभा चुनाव 2014 में हुए थे। यह जम्मू-कश्मीर में दो चुनावों के बीच सबसे लंबा अंतराल है। घाटी में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान भी ऐसा नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चाहती है कि जम्मू-कश्मीर के लोग चुनाव के लिए गिड़गिड़ाएं। उमर ने कहा, हम भिखारी नहीं हैं और हम इसके लिए भीख नहीं मांगेंगे।

विपक्ष के नेता फवाद चौधरी 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी को यहां की एक अदालत ने एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ हिंसा को उकसावा देने के आरोप में शुक्रवार को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी फवाद को बुधवार को लाहौर में उनके आवास पर मारे गये छापे के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के सचिव की शिकायत पर इस्लामाबाद के कोहसर पुलिस थाने में उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किये जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। इस्लामाबाद जिला एवं सत्र अदालत ने फवाद (52) को एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ हिंसा को उकसावा देने के आरोप में 14 दिनों के लिए अडियाला जेल भेज दिया। अदालत ने फवाद की गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद बुधवार रात उन्हें दो दिनों के लिए पुलिस की रिमांड में भेज दिया था।

भारत में कैद 17 पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते उनके देश भेज दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिहा किए गए 17 कैदियों में से 12 मछुआरे हैं और पांच सिविल कैदी हैं। इनमें से कुछ मछुआरे कैदी साल 2013 में पकड़े गए थे, जो पानी में मछली पकड़ते हुए पाकिस्तान की सीमा पार कर गए थे।

बाबा बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री ने दी नसीहत कहा- 'कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे'

अपने दावों के कारण कई दिनों से चर्चा में आए बाबा बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री उत्तराखंड पहुंचे हैं

देहरादून। अपने दावों के कारण कई दिनों से चर्चा में आए बाबा बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री उत्तराखंड पहुंचे हैं। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर उन्होंने यह बात कही है। जारी वीडियो में उन्होंने कहा है कि वह उत्तराखंड की पवित्र धरती के संतों को बागेश्वर धाम में होने वाले आयोजन का आमंत्रण देने आए हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वीडियो में अपने विरोधियों को नसीहत देते हुए कहा है कि कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। बताया जा रहा है कि वह ऋषिकेश के बयासी क्षेत्र में किसी आश्रम में हैं। वहीं चर्चा यह भी है कि उन्होंने योग गुरु बाबा रामदेव से मुलाकात की है।

आचार्य बालकृष्ण भी आए नजर

वीडियो में धीरेंद्र शास्त्री के साथ आचार्य बालकृष्ण भी नजर आए। उन्होंने वीडियो में कहा कि आचार्य बालकृष्ण समूचे भारत में लोगों को औषधि से लाभ पहुंचा रहे हैं। आचार्य बालकृष्ण ने वीडियो में कहा कि भारत में हम लोग औषधि से लोगों को लाभ पहुंचाने का काम कर रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सब लोग प्रेम पूर्वक रहें। उन्होंने कहा कि बहुत जल्दी भव्य यज्ञ होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 13 से 19 फरवरी को यज्ञ होगा। उसी के लिए हम निमंत्रण देने आए हैं। मध्य प्रदेश में मौजूद बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इंटरनेट मीडिया से लेकर टेलीविजन तक हर तरफ छाए हुए हैं। आज के समय लोग अपनी जिंदगी से जुड़ी परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए बागेश्वर धाम आते हैं और बाबा उन्हें उनकी परेशानियों से निजात दिलाने का दावा करते हैं।

फ्लाइट में पेशाब करने के आरोपी की जमानत अर्जी पर 30 जनवरी को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान में एक बुजुर्ग महिला यात्री पर पेशाब करने के आरोप में गिरफ्तार शंकर मिश्रा की जमानत अर्जी पर सुनवाई 30 जनवरी तक स्थगित कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने जमानत अर्जी की प्रति प्राप्त नहीं होने और जांच अधिकारी के जवाब सहित न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। मिश्रा ने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत अर्जी खारिज किये जाने के बाद सत्र न्यायालय में आवेदन किया है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी।

मिश्रा के वकील ने इससे पहले अदालत में दलील दी थी कि महिला को प्रोस्टेट से संबंधित कोई बीमारी है, जिसके कारण उसने खुद पेशाब कर दिया और उनके मुवक्किल को इस मामले में झूठा फंसाया। आरोप है कि मिश्रा ने पिछले साल 26 नवंबर को एयर इंडिया के बिजनेस क्लास में नशे की हालत में 70 वर्षीय महिला पर पेशाब कर दिया था। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा थाने की पुलिस ने मिश्रा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी और मिश्रा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया था।

चीन से लगी सीमा पर भारत ने 65 में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर खोया अधिकार

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अपने बयान में कहा, मोदी सरकार की चीन को क्लीन चिट देश के हिस्से की 'सलामी स्लाइसिंग' करवाती है

नई दिल्ली। चीन से लगती सीमा पर पेट्रोलिंग पॉइंट्स को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरा है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा, भारत ने अब 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर अपना अधिकार खो दिया है। मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। गलवां में मई 2020 के दौरान ही भारत के 20 बहादुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। पीएलए द्वारा सबसे ऊंची चोटियों पर अपने बेहतरीन कैमरों की मदद से भारतीय सेना पर नजर रखी जा रही है। पवन खेड़ा ने अपने बयान में कहा, मोदी सरकार की चीन को क्लीन चिट देश के हिस्से की 'सलामी स्लाइसिंग' करवाती है। चीन को पीएम मोदी की 'बेदाग क्लीन चिट' के झूठ का पदार्फाश 'पुलिस मीट सिक्योरिटी रिसर्च पेपर' की कड़वी सच्चाई ने कर दिया है। बतौर कांग्रेस नेता, मोदी सरकार द्वारा चीन के अवैध कब्जे और सैन्य निर्माण से लगातार

इनकार ने चीन का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व भूभागीय अखंडता से समझौता करने का आरोप लगाया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में पीएम मोदी, गृह मंत्री, अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भाग लिया था। बतौर खेड़ा, चर्चा के लिए प्रस्तुत एक विस्तृत सिक्योरिटी रिसर्च पेपर में भारत के क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे के प्रति मोदी सरकार की स्तब्ध कर देने वाली उदासीनता के बारे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

भारत ने अब 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) में 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर अपना अधिकार खो दिया है। मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। पेपर में कहा गया है, वर्तमान में, काराकोरम दर्रे से लेकर चुमार तक 65 पीपी हैं, जिन्हें आईएसएफ (भारतीय सुरक्षा बल) द्वारा नियमित रूप से गश्त किया जाता है। 65 पीपी में से, 26 पीपी (यानी पीपी नंबर 5-17, 24-32, 37, 51,52,62) में हमारी उपस्थिति प्रतिबंधात्मक या आईएसएफ (भारतीय सुरक्षा बलों) द्वारा गश्त नहीं करने के कारण खो गई हैं। बाद में चीन, भारत को यह तथ्य स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से आईएसएफ या नागरिकों की उपस्थिति नहीं देखी गई है। जबकि उन क्षेत्रों में चीनी मौजूद थे। इससे भारतीय सीमा की ओर आईएसएफ के नियंत्रण वाले सीमा क्षेत्र में बदलाव होता है। ऐसे सभी पॉकेट को बफर जोन बना दिया जाता है, जिससे भारत इन क्षेत्रों पर नियंत्रण खो देता है। इंच दर इंच जमीन हड़पने की पीएलए की इस चाल को 'सलामी स्लाइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

गुजरात मोरबी पुल हादसा मामले में पुलिस ने दाखिल की 1200 पन्नों की चार्जशीट

मोरबी। गुजरात के मोरबी शहर में पिछले साल अक्टूबर में एक झूला पुल टूटने की घटना में पुलिस ने शुक्रवार को आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इस हादसे में 135 लोग मारे गए थे। पुलिस उपाधीक्षक पी एस जाला ने मोरबी सत्र अदालत में 1,200 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया। जाला मामले के जांच अधिकारी हैं। सूत्रों के मुताबिक, मोरबी में झूला पुल गिरने की घटना के सिलसिले में जेल में बंद नौ आरोपियों के अलावा ओरेवा ग्रुप के जयसुख पटेल को आरोप पत्र में दसवें आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। अजंता मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड (ओरेवा ग्रुप) मोरबी में मच्छू नदी पर बने ब्रिटिश काल के इस झूला पुल का संचालन करती थी। मजिस्ट्रेट अदालत 30 अक्टूबर 2022 को हुए इस हादसे को लेकर जयसुख पटेल के खिलाफ पहले ही गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुकी है। पटेल की अग्रिम जमानत याचिका पर एक फरवरी को सुनवाई होगी।

नौ लोगों को पुलिस ने किया पाबंद

सकलडीहा। कोतवाली क्षेत्र में आये दिन जमीनी विवाद को लेकर मारपीट और तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग की कोरमपूर्ति के कारण प्रतिदिन विवाद हो रहा है। इसके बाद भी तहसील प्रशासन मौन है। कोतवाली पुलिस ने चतुर्भुजपुर और फुल्ली गांव में जमीनी विवाद को लेकर कुल नौ लोगों को पाबंद किया है।

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

सकलडीहा। सकलडीहा रेलवे क्रासिंग के समीप टिकरवा गांव के सामने शुक्रवार को दोपहर में करीब दो बजे 25 वर्षीय एक अज्ञात युवक ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर लिया है। इसकी जानकारी होने पर आसपास गांव के काफी संख्या में लोग रेलवे ट्रैक पर पहुंच गये। घंटों देर बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं होने पर जीआरपी पुलिस शव को कब्जे लेकर अपने साथ ले गयी। रेलवे स्टेशन क्रॉसिंग के सौ मीटर दूरी पर एक अज्ञात युवक पच्चीस वर्षीय ने रेलवे ट्रैक पर लेटकर खुदकुशी कर लिया। सूचना पर पहुंचे कोतवाल अनिल कुमार पांडेय ने जीआरपी को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दिलदारनगर ले गयी।

शहाबगंज ब्लॉक में रही 74वें गणतंत्र दिवस की धूम

शहाबगंज/इलिया। ब्लाक क्षेत्र में 74वां गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सरकारी व प्राइवेट स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभातफेरी निकालकर गणतंत्र को मजबूत करने की शपथ लिया। इस अवसर पर सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थाओं पर शान से तिरंगा फहराया गया। वही विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खण्ड विकास कार्यालय पर ब्लाक प्रमुख गीता देवी व बीडीओ दिनेश सिंह ने ध्वजारोहण रोहण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.निलेश मालवीय, पशु चिकित्सालय में डा.सुजीत पटेल, प्राथमिक विद्यालय बड़गांवा पर गुलफाम अहमद मिक्कू, प्राथमिक एकौना पर ग्रामप्रधान बदरुद्दजा अंसारी, प्राथमिक विद्यालय भुसीकृत पुरवा पर ग्रामप्रधान धर्मेंद्र मौर्य,कम्पोजिट विद्यालय ठेकहां ग्राम प्रधान सजाउद्दीन, स्वामी अड़गड़ानंद पब्लिक स्कूल में समाजसेवी रतीश कुमार, श्री योगेश्वरनाथ स्नाकोत्तर महाविद्यालय पर कुन्दन गौंड, यूनियन बैंक शहाबगंज पर अंजय मोहंती ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद उपस्थित लोगों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गयी।

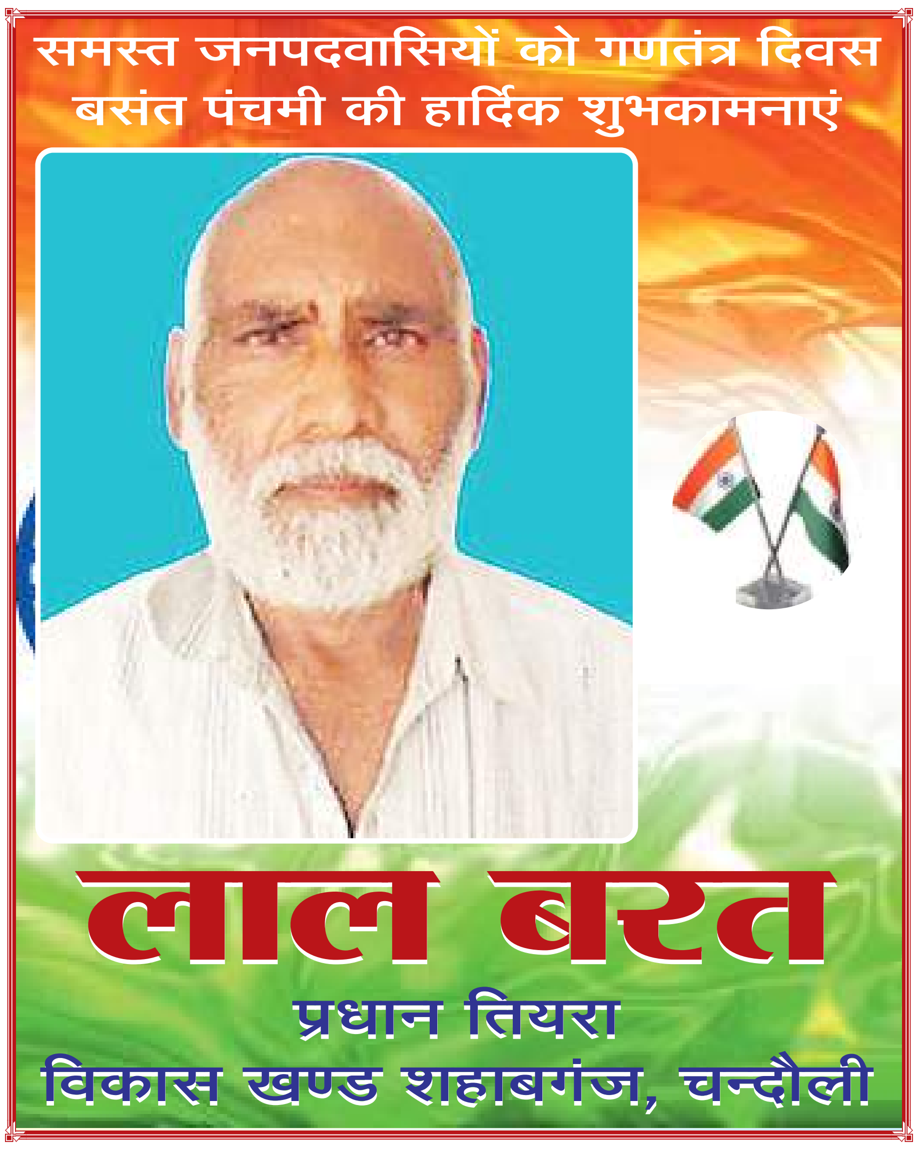

राष्ट्र की प्रगति की दिशा में सरकार कर रही प्रयासः डॉ. महेंद्रनाथ पाण्डेय

74वां गणतंत्र दिवस

महेंद्र टेक्निकल इंटर कॉलेज मैदान पर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

महेंद्र टेक्निकल इंटर कॉलेज ग्राउंड पर परेड की सलामी लेते डा.महेंद्रनाथ पांडेय

चंदौली। जनपद में 74वां गणतंत्र दिवस गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिलाधिकारी ईशा दुहन द्वारा कलेक्ट्रेट भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रगान के उपरांत भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके परिजनों को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत चंदौली स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण व सम्मान किया गया तथा राजकीय पालीटेक्निक गेट से बालकों की दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा महेंद्र टेक्निकल इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री, भारी उद्योग व सांसद चंदौली डा.महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के उपरांत भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक राज्य बनाने के लिए संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उन्होंने सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ लोगों को दिलाई। केंद्रीय मंत्री ने पुलिस परेड का निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित लोगों को 74वें गणतंत्र दिवस की शुभकामना संदेश के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्र की प्रगति की दिशा में किए जा रहे प्रयास एवं उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया। साथ ही जनपद में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स समिट की वेबसाइट और लोगों भी जारी किया गया। दूसरी ओर मुख्य विकास अधिकारी एसएन श्रीवास्तव द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मान विशेष विद्यालय अलीनगर मुगलसराय में दिव्यांग बच्चों को फल एवं मिष्ठान वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। साथ ही अपने आशीर्वचन में गणतंत्र दिवस की महत्ता को बच्चों के साथ साझा किया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट सत्यमूर्ति ओझा को मिला सम्मान

गणतंत्र दिवस पर लेफ्टिनेंट सत्यमूर्ति ओझा को सम्मानित करते हुए डीएम व एसपी।

सकलडीहा। सकलडीहा इंटर कालेज के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट सत्य मूर्ति ओझा को गणतंत्र दिवस पर डीएम ईशा दुहन और एसपी अंकुर अग्रवाल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। इनके द्वारा विभिन्न क्षेत्र में किये गये सार्थक प्रयास पर जिला प्रशासन द्वारा यह सम्मान मिला है। जिसे लेकर शिक्षक सहित छात्रों ने खुशी जताया है। प्रधानाचार्य डा. एसके लाल व प्रबंधक पंकज पांडेय ने कही। यह सम्मान कॉलेज का सम्मान है। कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक्ता डा. प्रमोद पांडेय, दिलीप सोनकर, अशोक यादव, मोहम्मद फैज, अभिनंन्दन, कमलापति पांडेय, प्रदीप कुमार, अनिल सेठ, गोपाल प्रसाद, घनश्याम त्रिपाठी, अनिल कुमार, संतोष मिश्र, धर्मेंद्र कुमार, संतोष सिंह किया।

सरकारी कार्यालयों पर शान से लहराया तिरंगा

जिला पंचायत कार्यालय पर ध्वजारोहण के बाद शपथ लेते जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ छत्रबली सिंह व सरिता सिंह।

चंदौली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरूवार को मुख्यालय स्थित जिला पंचायत कार्यालय पर जिला पंचायत अध्यक्ष दीनानाथ शर्मा ध्वजारोहण किया। साथ ही झंडे को सलामी दी और सभी को संकल्प भी दिलाया। अपर मुख्य अधिकारी अशोक कुमार मद्धेशिया ने लोगों को बधाई देते हुए कहा कि बड़ी कुबार्नी और बलिदान से यह हमें प्राप्त हुआ। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता सिंह, छत्रबलि सिंह, प्रशासनिक अधिकारी आनंद कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार सभागार में अध्यक्ष जेपी सिंह ने किया। इस मौके पर महामंत्री राज बहादुर सिंह, अनिल कुमार सिंह, झन्मेजय सिंह, संतोष कुमार सिंह, शमशुद्दीन, सुल्तान अहमद, उज्ज्वल सिंह आदि उपस्थित रहे। सपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह ने ध्वजारोहण किया। वहीं आलोक इंटर कॉलेज में डा.आनंद कुमार ने ध्वजारोहण कर लोगों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। एमबी पब्लिक स्कूल में प्रबंधक जय प्रकाश यादव ने ध्वजारोहण किया और आजादी की गाथा पर प्रकाश डाला। नेगुरा स्थित गुरुकुल स्कूल पर प्रबंधक इसरार अहमद ने तिरंगा फहराया। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा की ओर से गणतंत्र पर तिरंगा यात्रा निकालकर चंदौली बाजार का भ्रमण किया गया। इसके बाद सम्मान समारोह आयोजित कर पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्रम आदि भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान राजबहादुर सिंह, अखिलेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

ग्राम पंचायत कांवर को तीसरी बार मिला पुरस्कार

जिला मुख्यालय पर प्रधानपति को प्रमाण पत्र देते अधिकारी।

टाण्डाकला। मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत कांवर गांव में विकास के लिए तीसरी बार प्रधानपति को पुरस्कार राशि प्रदान किया गया। अपर जिला पंचायत राज अधिकारी ने प्रमाण पत्र व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इसके पहले भी दो बार सम्मानित हो चुके है। कांवर गांव में मार्ग, नाली, खंडजा, सरकारी भवनों आदि विकास के लिए ग्राम पंचायत को मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन राशि मिला। चन्दौली में जिला मुख्यालय पर अपर जिला पंचायत राज अधिकारी ने प्रधानपति गृजेश सिंह को 2021-22 का प्रोत्साहन राशि व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इसके पहले भी 2018-19 का मुख्यमंत्री का पंचायत प्रोत्साहन राशि लखनऊ में 24 अप्रैल 2019 को व 2019-20 का दीनदयाल उपाध्याय पंचायत पुरस्कार झांसी में पंचायत दिवस पर मिला था। तीसरी बार पुरस्कार मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष ब्याप्त है। इस दौरान प्रधानपति गृजेश सिंह ने बताया कि गांव में विकास के लिए हर समय खड़ा हूं, जो प्रोत्साहन राशि मिला है उसे गांव के विकास में खर्च करूंगा।

जन सहयोगः यूथ आईकान हिमांशु ने 35वीं बार किया रक्तदान

चंदौली। जन सहयोग संस्था रक्तदान के क्षेत्र में लोगों की मदद के लिए तेजी से आगे आ रहा है। इसी कड़ी में समाजसेवा के कारवां को आगे बढ़ाते हुए जन सहयोग संस्था के कोषाध्यक्ष व चंदौली जिले के यूथ आइकान हिमांश वर्मा ने 74वें गणतंत्र दिवस पर रक्तदान किया। यह उनके जीवन का 35वां अवसर था जब उन्होंने रक्तदान कर समाज को प्रेरित करने का काम किया है। जन सहयोग संस्था के अध्यक्ष अजीत कुमार सोनी ने कोषाध्यक्ष के प्रयास को सराहा तथा उनके व्यक्तित्व को युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। कहा कि युवाओं को सामाजिक सरोकार से जुड़ने की जरूरत है। हिमांशु वर्मा ने युवा अवस्था में ही 35 बार रक्तदान कर मिसाल कायम की है। बताया कि गणतंत्र दिवस पर वाराणसी में रक्तदान एसोसिएशन आफ पूर्वांचल ब्लड डोनेशन की ओर से आयोजित शिविर में हिमांशु ने 35वीं बार रक्तदान किया। बताया कि पावन व खुशियों के अवसर को हमें इस तरह मनाना चाहिए, जिससे दूसरों की मदद का राह प्रशस्त हो। इससे समाज में व्याप्त अभाव व कमियों को पूरा किया जा सकता है और यही सकारात्मक संदेश समाज में लेकर जाने का काम जन सहयोग संस्था कर रही है।

नीति आयोग से संबंधित कार्यों में नहीं होनी चाहिए कमी

चंदौली। मुख्य विकास अधिकारी एसएन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नीति आयोग से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने नीति आयोग के निर्धारित मानकों पर अपेक्षित कार्य करते हुए बेहतर प्रगति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि समस्त संबंधित विभाग नीति आयोग के फंड का नियमानुसार व्यय करें। नीति आयोग से संबंधित कराए गए कार्यों व क्रय की गई सामग्रियों में यदि कहीं कोई कमी परिलक्षित हो तो तत्काल दूर कर अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। संबंधित विभाग नीति आयोग के तहत उपलब्ध कराई गई धनराशि के सापेक्ष निर्धारित कार्यों को अविलंब पूर्ण करा लें। कार्य पूर्ण होने के पश्चात अवशेष धनराशि अविलंब वापस कर दी जाय। बैठक में नीति आयोग आयोग के अंतर्गत बाल विकास, स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, कृषि आदि विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास, बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य आदि उपस्थित रहे।

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावियों को मिला पुरस्कार

चंदौली। विधायक रमेश जायसवाल एवं अपर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में वर्ष-2022 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों को कलेक्ट्रेट सभागार में टैबलेट, सम्मानित वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों को 21 हजार रुपये, टेबलेट, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। जनपद स्तर पर हाईस्कूल एवं इंटर के टॉप 10 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट आदि का वितरण किया गया। हाईस्कूल टॉप 10 मेधावी विद्यार्थियों में अंजू यादव, अभिलाषा कुमारी, आशुतोष शर्मा, खुशी पांडेय, अंशु, राघवेंद्र यादव, अर्पणा, सत्यम कुमार, अनुज कुमार यादव एवं अभिषेक मौर्या शामिल रहे। इंटरमीडिएट के टॉप 10 मेधावी विद्यार्थियों में रितेश कुमार जायसवाल, किशन कुमार गुप्ता, संध्या वर्मा, प्रगति गुप्ता, जीनत अंसारी, आकाश विश्वकर्मा, प्रिया राय, अंकिता यादव, हर्षवर्धन सिंह एवं नेहा मौर्या को 21 हजार, 01 टेबलेट, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मेधावी छात्रों को टैबलेट, सम्मानित व अन्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया एवं उपस्थित लोगों द्वारा देखा गया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट आलोक, प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर फहराया तिरंगा

नियामताबाद। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस मिश्रा ने कार्यालय पर झंडा फहराया। एसएस गुरुकुलम एकेडमी के प्रधानाचार्य डॉ राकेश शर्मा, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचोखर पर प्रधानाचार्य शिवानंद गौतम, लालता प्रसाद इंटर कॉलेज पर प्रबंधक चंद्रजीत यादव, खंड परिसर कार्यालय नियमताबाद पर प्रमुख कमला देवी ने झंडा फहराया और पीआरडी के जवानों ने तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राहुल सागर, दिशा वेताल, धर्मेंद्र सिंह, नवीन श्रीवास्तव, डा.वाईके यादव, रामअवध यादव आदि उपस्थित रहे।

ओवरलोड वाहनों के कारण दुर्घटना की संभावना

सकलडीहा। ब्लॉक मार्ग से सुबह शाम बालू ट्रैक्टर, लकड़ी ट्रैक्टर सहित ट्रक के आने जाने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लॉक मार्ग से मुख्य मार्ग ओवर लोड वाहनों के चढ़ते ही गाड़ी का अगला हिस्सा उठा जाता है। जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

डॉ.महेंद्रनाथ पांडेय ने मृतक परिजनों को बंधाया ढांढस

जनसंदेश न्यूज

दिघवट गांव में मृतक परिजनों को ढांढस बंधाते केंद्रीय मंत्री डा.महेंद्रनाथ पांडेय।

चंदौली। सांसद व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री डा.महेंद्र नाथ पांडेय गुरुवार को शाम दिघवट गांव के दौरे पर रहे। इस दौरान राजकीय इंटर कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग का छज्जा गिरने के कारण मृतक नीरज के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचे। परिजनों से मिलकर घटना पर दुख व्यक्त किया। मृतक परिजनों को सरकार की योजनाओं का लाभ तत्काल दिलाने के लिए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को निर्देश भी दिया। उन्होंने कृषक बीमा दुर्घटना सहित संबंधित योजनाओं को देने के लिए कहा। मृतक के विकलांग भाई को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवा कर, रोजगार के प्रयास की भी बात कही।

ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री से गांव में जर्जर तार व खंभे बदलने की भी मांग की, जिस पर तत्काल उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को निर्देश दिया की समस्या को चिन्हित कर तत्काल कार्य कराया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ईशा दुहन, पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, सकलडीहा उपजिलाधिकारी मनोज पाठक, क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय, पूर्व जिलाध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि सर्वेश कुशवाहा, राणा प्रताप सिंह, जितेंद्र पांडे, मीडिया प्रभारी हरिवंश उपाध्याय, शिव शंकर पटेल, जगत तिवारी उपस्थित रहे।

पहलवानी को लेकर गांवों में आज भी है जुनूनः मनोज सिंह डब्लू

दंगल प्रतियोगिता

धानापुर के सीतापोखरी में कुश्ती-दंगल का हुआ आयोजन

सीतापोखरी में कुश्ती-दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मनोज सिंह डब्लू।

धानापुर। क्षेत्र के सीतापोखरी स्थित बाबा मोती वीर के अखाड़े पर कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक मनोज कुमार सिंह डब्लू ने पहलवानों का मिला कर किया। साथ ही कुश्ती भी देखी। इस दौरान मनोज कुमार सिंह डब्लू ने कहा कि कुश्ती-दंगल को लेकर आज भी गांव के युवाओं में जुनून बाकी है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है।

कुश्ती हमारे देश की प्राचीन खेल है, जो आज भी गांवों में जीवंत है। गांवों में होने वाले छोटे-छोटे आयोजन ही कुश्ती-दंगल का अस्तित्व बचाए व बनाए हुए हैं। कुश्ती की प्रतिभा को निखारने के लिए ग्रामीण अंचलों में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता अति आवश्यक है। कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव प्रतिभावान पहलवान रहे। राजनीति के भी बेजोड़ पहलवान रहे।

उनके स्मृति में अपने गृह गांव माधोपुर में नेताजी की कुटिया का निर्माण करा रहा हूं, जिसमें एक बेहतरीन अखाड़ा भी रहेगा। नेताजी के जयंती पर विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें ईनाम में दुधारू भैंस रहेगी, जिसका दूध पीकर पहलवान अपनी प्रतिभा निखारने का काम करेंगे। इस मौके सपा नेता रमेश यादव, रामजनम यादव, विपिन यादव बिक्कु, डा. रामनगीना प्रजापति, विकास यादव, कुंजबिहारी छोटू प्रधान, दयाराम प्रधान, रामधनी यादव, प्यारे पहलवान रहे। धन्यवाद ज्ञापन श्रीपति सिंह यादव ने किया।

सीआरपीएफ जवान की ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से मौत

प्यारे लाल यादव।

चहनियां। क्षेत्र के मटियरा गांव निवासी सीआरपीएफ में एसआई 58 वर्षीय प्यारेलाल यादव का ड्यूटी के दौरान बुधवार को मौत हो गयी। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। प्यारेलाल श्रीनगर के कुलगाम में तैनात थे। क्षेत्र के मटियरा गांव के रहने वाले प्यारे लाल यादव, श्रीनगर के कुलगाम में सीआरपीएफ में एसआई के पद पर तैनात थे। 24 दिसम्बर को छुट्टी बिताकर घर से ड्यूटी पर श्रीनगर गये थे। ड्यूटी के दौरान बुधवार को हार्ट अटैक से इनकी मौत हो गयी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी इंद्रावती देवी, पुत्रियां प्रियंका व सुष्मिता, छोटा भाई कृष्णदेव यादव, उनके पुत्र सूरज व नीरज, बड़े भाई के पुत्र चंदन यादव का रोकर बुरा हाल है। मटियरा गांव में सैनिक प्यारे लाल यादव की मौत के बाद तीन दिनों से गांव में मातम छाया हुआ है। शुक्रवार को सीआरपीएफ जवान प्यारे लाल का शव पहुंचा। उनका शव जैसे ही बलुआ के पास पहुंचा सैकड़ों की संख्या में युवा तिरंगा झण्डा लिए भारत माता की जयकारा लगाते हुए बलुआ से कैथी के रास्ते मटियरा गांव पहुंचे। सेना के जवानों ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये। साथ ही पत्नी को आश्वासन दिया कि एक बेटी को नौकरी व पेंशन भी दिया जायेगा। सीआरपीएफ जवानों ने बलुआ घाट पर गार्ड आफ आनर दिया। इस दौरान बलुआ इंस्पेक्टर विनय प्रकाश सिंह, सपा नेता अनिल यादव, सुभाष यादव, जिला पंचायत सदस्य रबिन्द्र यादव, ग्राम प्रधान सन्तोष यादव, धर्मेंद्र यादव, अमरजीत यादव, बाबूलाल यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य कर्मी का पीछा करने वाला मनचला गिरफ्तार

सफलता

वाट्सएप पर भेजता था आपत्तिजनक मैसेज व वीडियो

चंदौली कोतवाली में पकड़े गए आरोपी संग पुलिस टीम।

चंदौली। सदर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को मनचले को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उक्त मनचले ने सदर प्राथमिक विद्यालय में तैनात एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के कई महीनों से पीछे पड़ा था। ऐसे में महिला के शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को नगर के डाक बंगला रोड से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ इससे पहले भी महिला से छेड़खानी का मुकदमा किया गया था।

जानकारी के अनुसार सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात महिला स्वास्थ्यकर्मी ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि युवक कई महीनों से उसके वाट्सएप्प पर आपत्तिजनक संदेश और वीडियो भेज रहा था। वहीं स्वास्थ्य केंद्र आने जाने के दौरान पीछा भी करता है। इसके अलावा कई बार उसके घर में घुसकर धमकी भी दे चुका है। जिसके चलते उसके परिवार के सदस्य भी डरे सहमें हुए है। महिला की शिकायत के बाद सदर कोतवाली पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को पुलिस टीम ने आरोपी को डाक बंगला रोड स्थित दुर्गा मंदिर के समीप से दबोच लिया। जिसकी पहचान सकलडीहा थाना क्षेत्र के शिवदासीपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार त्रिपाठी के रूप में हुई। कोतवाल राजीव सिंह ने बताया कि पुलिस के द्वारा हिरासत में लिया गया आरोपी काफी शातिर है। इसके खिलाफ पूर्व में भी मुकदमा दर्ज हुआ है। फिलहाल आरोपी का चालान करके जेल भेज दिया गया है।

परीक्षा पर चर्चा : बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

जनसंदेश न्यूज

बच्चों के साथ परीक्षा पर चर्चा का सजीव चित्रण देखते गगन कुमार गुप्ता व महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सरिता गुप्ता

मोढ़। क्षेत्र के सूर्या बालिका इंटर कॉलेज में स्वयंसेवी संस्था माय होम इंडिया द्वारा 'परीक्षा पर चर्चा' 2023 कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बालिकाओं को दिखाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा के दौरान क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए जीवन को सफल बनाने का मंत्र दिया। बच्चों ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए हर मंत्र को नोटबुक में लिखा बीच-बीच में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए तर्कों से बालिकाओं के चेहरे पर मुस्कान आई। परीक्षा के समय डिप्रेशन अनावश्यक तनाव नहीं लेना चाहिए उत्सव की तरह परीक्षा की तैयारी करें जब प्रधानमंत्री ने लाइव प्रसारण में कहा कि एक परीक्षा से निकले और जिंदगी निकल गई, ऐसा संभव नहीं है।

आज तो डगर-डगर पर परीक्षा देना होता है। कहां-कहां नकल करोगे। नकल से जिंदगी नहीं बनती। जिंदगी की परीक्षा में फंसे रहोगे। जो मेहनत करते हैं, उनसे मैं कहूंगा कि मेहनत आपकी जिंदगी में रंग लाएगा, कोई कुछ नंबर ज्यादा ले आएगा, पर आपकी जिंदगी में रुकावट नहीं बन पाएगा। इस मंत्र को सुनने के बाद बच्चे हाल में तालियों की गड़गड़ाहट कर प्रधानमंत्री के भाषण का स्वागत किया। इस मौके पर प्रबंधक राजन दुबे, हिमांशु उपाध्याय सहित अन्य अध्यापक अध्यापिका मौजूद रहे।

परीक्षा पर चर्चा का देखा गया सजीव चित्रण

गोपीगंज। जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज गोपीगंज के विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा 2023 कार्यक्रम परीक्षा के साथ जीवन में सफल होने का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का प्रसारण परीक्षा पर चर्चा के दौरान कालेज की प्रधानाचार्य निरुपमा मिश्रा समस्त अध्यापिकाएं, बच्चियों के साथ चर्चा में शामिल रही। इस मौके पर गोपीगंज के वरिष्ठ कार्यकर्ता गगन कुमार गुप्ता, महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सरिता गुप्ता भी मौजूद रही।

शातिर वाहन चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

सफलता

फर्जी नंबर प्लेट वाली की 2 मोटरसाइकिल बरामद

भदोही। जनपद में चुस्त-दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत डॉ. अनिल कुमार, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा अपराधों की रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना व पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर चेकिंग के दौरान इरफान पुत्र मो. इस्लाम निवासी कांशीराम कॉलोनी मामदेवपुर थाना व जनपद भदोही को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट के 02 मोटरसाइकिल (पल्सर, सुपर स्प्लेंडर) बरामद किया गया ।

उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर विभिन्न धाराओं 411, 419, 420, 467, 468, 471 भा.द.वि. पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक घटनाओं में संलिप्तता की जांच सहित आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त इरफान ने पूछताछ के दौरान बताया कि मैंने मोटर साइकिल नं0- वढ65इऋ6374 (सुपर स्पेलेण्डर) अकेले ही बर्ष 2018 में फूलपुर सरपहवां वाराणसी बारात में से चोरी की थी।

मोटर साइकिल - (पल्सर काले रंग) मै व मेरा साथी आजम अली पुत्र शौकत अली निवासी छेड़ीबीर थाना व जिला भदोही नें मिलकर गौसनगर थाना करेली जनपद प्रयागराज से चोरी किये थे। हम लोग मिलकर चोरी करते है, हमारा साथी आजम अली पुत्र शौकत अली निवासी छेड़ीबीर थाना व जिला भदोही जो कुछ दिनो से हमारे साथ नही रह रहा है पुलिस से लुक छिप कर अन्यत्र कही रह रहा है। पुलिस का कहना है कि आजम अली पुत्र शौकत अली निवासी छेडीबीर की तलाश की जारही है जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ठुमरी साम्राज्ञी गिरिजा देवी की याद में संगीत संध्या

उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी का आयोजन

वाराणसी। नागरी नाटक मंडली कबीरचौरा में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में ठुमरी साम्राजी पद्मविभूषण विदुषी श्रीमती गिरिजा देवी की स्मृति में आयोजित सांगीतिक कार्यक्रम पुष्पांजलि साकार हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि सुविख्यात कलाकार पद्मश्री पं राजेश्वर आचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । उन्होंने भारतीय महिलाओं के लिये संगीत को गंभीर विषय के रूप में स्थापित करने के संघर्ष में पद्मविभूषण श्रीमती गिरिजा देवी के योगदान का स्मरण करते हुए उनकी यशकाया को प्रेरणापुंज बताया और कहा कि उनका जीवन साधना से सिद्धि का उदाहरण है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक तरुण राज ने इस पुष्पांजली आयोजन को उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति और संगीत के संवर्धन के अभियान का भाग बताया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति युवा कलाकार सुश्री अलंकृता राय के गायन से हुआ। उन्होंने मिश्र तिलंग में निबद्ध ठुमरी सुनायी। बोल थे अंखिया रसीली तोरे श्याम रे। इसके बाद दादरा सुनाया। बोल थे- श्याम तोरे नजरिया लग जायेगी। इसके बाद पं. देवाशीष डे का गायन हुआ। उन्होंने राग बसंत में विलंबित एकताल में निबद्ध बंदिश सुनायी। बोल थे नबी के दरबार। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति पुणे से पधारी कलाकार श्रीमती सानिया पाटणकर का गायन रहा। उन्होंने राग भूप नट में निबद्ध विलंबित तीनताल में निबद्ध बंदिश सुनायी। बोल थे मालनिया लायी।

स्पोर्ट्स

पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए सिर्फ महिला अधिकारी शामिल, इनमें भारत से भी तीन नाम

अगले महीने महिला टी20 विश्व कप का आगाज होने जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत समेत 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। आईसीसी इस टूर्नामेंट को सुपरहिट बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। अब काउंसिल ने टूर्नामेंट के लिए मैच अधिकारियों का भी एलान कर दिया है। आईसीसी ने अपने किसी टूर्नामेंट के लिए पहली बार सिर्फ महिला रेफरी और अंपायरों की घोषणा की है। महिला टी20 विश्व कप में सिर्फ महिला रेफरी और अंपायर ही दिखेंगी। यह आईसीसी की ओर से महिला सशक्तिकरण की ओर लिया गया अहम कदम है।रेफरी और अंपायरों के पैनल में भारत से भी तीन नाम शामिल हैं। महिला टी20 विश्व कप में जीएस लक्ष्मी, वृंदा राठी और जननी नारायणन की भारतीय तिकड़ी भी दिखेंगी। आईसीसी के पैनल में तीन मैच रेफरी और 10 अंपायर समेत कुल 13 महिला अधिकारियों की टीम है।

टी20 में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड ने 21 रन से हराया

वनडे सीरीज को भारत ने 3-0 से किया था क्लीन स्वीप, तेज गेंदबाज व बल्लेबाजों ने किया निराश

रांची। न्यूजीलैंड ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को 21 रन से हरा दिया। रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पहली बार भारत को टी20 मुकाबले में हार मिली है। डेरिल मिचेल और डेवोन कॉनवे की अर्धशतकीय पारियों से न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत की बल्लेबाजी फेल रही और टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी। वॉशिंगटन सुंदर ने फिफ्टी लगाने के साथ ही 2 विकेट भी लिये, लेकिन वह भारत को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला करने के बाद भारतीय गेंदबाज सही दिशा में गेंदबाजी करने में नाकाम रहे, जिससे कॉनवे और फिन ऐलन ने न्यूजीलैंड को तेज शुरुआत दिलायी। दोनों ने 4.2 ओवर में 43 रन की साझेदारी कर डाली जिसमें ऐलन ज्यादा आक्रामक रहे।

आखिरी ओवर में बने 27 रन, मिशेल और कॉन्वे की तूफानी पारी

उन्होंने 23 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्का जड़ा। वॉशिंगटन सुंदर के पांचवें ओवर की पहली गेंद पर ऐलन ने छक्का लगाया लेकिन फिर से ऐसा करने के चक्कर में सूर्यकुमार यादव को कैच थमा बैठे। सुंदर ने उसी ओवर में मार्क चैपमैन (शून्य) के विकेट के साथ मैच में भारत की वापसी करायी। कोन्वे ने उमरान के खिलाफ दो चौके और छक्का लगाकर टीम से दबाव हटा दिया। न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट पर 79 रन बना लिये थे। कुलदीप की गुगली को पढ़ने में हालांकि ग्लेन फिलिप्स नाकाम रहे और डीप मिडविकेट पर सूर्यकुमार को कैच थमा बैठे।

इसके बाद डेरिल मिचेल कॉनवे का साथ देने पहुंचे। कॉनवे ने 16वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही अर्शदीप की गेंद पर हुड्डा को कैच देकर पवेलियन लौट गये। ईशान किशन ने इसके बाद माइकल ब्रेसवेल (एक रन) को रन आउट किया जबकि

शिवम मावी की गेंद पर मिचेल सैंटनर ने राहुल त्रिपाठी को कैच थमा दिया। भारतीय टीम के लिए आखिरी ओवर महंगा रहा जिसमें अर्शदीप ने 27 रन खर्च किये। मिचेल ने 30 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और पांच छक्के लगाये जिसमें उन्होंने आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह के खिलाफ हैट्रिक छक्का जड़ने के बाद चौका लगाया। न्यूजीलैंड ने इस ओवर से 27 रन बटोरे। वनडे सीरीज के तीसरे मैच में 138 रन की पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज कॉनवे ने शानदार लय जारी रखते हुए 35 गेंद में सात चौके और एक छक्का की मदद से 52 रन बनाये।

भारतीय टीम ने पहले चार ओवर में ही तीन विकेट भी खो दिये थे। ईशान किशन (4) दूसरे, राहुल त्रिपाठी (0) तीसरे और शुभमन गिल चौथे ओवर में आउट हो गए। वनडे सीरीज में कमाल करने वाले गिल सिर्फ 7 रन बनाकर ही आउट हो गए। उनका विकेट मिचेल सेंटनर ने लिया। 15 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने पारी संभाली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी हुई। सूर्या फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 34 गेंदों पर 47 रन बनाकर ईश सोढ़ी का शिकार बन गए।

अपनी पारी में सूर्या ने 6 चौके और 2 छक्के मारे। इसके बाद कप्तान हार्दिक भी 21 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। निचले क्रम में वॉशिंगटन सुंदर ने लड़ाई की लेकिन वह काफी नहीं था। उनके बल्ले से 28 गेंदों पर 50 रनों की पारी निकली। यह उनकी टी20 इंटरनेशनल में पहली फिफ्टी है। दीपक हुड्डा 10 और शिवम मावी 2 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान सेंटनर ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट लिये। ब्रेसवेल को भी दो विकेट मिले।

स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी शादी के बंधन में बंधे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट केएल राहुल ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी के साथ शादी की। अब उनके बाद स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी शादी के बंधन में बंध गए हैं। अक्षर ने अपनी मंगेतर मेहा पटेल के साथ सात फेरे लिए। अक्षर पटेल की शादी गुरुवार (26 जनवरी) को गुजरात के वडोदरा में हुई। अब इस शादी समारोह की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। तस्वीरों में अक्षर और मेहा नक्काशीदार सफेद रंग के लिबास में बेहद खूबसूरत नजर आ रहे हैं। यहां अक्षर पारंपरिक पगड़ी बांधे दिखाई दे रहे हैं। मेहा भी शादी के जोड़े में बेहद प्यारी लग रही हैं। अक्षर और मेहा के फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मेहंदी, हल्दी, संगीत सेरेमनी से लेकर सात फेरों तक के कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। आपको बता दें कि 28 साल के अक्षर पटेल और मेहा एक-दूसरे को काफी लंबे समय से डेट कर रहे थे। पिछले साल ही मेहा और अक्षर की सगाई हुई। अब दोनों शादी के बंधन में बंध गए हैं। अक्षर पटेल ने विंटेज कार पर अपनी बारात निकाली। अक्षर-मेहा की शादी में मोहम्मद कैफ, जयदेव उनादकट समेत कई क्रिकेटर भी पहुंचे।

अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार के बाद भावुक हुईं सानिया मिर्जा

सानिया का अपने ग्रैंडस्लैम करियर का अंत खिताब के साथ करने का सपना पूरा नहीं हो पाया

मेलबर्न। भारत की स्टार खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनके जोड़ीदार हमवतन रोहन बोपन्ना को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल में हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से सानिया का अपने ग्रैंडस्लैम करियर का अंत खिताब के साथ करने का सपना पूरा नहीं हो पाया। उन्होंने अपने करियर में छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं।

सानिया और बोपन्ना की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी रोड लेवर एरेना में खेले गए फाइनल में लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस की ब्राजीलियाई जोड़ी से 6-7 (2) 2-6 से हार गई। सानिया ने अपने करियर में तीन महिला युगल और इतने ही मिश्रित युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। बयालीस वर्षीय बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन के रूप में मिश्रित युगल का एक ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है।

खेल के समापन के बाद सानिया ने ब्राजील की जोड़ी को बधाई दी। जीत के लिए उनकी सराहना की लेकिन, जैसे ही उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बोलना शुरू किया टेनिस स्टार अपने आंसुओं को रोक नहीं पाई। सानिया ने कहा कि मेरा प्रोफेशनल करियर मेलबर्न में शुरू हुआ। मैं अपने करियर को समाप्त करने के लिए इससे बेहतर नहीं सोच सकती थी। रोड लेवर मेरी जिंदगी में खास रहा है। कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने बेटे के सामने ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल पाऊंगी। यह सानिया के करियर का 11वां ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

बॉलीवुड न्यूज

'द वैक्सीन वॉर' में नाना पाटेकर निभाएंगे लीड किरदार

मुंबई। विवेक अग्निहोत्री की बहुप्रतीक्षित और प्रत्याशित फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' की शूटिंग आखिरकार पूरी हो चुकी है और अब समय आ गया है कि वह फिल्म के प्रमुख किरदारों का खुलासा करें। जबकि मेकर्स फिल्म की कास्ट को सीक्रेट रख रहे थे, विवेक रंजन अग्निहोत्री ने हाल ही में खुलासा किया कि कांटारा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सप्तमी गौड़ा को 'द वैक्सीन वॉर' के लिए चुना गया है। अब इस फिल्म से जुड़ी एक नई अनाउंसमेंट के मुताबिक नाना पाटेकर 'द वैक्सीन वॉर' में लीड रोल निभाएंगे। इसके बारे में बात करते हुए, विवेक रंजन अग्निहोत्री कहते हैं, 'आई एम बुद्धा' में हम भारतीय सिनेमा की बेस्ट प्रतिभाओं के साथ काम करने के लिए कमिटेड हैं। द वैक्सीन वॉर के लिए, हीरो को पावरफुल, क्रेडिबल और अंडरप्लेड होना था। और जब हम किसी ऐसे व्यक्ति को कास्ट करने के बारे में सोच रहे थे जिसका प्रदर्शन निर्विवाद है तो हमने नाना पाटेकर का ही नाम सोचा। वह अभिनेताओं की उस रेयर ब्रीड में से एक हैं जो किसी भी भूमिका में चमकते हैं और जिन्होंने कभी भी अपने क्राफ्ट, अपने प्रदर्शन के साथ समझौता नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा मुझे बेहद खुशी है कि पल्लवी और मैंने नाना पाटेकर को फिल्म का नेतृत्व करने के लिए चुना। उन्होंने अपने करियर के सबसे शक्तिशाली, विश्वसनीय और अद्भुत प्रदर्शनों में से एक दिया है। उन्होंने खुद को स्क्रिप्ट और किरदार के लिए समर्पित कर दिया, जो हिंदी सिनेमा के बीच एक बहुत ही रेयर क्वालिटी है। और हम बहुत खुश हैं कि नाना पाटेकर हमारे समय की सबसे अहम फिल्मों में से एक में काम कर रहे हैं। हमारे समय की सबसे प्रेरक और ईमानदार फिल्म, हमारे समय की सबसे ईमानदार और सच्ची फिल्म द वैक्सीन वॉर ।

'खुदा हाफिज चैप्टर 2' मनोरंजन के लिए तैयार

मुंबई। जब किसी आदमी को इतना मजबूर कर दिया जाए कि उसे अंजाम की परवाह ही न रहे, ऐसे ही मामूली लोग आगे जाके बाहुबली बनते हैं। इस रिपब्लिक डे के मौके पर एंड पिक्चर्स पर 28 जनवरी 2023 को रात 8 बजे एक्शन एंटरटेनर खुदा हाफिज चैप्टर 2 अग्नि परीक्षा के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ मनोरंजन के धमाके के लिए तैयार हो जाइए। फारुख कबीर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विद्युत जामवाल और शिवालिका ओबेरॉय लीड रोल में हैं। पार्ट वन की डायरेक्ट सीक्वल खुदा हाफिज चैप्टर 2 अग्नि परीक्षा समीर (विद्युत) और नरगिस (शिवालिका) का सफर दिखाती है, जो अपनी जिंदगी में हुए एक भयानक हादसे के बाद एक अनाथ बच्ची नंदिनी को गोद लेकर खुशी-खुशी जीवन गुजार रहे हैं। लेकिन उनकी किस्मत एक बार फिर खतरनाक मोड़ लेती है, जब नंदिनी लापता हो जाती है। विद्युत ने अपने बचपन से ही कलारिपयट्टू की ट्रेनिंग ली है, जो दुनिया का सबसे पुराना और सबसे खतरनाक मार्शल आर्ट है, जिसकी जड़ें भारत में गहरे तक समाई हैं। ऐसे में विद्युत एक एक्शन हीरो के रूप में जन्मे हैं। वो एक्शन और स्टंट सीक्वेंस बखूबी करते हैं, जो इससे पहले भारतीय सिनेमा में मुश्किल से ही देखने को मिलता था। इस फिल्म में शीबा चड्ढा खलनायिका बनी हैं, जो अपने अनोखे अंदाज और एक्टिंग की खूबी के लिए जानी जाती हैं। शीबा चड्ढा ने ठाकुरजी के रोल में अपनी रोंगटे खड़े कर देने वाली परफॉर्मेंस से साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है।

फाइनल से पहले बल्लेबाजी में आक्रामकता लाने की जरूरत

त्रिकोणीय श्रृंखला भारतीय महिला क्रिकेट

ईस्ट लंदन। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट श्रृंखला के मैच में अपने रवैए में आक्रामकता लानी होगी। वेस्टइंडीज के पहले तीनों मैच गंवाने के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका पहले ही फाइनल में जगह बना चुके हैं।

ऐसे में दो फरवरी को होने वाले फाइनल से पहले यह मैच उसकी 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। अगर स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की अनुभवी जोड़ी ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से नहीं निभाई होती तो भारतीय टीम पिछले लीग मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रतिस्पर्धी स्कोर नहीं बना पाती। इन दोनों खिलाड़ियों से जहां निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जा रही है वहीं कप्तान को युवा खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। शेफाली वर्मा की अनुपस्थिति में पारी का आगाज कर रही यास्तिका भाटिया पावरप्ले में आक्रामक रवैया अपनाने में नाकाम रही है। अभी तो भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज से हो रहा है लेकिन विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ इस तरह का रवैया टीम को मुश्किल में डाल सकता है।

शेफाली की तरह अंडर-19 विश्व कप में खेल रही रिचा घोष की अनुपस्थिति में भारत को मध्यक्रम में एक 'पावर हिटर' की कमी खल रही है। अमनजोत कौर ने अपने पदार्पण मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह इसे दोहराने की कोशिश करेंगी। जेमिमा रोड्रिग्स की खराब फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से ही जारी है और वह अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले कुछ रन अपने नाम लिखवाना चाहेगी। इस मैच से हरलीन देओल को भी अपना प्रभाव छोड़ने का मौका मिलेगा क्योंकि वह पिछले दो मैचों में नाकाम रही थी।

ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर फिटनेस से जुड़े मसलों के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाई है लेकिन वह शनिवार को अंतिम एकादश में जगह बना सकती है। भारतीय टीम में वापसी करने वाली शिखा पांडे से भी गेंदबाजी में टीम को अच्छी शुरुआत की जरूरत है। वह वापसी के बाद अपने पहले मैच में विकेट नहीं ले पाई थी। दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत से हार गया था और वह फाइनल से पहले इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की थी।

टीम इस प्रकार हैं : भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, सुषमा वर्मा (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, पूजा वस्त्राकर, सभिनेनी मेघना, स्नेह राणा और शिखा पांडे।

दक्षिण अफ्रीका: सुने लुस (कप्तान), क्लो ट्राइटन (उपकप्तान), एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्क्सन, लारा गुडॉल, शबनीम इस्माइल, सिनालो जाफ्ता, मरिजेन कप, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, टेबोगो माचेके, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, डेल्मी टकर और लौरा वोल्वार्ड्ट। मैच भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे शुरू होगा।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पिछले पांच साल में सामने आए डोपिंग के सिर्फ आठ मामले, सतर्क रहेगा एफआईएच

भुवनेश्वर। हॉकी डोपिंग के मामले में सबसे स्वच्छ खेलों में से एक है जिसमें पिछले पांच वर्षों में इससे संबंधित अपराधों के लिए सिर्फ आठ खिलाड़ियों को निलंबित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) हालांकि इस मामले में सतर्कता बनाये रखना चाहता है। जनवरी 2017 से डोप उल्लंघन (प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष) के 14 मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जिनमें से आठ खिलाड़ियों को निलंबन की सजा दी गई है। इसमें लगभग सभी मामले नशीले पदार्थों से संबंधित है न कि प्रदर्शन बढ़ाने वाले पदार्थों से। एफआईएच के मुताबिक 2021 में डोपिंग नियमों के उल्लंघन (एडीआरवी) से जुड़ा सिर्फ एक मामला सामने आया लेकिन इसमें भी किसी को निलंबित नहीं किया गया। एफआईएच के वरिष्ठ संचार प्रबंधक निकोलस मैनगोट ने कहा, विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप, एफआईएच एक स्वच्छ खेल संचालन की अपनी प्रतिबद्धता को बेहद गंभीरता से लेता है और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करता है कि डोपिंग से जुड़े परीक्षण और शिक्षा में कोई कमी ना रहे। हॉकी में हालांकि एथलेटिक्स, तैराकी, भारोत्तोलन और यहां तक कि फुटबॉल जैसे अन्य खेलों की तुलना में एक वर्ष में किए गए डोप परीक्षणों की संख्या बहुत कम है। मौजूदा विश्व कप में क्रॉसओवर मैचों के अंत तक लगभग 20 नमूने एकत्र किए गए थे, जो एक वैश्विक टूर्नामेंट के लिए बहुत कम है। क्रॉसओवर चरण तक विश्व कप के 44 में से 28 मैच खेले जा चुके है। इसकी तुलना में कतर में 2022 फीफा विश्व कप में 1,600 से अधिक डोप नमूने एकत्र किए गए थे। एफआईएच ने हालांकि कहा कि बाकी मैचों (16 मैचों) में अधिक नमूने एकत्र किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि भाग लेने वाले खिलाड़ियों का पहले भी परीक्षण किया जा चुका है। इस विश्व कप में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों द्वारा नमूने एकत्र किए जा रहे है। मैनगोट ने कहा, सभी टीमों का पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का परीक्षण पहले किया जा चुका है। यह एनएडीओ (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संगठन) द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, इस प्रक्रिया का प्रबंधन आईटीए (अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) करता है लेकिन नमूना संग्रह के लिए, भारत का एनडीओ जिम्मेदार है। हॉकी में 2021 में 177 खिलाड़ियों के 200 नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 127 प्रतियोगिता के दौरान के थे और 73 प्रतियोगिता से बाहर थे। इसमें मूत्र के नमूनों की संख्या 183 थी, जबकि 17 रक्त के नमूने थे। इसमें से 51 प्रतिशत नमूने पुरुष खिलाड़ियों के थे। उन्होंने कहा, एफआईएच ने जुलाई 2015 से नियम बनाया है कि उसकी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को एक अनुमोदित डोपिंग रोधी शिक्षा कार्यक्रम को पूरा करना होगा। ऐसे खिलाड़ी जिनके पास वैध डोपिंग रोधी प्रमाणपत्र (दो वर्ष के लिए वैध) नहीं है, उसे प्रतियोगिता में तब तक खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि वे इसे हासिल नहीं कर लेता।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. UPHIN/2012/46221
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्लू / एसपी - 78/2011-13।

एलजीएम : एमएस धोनी के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म की हुई घोषणा

मुंबई। महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी के प्रोडक्शन हाउस धोनी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की पहली फिल्म 'लेट्स गेट मैरिड' की घोषणा की है। तमिल में बनने जा रही इस फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में हरीश कल्याण, इवाना, नदिया और योगी बाबू होंगे। फिल्म का निर्देशन रमेश तमिलमणि करेंगे और इसकी शूटिंग 27 जनवरी से शुरू हो जाएगी।

काफी समय से खबरें थीं कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले हैं। क्रिकेट जगत में नाम कमाने के बाद अब वह फिल्मों में पारी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस धोनी एंटरटेनमेंट लॉन्च किया है और इसके बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म की घोषणा भी हो गई है। फिल्म का नाम लेट्स गेट मैरिड है, जिसका मोशन पोस्टर जारी हुआ है। प्रोडक्शन हाउस की तरफ से ट्विटर पर फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। यह एक तमिल फिल्म होगी। कैप्शन में लिखा है, 'हम धोनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही पहली फिल्म के नाम लेट्स गेट मैरिड की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। बता दें कि इस फिल्म में नादिया, हरीश कल्याण और अभिनेत्री इवाना लीड रोल में नजर आएंगी, वहीं योगी बाबू भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी रमेश थमिलमणि को सौंपी गई है। सबसे पहले बात करते हैं नादिया की। वह तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। नादिया अपने शादार प्रदर्शन के लिए फिल्मफेयर और नंदी पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं। दूसरी ओर हरीश एक तमिल एक्टर हैं। फिल्म प्यार प्रेम काधल से उन्हें लोकप्रियता मिली। तमिल और मलयालम फिल्मों की अभिनेत्री इवाना की पिछले साल फिल्म लव टुडे आई थी, जो हिट रही थी, वहीं योगी तमिल फिल्मों के जाने-माने अभिनेता और कॉमेडियन हैं। अक्टूबर, 2022 में धोनी के इस प्रोडक्शन हाउस का ऐलान हुआ था। इसी के साथ यह जानकारी दी गई थी कि इसके बैनर तले सबसे पहले एक तमिल फिल्म का निर्माण किया जाएगा। इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम धोनी की पत्नी साक्षी रावत संभाल रही हैं। निर्देशक थमिलमणि ने इस पर कहा था, इस फिल्म का कॉन्सेप्ट साक्षी का है, जो खास है और मुझे बेहद पसंद आया है।

समस्त सम्मानित जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सेंट जार्ज स्कूल

करनौल मोड़, शहाबगंज, चन्दौली

पंकज यादव

प्रिंसिपल

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

रीता देवी

ग्राम प्रधान टिमिलपुर चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. संजय यादव

सकलडीहा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सकलडीहा चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

मुन्नू शर्मा

ग्राम प्रधान धनेजा, चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

पारसनाथ त्रिपाठी मेमोरियल हॉस्पिटल एवं सेमरा इण्डेन गैस एजेंसी

शहाबगंज, चन्दौली

प्रबंधक

सुबाष त्रिपाठी

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

लालमनी बाबूलाल मौर्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

भटरौल, शहाबगंज, चन्दौली

प्रधानाचार्य

एस.के. मौर्य

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

ओम प्रकाश

ग्राम प्रधान दिघवट बबुरी चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

मां शीतल पब्लिक स्कूल

इलिया रोड चन्दौली

प्रबंधक

अजय उर्फ कमलेश सोनकर

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सरिता सिंह

ग्राम प्रधान/अध्यक्ष करनौल वि०ख० शहाबगंज, चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सैयदराजा किड्स पब्लिक स्कूल

थाना के सामने सैयदराजा, चन्दौली

प्रबंधक

सुशील शर्मा

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

अधिवक्ता

अजय कुमार सिंह

डेमोक्रेटिक बार संरक्षक, चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

एडवोकेट

महेन्द्र यादव

राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय कृषक दल

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

चन्दौली हॉस्पिटल मल्टी स्पेशियलिटी व एम.डी. नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज

बिजुलिया ब्रह्म बाबा के सामने पालीटेक्निक के पास सकलडीहा रोड चन्दौली

प्रबंधक निदेशक

डॉ. बी.के. वर्मा

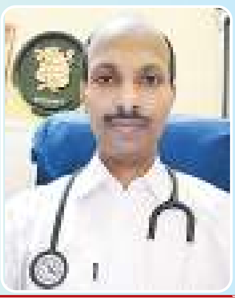

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

दुर्गा गर्ल्स डिग्री कालेज व दुर्गा इण्टर कालेज

गौरी-बबुरी चन्दौली

प्रबंधक

प्रशांत कुमार सिंह

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

एम.बी. पब्लिक स्कूल

वॉर्ड नं. 2 शास्त्री नगर हारूपुर चन्दौली

प्रबंधक

जयप्रकाश यादव

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी रविदास जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेश पटेल
कोषाध्यक्ष
रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन

सुनील अग्रवाल
कार्यकारिणी अध्यक्ष

डीएस मिश्रा
अध्यक्ष
रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन

रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन रामनगर चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सुजीत कन्नौजिया

जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

पूर्वांचल कम्प्यूटर शिक्षण सेवा संस्था

वॉर्ड नम्बर 2, शास्त्री नगर, कैली रोड चन्दौली

प्रबंधक

रामचंद्र यादव

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

छत्रबली सिंह

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चन्दौली

गीता देवी

ब्लॉक प्रमुख शहाबगंज, चन्दौली

निवेदक- राकेश सिंह प्रमुख प्रतिनिधि तियरी शहाबगंज चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आलोक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

वॉर्ड नं. 6 इंद्रा नगर चन्दौली

डॉ. आनन्द बहादुर

(प्रधानाचार्य)